04 जुलाई, 2025
आषाढ़, शुक्ल पक्ष, नवमी
संवत 2082
पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹3.00

रांची
शुक्रवार, वर्ष 10, अंक 254

* ओड़िशा संस्करण

www.epaper.azadsipahi.in

कलम कलम बढ़ाये जा

आजाद सिपाही

भारत में लोकतंत्र सिस्टम नहीं, संस्कार है: मोदी

केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री ने गढ़वा में फोर लेन और रांची में एलिवेटेड कॉरिडोर जनता को किया समर्पित

रांची को आउटर रिंग रोड और इलेक्ट्रिक बसों की सौगात मिलेगी : गडकरी

- राज्य सरकार सहयोग दे, तो कई काम समय पर पूरे हो जायेंगे
- 4.18 किमी लंबे रातू रोड एलिवेटेड कॉरिडोर पर सरपट दौड़ी गाड़ियां

रातू रोड एलिवेटेड कॉरिडोर का लोकार्पण करते केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी।

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी ने गुरुवार को रांची के लोगों को बड़ी सौगात दी है। उन्होंने 4.18 किलोमीटर लंबे रातू रोड एलिवेटेड कॉरिडोर का लोकार्पण किया, जिसे 22 महीने में 560 करोड़ रुपये की लागत से बनाया गया है। इस मौके पर ओटीसी मैदान में आयोजित जनसभा में गडकरी ने कहा कि झारखंड में दो लाख करोड़ की परियोजनाएं चल रही हैं और एक लाख करोड़ की परियोजनाएं इसमें और जुड़ेंगी। यदि राज्य सरकार का सहयोग मिला, तो ये सभी परियोजनाएं समय पर पूरी हो जायेंगी। गडकरी ने कहा कि इस एलिवेटेड कॉरिडोर की वजह से लोगों को जाम से निजात मिलेगी। साथ ही प्रदूषण से भी मुक्ति मिलेगी। मौके पर उन्होंने 6300 करोड़ रुपये की योजनाओं का शिलान्यास और लोकार्पण किया। जनसभा में गडकरी ने कहा कि सालों पहले सीपी सिंह ने मुझे इस रास्ते पर लाकर कहा था कि यहां फ्लाइओवर बनाने की जरूरत है। इसके बाद संजय सेठ लगातार मेरे पीछे लगे रहे। अधिकारियों ने मुझसे कहा कि यह सड़क शहर के बीचोबीच है, इसलिए इस काम को राज्य सरकार या नगर निगम को करना चाहिए। हालांकि बाद में हमने संजय सेठ के दबाव में इस पुल को बनाने का फैसला किया और अब यह बन कर तैयार है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री ने फोन करके दिल्ली से आने में असमर्थता जतायी। उनसे अनुरोध करूंगा कि जमीन अधिग्रहण और फॉरेस्ट क्लीयरेंस देंगे, तो कई काम हो जायेंगे।

जनसभा में गडकरी ने खुलकर रांची के भविष्य और झारखंड के इंफ्रास्ट्रक्चर को लेकर अपनी योजनाएं साझा की। संजय सेठ द्वारा फ्लाइओवर के पिलरों पर सोहराई पेंटिंग कराने की मांग पर गडकरी ने सहमति जतायी। **(शेष पेज 5 पर)**

भगवान बिरसा मुंडा को श्रद्धांजलि दी

नितिन गडकरी ने बिरसा चौक पर भगवान बिरसा मुंडा को श्रद्धांजलि दी। कार्यक्रम में महुआ माजी और राज्य के मंत्री दीपक बिरुवा भी शामिल हुए। उनके अलावा केंद्रीय मंत्री अन्नपूर्णा देवी, बाबूलाल मरांडी, रघुवर दास, कई सांसद, विधायक और सरकारी अधिकारी भी इस समारोह में मौजूद रहे।

केंद्र झारखंड बुनियादी ढांचे को बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध: गडकरी

- पलामू के शंखा से गढ़वा के खजूरी तक फोरलेन सड़क का उद्घाटन किया
- छत्तीसगढ़-झारखंड सीमा से गुमला शहर के बीच बनने वाली फोर लेन का शिलान्यास किया

विजय प्रताप देव

गढ़वा (आजाद सिपाही)। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने झारखंड के गढ़वा पहुंचकर रेहला फोरलेन का उद्घाटन किया। इसके साथ ही दो राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं का भी शिलान्यास किया। उन्होंने गढ़वा के लोगों को कुल 2460 करोड़ की सौगात दी। उन्होंने पलामू के शंखा से गढ़वा के खजूरी तक 1,129 करोड़ की लागत से बनायी गयी फोरलेन सड़क आम जनता को समर्पित की। इसके अलावा छत्तीसगढ़-झारखंड सीमा से गुमला शहर के बीच 32 किलोमीटर लंबी 1,330 करोड़ की लागत से बनने वाली फोर लेन सड़क परियोजना का शिलान्यास किया। इस मौके पर राज्य सरकार में वित्त मंत्री राधाकृष्ण किशोर, सांसद विष्णु दयाल राम सहित कई नेता कार्यक्रम में मौजूद रहे।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए गडकरी ने कहा कि केंद्र झारखंड के बुनियादी ढांचे को बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध है। राज्य में दो लाख करोड़ रुपये की परियोजनाएं लागू की जायेंगी। गडकरी ने कहा कि खनिज संसाधनों से समृद्ध झारखंड में राजमार्ग क्षेत्र में महत्वपूर्ण विकास होगा। मैं झारखंड के बुनियादी ढांचे को मजबूत करने के लिए प्रतिबद्ध हूं। लोगों को राज्य में दो लाख करोड़ रुपये की राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं के क्रियान्वयन का आश्वासन देता हूं। गडकरी ने कहा कि हमने राज्य में 40,000 करोड़ रुपये की राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाएं पूरी की हैं। वर्तमान में हम 70,000 करोड़ की लागत वाली राजमार्ग परियोजनाओं को लागू कर रहे हैं, जबकि 75,000 करोड़ रुपये की परियोजनाएं प्रस्तावित हैं। (शेष पेज 5 पर)

6300 करोड़ की इन योजनाओं का किया लोकार्पण

- 1900 करोड़ रुपये की लागत से पलमा से गुमला तक बने फोर लेन सड़क
- 560 करोड़ रुपये की लागत से रांची में रातू रोड पर बने एलिवेटेड कॉरिडोर
- 70 करोड़ की लागत से बने बाराहाट से तुलसीपुर खंड तक 2 लेन पेड शोल्डर के चौड़ीकरण
- 825 करोड़ की लागत से बने बरही-कोडरमा खंड फोर लेन
- 100 करोड़ की लागत वाली गोड्डा से सुंदरपहाड़ी खंड तक 2 लेन पेड शोल्डर के चौड़ीकरण
- 20 करोड़ की लागत से गिरिडीह शहर में सड़क के चौड़ीकरण
- 1130 करोड़ की लागत से शंखा से खजुरी तक बने फोर लेन सड़क

सत्यमेव जयते
भारत सरकार
महिला एवं बाल विकास मंत्रालय

'नारी शक्ति के लिए नए अवसर'

सावित्रीबाई फुले राष्ट्रीय महिला एवं बाल विकास संस्थान,

के क्षेत्रीय केंद्र, रांची के उद्घाटन के अवसर पर

समस्त झारखंडवासियों को हार्दिक शुभकामनाएँ

"हमारी माताएं, बहनें, बेटियां, विकसित भारत के संकल्प में बढ़-चढ़कर भागीदारी निभा रही हैं। बीते 11 वर्षों में हमारी नारी शक्ति की सफलताएं देशवासियों को गौरवान्वित करने वाली हैं।"

- श्री नरेन्द्र मोदी, प्रधानमंत्री

रांची केंद्र के खुलने से लाभ:

- देश के पूर्वी क्षेत्र के राज्यों - झारखंड, बिहार, ओडिशा और पश्चिम बंगाल को मिलेगा लाभ और मंत्रालय की प्रमुख योजनाओं की विशिष्ट प्रशिक्षण और अनुसंधान आवश्यकताओं को किया जाएगा पूरा।
- केंद्र द्वारा बाल मार्गदर्शन एवं परामर्श में एडवांस डिप्लोमा पाठ्यक्रम और अग्रिम पंक्ति के कर्मियों को बेहतर प्रशिक्षण प्रदान किया जायेगा।
- रोजगार के नए अवसर उपलब्ध होंगे।

उद्घाटन समारोह

मुख्य अतिथि

श्रीमती अन्नपूर्णा देवी

माननीय केंद्रीय मंत्री, महिला एवं बाल विकास मंत्रालय

गरिमामयी उपस्थिति

श्री संजय सेठ
माननीय राज्य मंत्री, रक्षा मंत्रालय

श्रीमती सावित्री ठाकुर
माननीय राज्य मंत्री, महिला एवं बाल विकास मंत्रालय

श्री नवीन जयसवाल
माननीय विधायक, हटिया

श्री राजेश कच्छप
माननीय विधायक, खिजरी

दिनांक : 4 जुलाई 2025, शुक्रवार

स्थान : सावित्रीबाई फुले राष्ट्रीय महिला एवं बाल विकास संस्थान, क्षेत्रीय केंद्र, झारखंड शहरी नियोजन एवं प्रबंधन संस्थान, एचईसी मुख्यालय के पास, धुर्वा, रांची, झारखंड

CBC 46101/13/0013/2526

आजाद सिपाही
रांची, शुक्रवार, 04 जुलाई, 2025
www.azadsipahi.in

पलक-पांवड़े बिछा कर गढ़वा ने केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी किया स्वागत

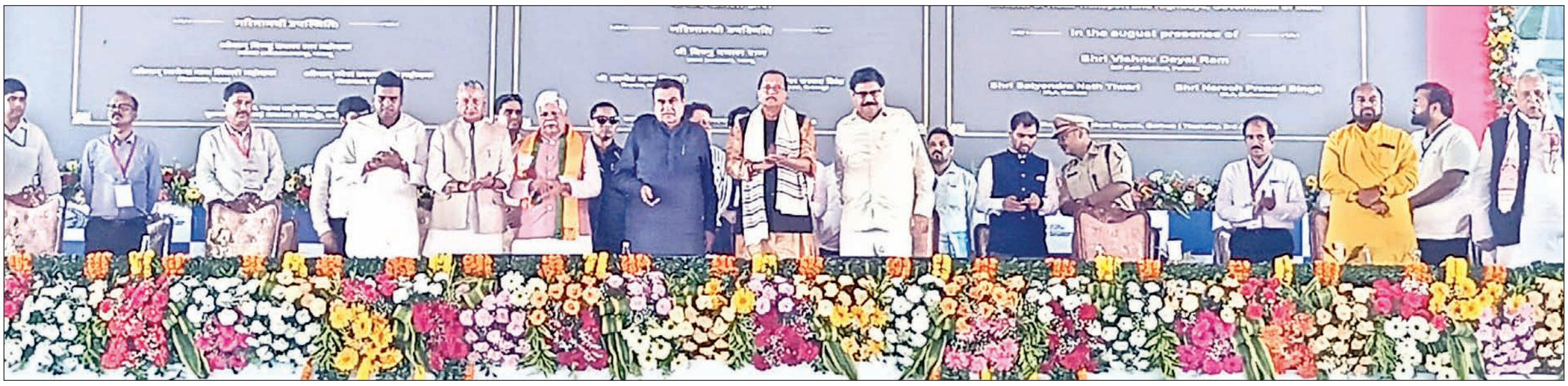

विधायक सत्येंद्र तिवारी ने गिनायीं जिले की समस्याएं, रखी बड़ी मांगें

आजाद सिपाही संवाददाता

गढ़वा। केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी के गढ़वा आगमन पर पूरा जिला अभिभूत रहा। जिले ने पलक-पांवड़े बिछा कर केंद्रीय मंत्री का स्वागत किया। गडकरी की जनसभा में लोगों की भीड़ उमड़ पड़ी। जनसभा के दौरान स्थानीय विधायक सत्येंद्र तिवारी ने जिले की विकासात्मक समस्याओं को जोर-शोर से मंच से उठाया। विधायक ने गढ़वा को देश का एकमात्र ऐसा जिला बताया, जहां आज भी एक भी कल-कारखाना नहीं है और बेरोजगारी चरम पर है। विधायक ने कहा कि गढ़वा देश के 22 आकांक्षी जिलों में शामिल है, लेकिन आज भी बुनियादी सुविधाओं और रोजगार की घोर कमी है। उन्होंने केंद्रीय मंत्री

से अपील की कि जिले में कोई व्यवसायिक या औद्योगिक इकाई स्थापित की जाये, जिससे यहां के युवाओं को रोजगार मिल सके और पलायन पर अंकुश लगे। विधायक ने कहा कि गढ़वा में सीडी रेशियो मात्र 43% है, जिससे स्पष्ट होता है कि यहां के लोगों को बैंक से लोन तक नहीं मिल पाता। यही कारण है कि गढ़वा का पैसा बाहर के राज्यों में चला जाता है। उन्होंने झारखंड सरकार पर भी वित्तीय कुप्रबंधन और झूठे वादों का आरोप लगाते हुए कहा कि न तो महिलाओं को वादा किये गये 25 सौ रुपये की राशि मिल रही है और न ही वृद्धा और विधवा पेंशन समय पर वितरित हो रही है। विधायक ने गडकरी को गढ़वा बाइपास निर्माण के लिए धन्यवाद देते हुए यह भी कहा कि यह बाइपास पहले केवल एक चुनावी वादा हुआ करता था, लेकिन आपके प्रयासों से यह अब हकीकत बन गया है। उन्होंने आग्रह किया कि गढ़वा के लिए एक दीर्घकालिक औद्योगिक योजना बनायी जाये।

नितिन गडकरी दलगत भावना से ऊपर उठकर काम करते हैं : राधाकृष्ण किशोर

रांची (आजाद सिपाही)। वित्त मंत्री राधाकृष्ण किशोर ने कहा कि केंद्र सरकार मां है तो झारखंड उनका बच्चा है। इसलिए हम केंद्र से अपनी आवश्यकता अनुसार मांग करेंगे ही। हमें आपके सामने रोना ही होगा और आप हमारी मांग पूरी करेंगे ऐसी पूरी उम्मीद है। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी बगैर किसी राजनीति दलगत भावना से ऊपर उठकर काम करते हैं। पलामू में फोरलेन सपना था जिसे इन्होंने पूरा कर दिया है। पानी व उद्योग धंधे के लिए यहां पलायन हो रहा है। इस पर काम करने की जरूरत है।

गढ़वा बाइपास सड़क नहीं, समृद्धि विकास का प्रतीक है : वीडी राम

आजाद सिपाही संवाददाता

गढ़वा। वर्षों से लंबित गढ़वा बाइपास परियोजना के उद्घाटन के अवसर पर आयोजित समारोह में पलामू के सांसद वीडी राम ने गढ़वा की जनता को ऐतिहासिक सौगात की बधाई दी। उन्होंने कहा कि यह सड़क केवल कंक्रीट का ढांचा नहीं है, बल्कि यह समृद्धि, एकता और क्षेत्रीय विकास का प्रतीक है। सांसद ने कहा कि गढ़वा बाइपास के उद्घाटन से वर्षों पुरानी मांग पूरी हुई है। यह बाइपास लगभग 22.73 किलोमीटर लंबा है, जिस पर करीब 1129 करोड़ रुपये की लागत आयी है। यह सड़क छह चरणों में बन रही फोरलेन हाइवे परियोजना का चौथा चरण है, जो शंखा से खज तक फैला है। सांसद ने बताया कि यह सड़क झारखंड को उत्तर प्रदेश के वाराणसी और

राज्य की राजधानी रांची से जोड़ेगी, जिससे आवागमन के साथ-साथ व्यापार, शिक्षा और रोजगार के अवसर भी तेजी से बढ़ेंगे। उन्होंने गढ़वा और पलामू की पिछली स्थिति को याद करते हुए कहा कि एक समय था, जब कांडी से बडीहा, जपला से छतरपुर होते हुए गढ़वा और कुटी मोड़ तक कहीं भी ढंग की सड़क नहीं थी। लेकिन अब पूरे क्षेत्र में सड़कों का जाल बिछ रहा है, जिसका श्रेय केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी को जाता है। सांसद ने कहा कि बेहतर सड़क नेटवर्क नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में शांति और विकास लाने में अहम भूमिका निभा रहा है। उन्होंने बताया कि अब न केवल सुरक्षा बलों की पहुंच आसान हुई है, बल्कि आम जनता को भी राहत मिल रही है।

सांसद ने मौके पर कई अहम मांगें भी केंद्रीय मंत्री के समक्ष रखीं, जिनमें गढ़वा से पका ब्रिज तक ग्रीन फील्ड फोरलेन कॉरिडोर, रामानुजगंज से गढ़वा सड़क को फोरलेन में बदलना, एनएच 98 के बड़वा मोड़ से सिलार तक के हिस्से को एनएचएआइ से पूरा कराने का आग्रह, जपला क्षेत्र में सोन नदी पर पुल का निर्माण, रेहला क्षेत्र में इथेनॉल फैक्ट्री की स्थापना आदि शामिल है। सांसद ने बंशीधर धाम के ऐतिहासिक महत्व का भी उल्लेख करते हुए एनएच-39 पर एक भव्य प्रवेश द्वार बनाने का प्रस्ताव रखा, जिसे गढ़वा की सांस्कृतिक पहचान से जोड़ा गया। अंत में सांसद बीडी राम ने कहा, सड़कें केवल कंक्रीट की नहीं होतीं, यह हमारे सपनों, भविष्य और आशाओं की नींव होती हैं।

खराब मौसम ने गढ़वा में रोका गडकरी का रास्ता

आजाद सिपाही संवाददाता

गढ़वा। केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी खराब मौसम के कारण गढ़वा में कई घंटे तक फंसे रहे। रांची एयरपोर्ट के एटीसी ने खराब मौसम को देखते हुए उनके हेलीकॉप्टर को उड़ान भरने की अनुमति नहीं दी। इससे उनका रांची जाने का कार्यक्रम बाधित हो गया। बाद में उन्हें गयाजी ले जाया गया, जहां से सेवा विमान से वह शाम को रांची पहुंचे।

छोटा हेलीकॉप्टर और खराब मौसम बना कारण

जानकारी के अनुसार गडकरी का हेलीकॉप्टर अपेक्षाकृत छोटा और कम पावर वाला था। मौसम की खराबी के चलते एटीसी ने किसी भी तरह का जोखिम लेने से इनकार कर दिया। तय कार्यक्रम के मुताबिक गडकरी को दोपहर ढाई बजे बजे गढ़वा से उड़ान भरकर रांची पहुंचना था। वहां से वह रेडिसन ब्लू होटल में भोजन करने के बाद एटीसी ग्राउंड जाने वाले थे, जहां से रातू रोड फ्लाइओवर के उद्घाटन समारोह में हिस्सा लेना था। हेलीकॉप्टर को उड़ान भरने की अनुमति नहीं मिल पाने के कारण गडकरी को गढ़वा में रुकना पड़ा। इसके बाद उनके

हेलीकॉप्टर को उड़ान भरने की अनुमति नहीं मिली

हेलीकॉप्टर को गढ़वा से गयाजी ले जाने की तैयारी की गयी। फिर गयाजी एयरपोर्ट से सेवा विमान से गडकरी को रांची ले जाया गया।

रांची रवाना होने में विलंब के कारण मंत्री गढ़वा में ही रुके रहे। इस बीच प्रशासन को उम्मीद थी कि मौसम में सुधार होते ही उड़ान की अनुमति मिल जायेगी और गडकरी गढ़वा से ही रांची के लिए रवाना हो सकेंगे। लेकिन ऐसा नहीं हुआ। तब गडकरी पास में आयोजित एक भजन कार्यक्रम में शामिल हुए।

प्रशासन रहा अलर्ट मोड में, व्यवस्थाएं चाक-चौबंद

डीसी और एसपी ने संभाल रखी थी पूरी व्यवस्था की कमान

आजाद सिपाही संवाददाता

गढ़वा। केंद्रीय सड़क, परिवहन मंत्री नितिन गडकरी के आगमन के दौरान सुबह से ही जिला प्रशासन अलर्ट मोड पर रहा। उपायुक्त दिनेश कुमार यादव और आरक्षी अधीक्षक अमन कुमार ने पूरी व्यवस्था की कमान संभाल रखी थी। सुबह से ही कार्यक्रम स्थल पर व्यवस्थाएं चाक-चौबंद थीं। लोगों को किसी किस्म की असुविधा नहीं हो, इसे लेकर भी

प्रशासन सक्रिय रहा। सदर प्रखंड स्थित हूर मैदान में सभी नागरिक सुविधाएं उपलब्ध करायी गयी थीं। कार्यक्रम स्थल के प्रवेश और निकास मार्ग, पार्किंग व्यवस्था, यातायात प्रबंधन, साफ-सफाई, पेयजल, अग्निशमन, चिकित्सा और अस्थायी शौचालय जैसे सभी महत्वपूर्ण पहलुओं को पूरी तरह निर्बाध बनाया गया। जिला प्रशासन की तरफ से उप विकास आयुक्त पशुपतिनाथ मिश्रा, अपर समाहर्ता राज महेश्वरम, अनुमंडल पदाधिकारी संजय कुमार, पुलिस उपाधीक्षक यशोधरा, एसडीपीओ नीरज कुमार, जिला नजारत उप समाहर्ता धीरज प्रकाश, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी नीरज कुमार, नगर परिषद कार्यपालक पदाधिकारी सुशील कुमार, प्रखंड विकास पदाधिकारी और अंचल अधिकारी गढ़वा, भवन प्रमंडल एवं पीएचइडी के कार्यपालक अभियंता सहित कई अन्य पदाधिकारी व्यवस्था बनाने में लगे रहे।

40 साल का इंतजार खत्म, अब आंदोलन नहीं सौगात मिलती है : संजय सेठ

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि यह केवल एक फ्लाइओवर नहीं, बल्कि रांची के सपनों की उड़ान है, जो 40 साल के लंबे इंतजार के बाद साकार हुई है।

उन्होंने कहा कि एक समय था जब जाम ने रांचीवासियों का जीवन मुश्किल कर दिया था। उस समय आंदोलन करना पड़ता था, धरने पर बैठना पड़ता था। लेकिन आज ऐसे मंत्री हमारे पास हैं, जो बिना आंदोलन के ही जनता की जरूरतें समझते हैं और सौगात देते हैं। गडकरी की तारीफ करते हुए उन्होंने कहा, देश की तकदीर और तस्वीर बदलने वाले नितिन गडकरी, ऐसे नेता हैं जो पक्ष-विपक्ष दोनों की सुनते भी हैं और देते भी हैं।

उन्होंने रांची के लिए आउटर रिंग रोड की मांग करते हुए कहा कि जैसे रिंग रोड ने शहर को राहत दी, वैसे ही आउटर रिंग रोड से रांची और अधिक सुरक्षित और व्यवस्थित हो जायेगी। इसके साथ ही उन्होंने प्रस्ताव दिया कि एलिवेटेड रोड के पिलरों पर पारंपरिक सोहराई पेंटिंग करवाई जाये, जिससे रांची की सांस्कृतिक पहचान भी उभरे। संजय सेठ ने रांची-अनगड़ा-सिल्ली-मुरी सड़क को फोर लेन करने की मांग रखते हुए कहा कि रांची अब लाखों छात्रों और कामकाजी लोगों का गंतव्य बन चुका है। यहां बेहतर और तेज आवागमन बेहद जरूरी हो गया है। उन्होंने मेट्रो की भौगोलिक असंभवता का जिक्र करते हुए इलेक्ट्रिक फ्लैश बसों को एक व्यवहारिक और पर्यावरण अनुकूल विकल्प बताया।

कार्यक्रम में रही इनकी मौजूदगी

नितिन गडकरी, सड़क-परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री
संजय सेठ, रांची सांसद और केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री
अन्नपूर्णा देवी, केंद्रीय मंत्री
बाबूलाल मरांडी, पूर्व मुख्यमंत्री और भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष
रघुवर दास, पूर्व मुख्यमंत्री
दीपक बिरुआ, भू-राजस्व मंत्री
आदित्य साहू, राज्यसभा सांसद
प्रदीप वर्मा, राज्यसभा सांसद
दीपक प्रकाश, राज्यसभा सांसद
महुआ माझी, राज्यसभा सांसद
ढुल्लू महतो, सांसद
चंद्र प्रकाश चौधरी, सांसद
रागिनी सिंह, विधायक
सीपी सिंह, विधायक

योजनाएं शिलान्यास तक सीमित नहीं, उद्घाटन भी होता है : रघुवर दास

रांची (आजाद सिपाही)। कार्यक्रम में पूर्व मुख्यमंत्री रघुवर दास ने कहा कि आज झारखंड को 6300 करोड़ रुपये की विकास योजनाओं की सौगात मिली है, जो राज्य के इंफ्रास्ट्रक्चर को नयी गति देगी। यह फ्लाइओवर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार की देन है। जब झारखंड में डबल इंजन की सरकार थी, तभी इन परियोजनाओं की नींव रखी गयी थी और आज उसका प्रतिफल मिल रहा है। उन्होंने कहा पहले बड़े महानगरों को ही प्राथमिकता दी जाती थी, लेकिन पिछले 11 वर्षों में झारखंड को भी वही सम्मान और विकास मिल रहा है। अब प्रोजेक्ट केवल शिलान्यास तक सीमित नहीं रहते, बल्कि समय पर उनका उद्घाटन भी होता है। राज्य में डबल इंजन की सरकार के दौरान 92 पुलों और कई प्रमुख सड़कों का निर्माण हुआ, जिसमें नितिन गडकरी की भूमिका निर्णायक रही है। रांची और गढ़वा की परियोजनाएं भी उसी समय की देन हैं।

आजाद सिपाही | झारखंड में सबसे ज्यादा देखा जाने वाला चैनल
200000 Subscribers
VIEWERSHIP 5 Crore 90 lakh+
12 Crore + Watch Time (min)
YouTube Channel
Subscribe NOW

वेदर

शहर	अधिकतम	न्यूनतम
रांची	29.3 °C	23.4 °C
सूर्यास्त (आज)	:	18.39 बजे
सूर्योदय (कल)	:	05.07 बजे

आजाद सिपाही
रांची, शुक्रवार, 04 जुलाई, 2025
www.azadsipahi.in

सीएम हेमंत ने दिया निर्देश, दुबई में फंसे झारखंडी कामगार जल्द लौटेंगे स्वदेश

बकाया पारिश्रमिक का भी हो रहा भुगतान, कंपनी कर रही कामगारों के वतन वापसी की व्यवस्था

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के निर्देश के बाद दुबई में फंसे गिरिडीह, हजारीबाग और धनबाद के 15 कामगारों के वतन वापसी की प्रक्रिया शुरू कर दी गयी है। कामगारों ने वीडियो जारी कर राज्य सरकार से वतन वापसी में सहयोग की अपील की थी। मामले की जानकारी के बाद मुख्यमंत्री ने श्रम विभाग और राज्य प्रवासी नियंत्रण कक्ष को कामगारों के सुरक्षित वतन वापसी एवं बकाये पारिश्रमिक का भुगतान कराने का निर्देश दिया था। सभी 15 कामगार दुबई स्थित मसी कंट्रेक्टिंग एलएलएसी कंपनी में कार्यरत हैं।

कामगारों ने इन बातों से कराया था अवगत : कामगारों ने जानकारी दी कि उन्हें पिछले कई महीनों से वेतन नहीं मिला है। बार-बार अनुरोध के बावजूद कंपनी की ओर से वेतन भुगतान में टालमटोल की जा रही है। कंपनी द्वारा किसी प्रकार का वित्तीय सहायता उपलब्ध नहीं कराया जा रहा है। जिन मकानों में वे रह रहे हैं, वहां मकान का किराया नहीं देने पर पानी की आपूर्ति बंद कर दी गयी है। वे वतन वापसी करना चाहते हैं ।

जल्द होगी वतन वापसी, बकाया पारिश्रमिक का हुआ भुगतान मुख्यमंत्री के मिले निर्देश के आलोक में राज्य प्रवासी नियंत्रण कक्ष द्वारा कामगारों को भोजन, पानी एवं आवश्यक दैनिक सहायता तत्काल उपलब्ध कराने के लिए कंपनी से बकाया वेतन दिलवाने एवं कामगारों के शीघ्र वतन वापसी के लिए विदेश मंत्रालय, भारत सरकार एवं भारतीय दूतावास, अबूधाबी / दूतावास, दुबई से अनुरोध किया गया। इसके उपरांत 02 जुलाई को कंपनी द्वारा अप्रैल 2025 का वेतन कुल 5,55,242.07 रुपया भुगतान किया गया। कंपनी द्वारा शेष बकाया पारिश्रमिक का भुगतान करने एवं भारत वापसी की व्यवस्था का आश्वाशन कंपनी के प्रतिनिधि एनटी रेड्डी (महाप्रबंधक) ने भारतीय दूतावास के अधिकारियों को दिया है।

सावित्रीबाई फुले राष्ट्रीय महिला एवं बाल विकास संस्थान की पहल

नये क्षेत्रीय केंद्र का आज रांची में उद्घाटन करेंगी अन्नपूर्णा देवी

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। महिला एवं बाल विकास मंत्रालय शुक्रवार को झारखंड के रांची में सावित्रीबाई फुले राष्ट्रीय महिला एवं बाल विकास संस्थान के एक नये क्षेत्रीय केंद्र के उद्घाटन के साथ एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल करेगा। संस्थान को पहले एनआइपीसीसीडी के नाम से जाना जाता था। इस नये केंद्र का उद्घाटन केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री अन्नपूर्णा देवी करेंगी। समारोह में महिला एवं बाल विकास राज्य मंत्री सावित्री ठाकुर, रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ, खिजरी के विधायक राजेश कच्छप और हटिया निर्वाचन क्षेत्र के विधायक नवीन जायसवाल और मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारी भी शामिल होंगे। इस कार्यक्रम में प्रशिक्षु लड़कियों के साथ बातचीत, अनुभव साझा करना और व्यावसायिक प्रशिक्षण पूरा करने वालों के लिए नौकरी के प्रमाणपत्रों का वितरण भी शामिल होगा। इस कार्यक्रम में संस्थान के नये लोगो का शुभारंभ भी किया जायेगा।

यह नया क्षेत्रीय केंद्र भारत के पूर्वी क्षेत्र में क्षमता निर्माण प्रयासों को विकेंद्रीकृत करने और सेवा वितरण में सुधार करने की दिशा में एक बड़ा कदम होगा। यह नया क्षेत्रीय केंद्र विशेष रूप से मंत्रालय की प्रमुख पहलों- मिशन शक्ति, मिशन वात्सल्य और मिशन सक्षम आंगनवाड़ी और पोषण 2.0 के लिए प्रशिक्षण और अनुसंधान आवश्यकताओं को पूरा करेगा। इसमें झारखंड, बिहार, ओड़िशा और पश्चिम बंगाल पर विशेष ध्यान दिया जायेगा। यह स्थानीय आवश्यकताओं के अनुसार योगदान करने और केंद्रीय योजनाओं के जमीनी स्तर पर कार्यान्वयन को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभायेगा। नया क्षेत्रीय केंद्र बाल मार्गदर्शन और परामर्श में उन्नत डिप्लोमा पाठ्यक्रम भी प्रदान करेगा और अग्रिम पंक्ति के कार्यकर्ताओं को उन्नत प्रशिक्षण प्रदान करेगा। इससे क्षेत्र में रोजगार के नये अवसरों का मार्ग प्रशस्त होगा।

राशिफल

डॉ एनके बेरा | 9431114351

मेष नौकरी व व्यवसाय में उलझनों से राहत मिलेगी। लंबित कार्य पूरा करने में व्यस्तता रहेगी।

वृष रोजी-रोजगार के हालत सुधरेंगे। बाधायें तो आयेगी परंतु आप अपनी चतुराई और सूझ-बूझ से उनसे छुटकारा पा लेंगे।

मिथुन भाग्योन्नति के अवसर प्राप्त होंगे, व्यवसाय में लाभ होगा। लाटरी, जुआ, सट्टे में पैसा न लगायें।

कर्क संपत्ति संबंधी अनेक समस्याएं उत्पन्न होगी, आय कम होगी। जिसके कारण बचत कम होने से मन उदास रहेगा।

सिंह आप इस समय किसी राजकीय विपत्ति के शिकार हो सकते हैं, व्यावसायिक उलझनें भी बढ़ने की संभावना है।

कन्या प्रयास और परिश्रम से सफलता मिलेगी, मनोवांछित कार्य पूरे होंगे, प्रेम-प्रसंगों में सफलता मिलेगी।

तुला विवाह आदि उत्सवों की योजना बनेगी, परिवार में शुभ व धार्मिक कार्य होंगे, स्वजन-मित्रों का भरपूर सहयोग मिलेगा।

वृश्चिक परिवार में कोई खुशी का अवसर आयेगा। रिस्तेदार और मित्रों से मेल-मिलाप होगा।

धनु परिश्रम-प्रयास से आय में आशानुकूल वृद्धि होगी, शुभ कार्य की ओर प्रवृत्ति बढ़ेगी, नये-नये लोगों से जान-पहचान बनेगी।

मकर दैनिक कार्य सरलता से पूरे होंगे, जिस कार्य के लिए प्रयास करेंगे वह पूरा होने की संभावना है।

कुंभ आज आप व्यस्त रहेंगे, लंबित काम निपटायेंगे, स्थितियां धीरे-धीरे सामान्य होती जायेगी, व्यापार में सफलता मिलेगा।

मीन समय कष्टकारी है, बिना पढ़े किसी कागज पर हस्ताक्षर न करें, अत्यधिक विश्वास घातक हो सकता है।

गढ़वा में गडकरी का कार्यक्रम महज दिखावा योजनाओं पर पहले से हो रहा था काम : सुप्रियो

लोकार्पित की गयी परियोजनाओं को राजनीतिक इवेंट मैनेजमेंट बताया

राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं की लागत पर भी सवाल खड़े किये

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) के केंद्रीय महासचिव सुप्रियो भट्टाचार्य ने गुरुवार को रांची में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस कर केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी के गढ़वा दौरे और उनके उद्घाटन कार्यक्रमों को लेकर गंभीर सवाल उठाये। उन्होंने गडकरी द्वारा लोकार्पित की गयी परियोजनाओं को राजनीतिक इवेंट मैनेजमेंट बताया और दावा किया कि जिन योजनाओं की झंडी दिखायी गयी, उन पर तो पहले से काम जारी था और टोल वसूली भी चालू हो चुकी थी। भट्टाचार्य ने कहा कि जिस बायपास का उद्घाटन गडकरी ने किया, वहां कई दिनों से टोल टैक्स वसूला जा रहा है। उन्होंने पूछा कि जब सड़क पहले से चालू थी तो उद्घाटन का औचित्य क्या रह जाता है। इसके साथ ही उन्होंने केंद्र प्रायोजित कई राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं की लागत पर भी सवाल खड़े किये।

उन्होंने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार ने जिन योजनाओं की लागत 400 करोड़ बतायी है, उनकी वास्तविक लागत 558 करोड़ है। यानी 158 करोड़ अतिरिक्त खर्च किसने किया और क्यों किया, इसका कोई जवाब नहीं दिया गया।

भट्टाचार्य ने झारखंड सरकार द्वारा पूरी की गयी परियोजनाओं का उदाहरण देते हुए कहा कि रांची का मेकॉन फ्लाइओवर 355 करोड़ में बना जबकि कांटाटोली फ्लाइओवर महज 224 करोड़ में तैयार हुआ। इसके मुकाबले केंद्र की योजनाओं में भारी लागत दिखायी जा रही है। उन्होंने पूर्व मुख्यमंत्री रघुवर दास पर भी हमला बोला और आरोप लगाया कि उनके शासनकाल में एक फ्लाइओवर में 150 करोड़ की बर्बादी हुई थी।

भट्टाचार्य ने यह भी बताया कि मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने गडकरी को पत्र लिखकर निजी कारणों से कार्यक्रम की तिथि आगे बढ़ाने का अनुरोध किया था, लेकिन केंद्र ने इसे अनदेखा कर दिया। उन्होंने सवाल उठाया कि अगर कार्यक्रम को राजनीतिक मंच नहीं माना जा रहा था, तो फिर केवल बीजेपी के सांसद, विधायक और पूर्व जनप्रतिनिधियों को मंच पर क्यों जगह दी गयी, जबकि क्षेत्रीय विधायक को बुलाया तक नहीं गया। भट्टाचार्य ने कहा कि झारखंड के संसाधनों पर हो रहे इस तरह के खर्च और पक्षपातपूर्ण राजनीति का हिसाब अब जनता लेगी और भाजपा को इसका जवाब देना होगा।

रेल हादसा : बिना ड्राइवर के दौड़ी मालगाड़ी दूसरी मालगाड़ी से जा टकरायी, 14 बोगियां हुईं बेपटरी

आजाद सिपाही संवाददाता

साहिबगंज। झारखंड के साहिबगंज जिले के बरहड़वा प्रखंड स्थित बिंदुवासिनी रैक लोडिंग साइट पर गुरुवार सुबह एक बड़ा रेल हादसा हो गया। एक मालगाड़ी की 14 बोगियां बिना चालक और बिना ब्रेक के तेज रफ्तार से दौड़ती हुई दूसरी खड़ी मालगाड़ी से जा टकरायीं। टक्कर इतनी जोरदार थी कि एक के बाद एक बोगियां पटरी से उतरकर नीचे गिर गयीं। सभी बोगियों में गिट्टी लोड थी। इस हादसे में रेलवे को लाखों रुपये का नुकसान होने का अनुमान है।

कैसे हुआ हादसा?

बरहड़वा रैक लोडिंग यार्ड में एक मालगाड़ी का रैक लोड होकर खड़ा था। अचानक यह रैक बिना किसी सिग्नल या चालक के नियंत्रण के अपने स्थान से लुढ़कने लगा। तेज रफ्तार में यह दूसरी खड़ी मालगाड़ी से टकरा गया। हादसे का वीडियो सामने आया है, जिसमें बोगियां एक-दूसरे पर चढ़ती और पटरी से नीचे गिरती दिख रही हैं। इस घटना से यार्ड में अफरातफरी मच गयी।

14 बकरियों की मौत, मानव हानि टली : हादसे के दौरान सौभाग्य से कोई मानव हानि नहीं हुई। हालांकि, सुबह-सुबह स्थानीय लोग अपनी बकरियों को रेलवे पटरी के किनारे चराने के लिए छोड़ गये थे। तेज रफ्तार बोगियों की चपेट में आने से 14 बकरियों की मौत हो गयी। प्रत्यक्षदर्शियों का कहना है कि अगर उस समय कोई व्यक्ति वहां मौजूद होता, तो बड़ा हादसा हो सकता था।

रेलवे को भारी नुकसान

हादसे में रेलवे को भारी आर्थिक क्षति हुई है। मालदा डिविजन और साहिबगंज से क्रेन और अन्य मशीनें मंगवाकर बेपटरी बोगियों को हटाने की प्रक्रिया शुरू की गयी है। मालदा डिविजन के पीआरओ प्रणय कुमार ने बताया, 'डीआरएम सहित वरिष्ठ अधिकारी घटनास्थल पर पहुंच चुके हैं। जांच के बाद शाम तक नुकसान का आकलन हो पायेगा।

जांच शुरू, दोषियों पर कार्रवाई की बात : रेलवे प्रशासन ने इस हादसे की जांच शुरू कर दी है। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, रैक के लुढ़कने का कारण तकनीकी खराबी या मानवीय चूक हो सकती है। अधिकारियों का कहना है कि जांच में दोषी पाये जाने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जायेगी।

प्रत्यक्षदर्शियों में दहशत : घटना को लाइव देखने वाले स्थानीय लोग दहशत में हैं। एक प्रत्यक्षदर्शी ने कहा, 'यह हादसा इतना भयानक था कि देखकर रोंगटे खड़े हो गये। गनीमत रही कि लोगों की जान बच गयी।

उत्तम यादव गिरोह के 9 अपराधियों को पुलिस ने दबोचा, सड़क पर करायी परेड

श्री ज्वेलर्स जेवर दुकान पर की थी फायरिंग

आजाद सिपाही संवाददाता

हजारीबाग। हजारीबाग शहर के श्री ज्वेलर्स ज्वेलरी शॉप पर फायरिंग कर दहशत फैलाने वाले 9 अपराधियों को पुलिस ने धर दबोचा है। पुलिस ने 9 अपराधियों को सड़क पर परेड भी करायी और न्यायालय पहुंचाया। गत 22 जून को श्री ज्वेलर्स के बाहर एक बाइक पर सवार दो अपराधियों ने 7 राउंड फायरिंग कर संचालक को निशाना बनाया था। गोली चलाने के बाद दोनों अपराधी भाग गये थे। घटना के 10 दिनों के बाद हजारीबाग पुलिस को सफलता मिली और घटना को अंजाम देने वाले अपराधियों के साथ 9 को धर दबोचा। सभी उत्तम यादव गिरोह के सदस्य हैं और उसके लिए ही काम करते हैं।

हजारीबाग एसपी अंजनी अंजन ने बताया कि बुधवार को गुप्त सूचना मिली थी कि कुख्यात अपराधी उत्तम यादव गिरोह के सक्रिय सदस्य एक काले रंग की पल्सर पर हथियार के साथ दो लड़का एवं एक ग्रांड विटारा कार में 5-6 साथियों संग किसी बड़ी घटना को अंजाम देने के लिए हजारीबाग शहर के संत कोलंबस कॉलेज रोड में घूम रहे हैं। सूचना पर एसडीपीओ अमित आनंद के नेतृत्व में एक टीम बना कर विशेष छापेमारी शुरू की गयी। टीम ने चेकिंग शुरू की। इस बीच एक काले रंग की पल्सर बाइक जिसपर दो लोग बैठे थे एवं पल्सर के पीछे एक ग्रांड विटारा कार आते दिखी। रोकने के इशारा करने पर बाइक और कार पर सवार सभी भागने लगे। पुलिस ने 7 लोगों को खदेड़कर पकड़ा। पुलिस के पूछताछ पर इनलोगों ने बताया कि हम सभी कुख्यात अपराधी उत्तम यादव के गिरोह के सक्रिय सदस्य हैं और उत्तम यादव के इशारे पर हत्या, रंगदारी, लूट, फायरिंग जैसे घटना को अंजाम देते हैं। उत्तम यादव के इशारे पर ही 22 जून को शहर के श्री ज्वेलर्स में फायरिंग किया था। इन्हीं की निशानदेही पर नीतीश कुमार और बादल कुमार सिंह को रांची से दबोचा गया। श्री ज्वेलर्स पर शक्ति गिरी उर्फ साइको टाइगर ने फायरिंग किया था, जबकि मनीष यादव बाइक चला रहा था।

छापेमारी दल में एसडीपीओ अमित आनंद, सदर थाना प्रभारी सुभाष सिंह, पेलावल इंस्पेक्टर बिनोद कुमार यादव, दारू इंस्पेक्टर शाहीद राजा, गिद्दी प्रभारी राणा भानू प्रताप सिंह, कटकम दाग प्रभारी पंकज कुमार, कटकमसांडी प्रभारी राजभल्लभ कुमार, चौपारण प्रभारी अनुपम प्रकाश, पुअनि निशांत केरकेट्टा, मुकेश कुमार सिंह के अलावा तकनीकी शाखा के पुलिस पदाधिकारी शामिल थे।

गिरफ्तार अभियुक्तों में ये हैं शामिल

शक्ति गिरी उर्फ साइको पिता मनोज गिरी, ग्राम पत्थलगढ़ा, मनीष यादव पिता उमेश यादव ग्राम भेलवाडीह, मुकेश कुमार सोनी पिता बिनोद प्रसाद बाजार टांड़, राहुल कुमार वर्मा, पिता सुनील कुमार वर्मा ग्राम इचाक, शुभम अग्रवाल पिता राजेश प्रसाद ग्राम केसरी चौक, गोलू कुमार, पिता रामचंद्र सिंह, ग्राम इचाक, रवि रौशन कुमार पिता गणेश नारायण साहू ग्राम सतारा, सभी जिला चतरा और नीतीश कुमार पिता रामचंद्र यादव ग्राम बरकट्ठा, बादल कुमार सिंह पिता मनोज कुमार सिंह ग्राम सोहरा थाना चौपारण दोनों जिला हजारीबाग शामिल हैं।

राज्यपाल ने पूर्व अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी विमल लकड़ा के स्वास्थ्य की जानकारी ली

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। गुरुवार को राज्यपाल संतोष गंगवार ने रांची के दीपाटोली स्थित क्यूरेस्टा अस्पताल पहुंचकर वहां भर्ती पूर्व अंतरराष्ट्रीय हॉकी खिलाड़ी विमल लकड़ा के स्वास्थ्य की जानकारी ली। हॉकी जगत का यह दिग्गज खिलाड़ी इन दिनों अस्वस्थ होने के कारण अस्पताल में भर्ती हैं। राज्यपाल ने अस्पताल में मौजूद डॉक्टरों से विमल लकड़ा के उपचार और स्वास्थ्य की प्रगति को लेकर विस्तृत जानकारी प्राप्त की। उन्होंने कहा कि विमल लकड़ा ने अपने उत्कृष्ट प्रदर्शन से देश और झारखंड को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर गौरवान्वित किया है। उनका योगदान खेल जगत के लिए अमूल्य है। राज्यपाल ने विमल लकड़ा के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना करते हुए कहा कि राज्य के लोग उनके स्वास्थ्य को लेकर चिंतित हैं और उनके जल्द स्वस्थ होने की प्रार्थना कर रहे हैं। उन्होंने अस्पताल प्रबंधन को हर संभव चिकित्सकीय सहायता उपलब्ध कराने का निर्देश भी दिया।

दक्षिण पूर्व रेलवे - निविदा

निविदा सूचना संख्या: ईएलएसबी-25-लोको_ई क्यू पी_क्लीन-07/टीएन, दिनांक 02.07.2025, भारत के राष्ट्रपति की ओर से एवं उनके लिए वरिष्ठ मंडल विद्युत अभियंता (क.च.स्टा.), बोकारो स्टील सिटी द्वारा निम्नलिखित कार्य के लिए निविदा सूचना संख्या: ईएलएसबी-25-लोको_ईक्यूपी_क्लीन-07 के तहत ई-निविदा आमंत्रित की जाती है: **कार्य का नाम:** इलेक्ट्रिक लोको शेड, बोकारो में लोकोमोटिव और लोको इक्विपमेंट की सफाई और विविध रखरखाव। **अवधि:** 24 माह। **अनुमानित मूल्य:** रु.3,53,87,866.76, **बयाना राशि:** रु. 3,26,900/-, **निविदा प्रपत्र की लागत:** रु.11,800/-, निविदा कागजात आईआरईपीएस वेबसाइट यानी **www.ireps.gov.in** पर दिनांक 28.07.2025 को 11.00 बजे तक उपलब्ध होगा। **निविदा जमा करने की अंतिम तिथि/समय:** दिनांक 28.07.2025 को 11.00 बजे तक। **निविदा खुलने की तिथि/समय:** दिनांक 28.07.2025 को 11.00 बजे (निविदा बंद होने के तुरंत बाद)। सभी भरोसेमंद, अनुभवी और इच्छुक निविदाकार इस कार्य के लिए आबेदन कर सकते हैं। (PR-353)**

देवघर प्रशासन ने जारी की प्रसाद सामग्री की दरें

देवघर (आजाद सिपाही)। झारखंड के देवघर जिले में राजकीय श्रावणी मेला 11 जुलाई 2025 से शुरू हो रहा है। यह मेल 9 अगस्त तक चलेगा। ऐसे में श्रावणी मेला को सफल बनाने को लेकर जिला प्रशासन की तैयारियां अंतिम चरण में हैं। आगंतुक श्रद्धालुओं की सुविधा के मद्देनजर डीसी नमन प्रियेश लकड़ा ने कई जरूरी दिशा-निर्देश जारी किये हैं। प्रसाद सामग्रियों की गुणवत्ता व कीमतों पर नियंत्रण रखने के उद्देश्य जिला प्रशासन ने चूड़ा, ईलायची दाना और पेड़ा की कीमत निर्धारित कर दी हैं। ऐसे में जिला प्रशासन ने दुकानदारों को सख्त निर्देश दिये हैं कि निर्धारित दर से अधिक राशि कोई भी नहीं वसूलेगा। अगर कोई दुकानदार ऐसा करते पकड़ जाता है तो उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जायेगी। इसके अलावा चूड़ा, ईलायची दाना और पेड़ा के गुणवत्ता सुनिश्चित करने के भी निर्देश दिये गये हैं।

इस प्रकार है प्रसाद की निर्धारित दरें: रायपुर चूड़ा की कीमत 5000 से 5500 रुपये प्रति क्विंटल निर्धारित की गयी है, जो कि 80 रुपये प्रति किलोग्राम के हिसाब से है। वहीं वर्द्धमान चूड़ा की कीमत 4800 से 5500 रुपये प्रति क्विंटल है, जिसका प्रति किलोग्राम मूल्य 60 रुपये है।

SBI भारतीय स्टेट बैंक

क्षेत्रीय व्यवसाय कार्यालय, हजारीबाग, झारखण्ड

एस बी आई मुख्य शाखा भवन, द्वितीय तल, रवीन्द्र पथ, हजारीबाग - 825301

निविदा सूचना

भारतीय स्टेट बैंक, क्षेत्रीय व्यवसाय कार्यालय, हजारीबाग, को हजारीबाग **जिलान्तर्गत कैनरी हिल** रोड, हजारीबाग में नई शाखा खोलने हेतु उपयुक्त परिसर की आवश्यकता है। ऐसे मकान मालिक/पावर ऑफ अटॉर्नी धारक से प्रस्ताव आमंत्रित किए जाते हैं, जिनके पास प्रस्तावित मकान, जेनरेटर रूम, ए टी एम रूम और पार्किंग क्षेत्र के लिए पर्याप्त स्थान एवं छत के ऊपर अनुयोजना हेतु टावर आदि लगाने की सुविधा उपलब्ध है। इच्छुक व्यक्ति निविदा पत्र (पार्ट-ए और पार्ट - बी) तथा संबन्धित नियम एवं शर्तों से जुड़ी विस्तृत जानकारी बैंक के वैबसाइट www.sbi.co.in -> SBI IN THE NEWS-> PROCUREMENTS NEWS से **04.07.2025 - 10.07.2025** तक आप डाउनलोड कर सकते हैं या अधोहस्ताक्षरी के उपरोक्त कार्यालय से संपर्क कर प्राप्त कर सकते हैं एवं **10.07.2025** अपराहन 3 बजे तक अधोहस्ताक्षरी के उपरोक्त कार्यालय में जमा करा सकते हैं।

क्रमांक	प्रस्तावित स्थान	अनुमानित जगह की आवश्यकता
1.	कैनरी हिल रोड (जिला- हजारीबाग)	2000-2500 वर्गफीट

नोटः दिनांक 12.02.2025 को प्रकाशित कैनरी हिल रोड शाखा से संबन्धित निविदा रद्द की जाती है।

नोटः बैंक बिना कारण बताए किसी या सभी प्रस्तावों को अस्वीकार या रद्द करने का या इस सूचना के माध्यम से प्राप्त प्रस्तावों से अलग किसी अन्य परिसर के चयन का अधिकार सुरक्षित रखती है।

स्थान : हजारीबाग
दिनांक : 04.07.2025

ह./- क्षेत्रीय प्रबन्धक
क्षेत्रीय व्यवसाय कार्यालय, हजारीबाग

आजाद सिपाही
रांची, शुक्रवार, 04 जुलाई, 2025
www.azadsipahi.in
04

15वीं हॉकी इंडिया सब जूनियर महिला चैंपियनशिप का आगाज

मंत्री सुदिव्य कुमार ने किया टूर्नामेंट का उद्घाटन

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। मरांग गोमके जयपाल सिंह मुंडा अंतरराष्ट्रीय हॉकी स्टेडियम, मोराबादी में 15वीं हॉकी इंडिया सब जूनियर राष्ट्रीय महिला हॉकी चैंपियनशिप 2025 का भव्य उद्घाटन बुधवार को हुआ। झारखंड सरकार के पर्यटन, कला-संस्कृति, खेलकूद एवं युवा कार्य विभाग के मंत्री सुदिव्य कुमार ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर और गेंद पास कर टूर्नामेंट की औपचारिक शुरूआत की। इस अवसर पर हॉकी इंडिया के महासचिव और हॉकी झारखंड के अध्यक्ष भोलानाथ सिंह ने मंत्री सुदिव्य कुमार का अंगवस्त्र, मोमेंटो और बुके देकर स्वागत किया। प्रतियोगिता का आयोजन हॉकी इंडिया, झारखंड सरकार और हॉकी झारखंड के संयुक्त तत्वावधान में 3 जुलाई से 14 जुलाई तक किया जा रहा है।

28 राज्यों की टीमें, तीन डिविजनों में भिड़ंत

प्रतियोगिता में देशभर से कुल 28 राज्यों की टीमें भाग ले रही हैं, जिन्हें तीन डिविजनों–ए, बी और सी में बांटा गया है। ए डिविजन में 12, बी डिविजन में 9 और सी डिविजन में 7 टीमें शामिल हैं।

पूर्व कप्तान असुंता लकड़ा सहित कई दिग्गज रहे मौजूद

इस मौके पर भारतीय महिला हॉकी टीम की पूर्व कप्तान असुंता लकड़ा, पूर्व अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी सुभद्रा प्रधान, हॉकी झारखंड के महासचिव विजय शंकर सिंह, सीइओ रजनीश कुमार, कोषाध्यक्ष असरिता लकड़ा, माइकल लाल, धर्मेंद्र कुमार, जयंत केरकेट्टा, रणधीर कुमार, गुरमीत सिंह राव सहित कई पदाधिकारी और खेलप्रेमी मौजूद रहे।

पूर्वी भारत का सर्वश्रेष्ठ उच्च शिक्षण संस्थान बना सेंट जेवियर्स कॉलेज

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। सेंट जेवियर्स कॉलेज ने 'इंडिया टुडे' के वार्षिक सर्वे 2025 में लगातार दूसरे पायदान पर अपनी साख को बरकरार रखा है। कॉलेज ने पूर्वोत्तर भारत में वाणिज्य और कला संकाय में दूसरे बेस्ट कॉलेज के रूप में अपनी जगह बनायी है। पूरे भारत के कला संकाय क्षेत्र के 194 कॉलेजों के सर्वे में इसने 33वां स्थान हासिल किया है, तो वहीं विज्ञान संकाय में 192 कॉलेजों में 68वां स्थान प्राप्त किया है। वाणिज्य संकाय के सर्वे में 251 कॉलेजों में इसने 41वां स्थान प्राप्त किया है। बीबीए के 218 कॉलेजों के सर्वे में इसने 36वां स्थान प्राप्त किया है। इस सर्वे रिपोर्ट के मुताबिक भारत में सेंट जेवियर्स कॉलेज रांची ने उभरते शिक्षण संस्थान के रूप में अपनी स्थिति बरकरार रखी है। यह जानकारी कॉलेज के प्राचार्य फादर रोबर्ट प्रदीप कुजूर एसजे ने दी। उन्होंने कहा है कि यह झारखंड राज्य के शिक्षा क्षेत्र में बड़ी उपलब्धि है। शिक्षा के अलख को जगाने के लिए यह कॉलेज हमेशा से प्रयत्नशील है और आगे भी रहेगा। राज्य के विद्यार्थियों की शिक्षा और उनके समग्र विकास के लिए कॉलेज प्रबंधन तत्पर है। प्राचार्य ने इस उपलब्धि का श्रेय पूरे महाविद्यालय के प्रबंधन, शिक्षक, कर्मचारी, छात्र-छात्राओं एवं अभिभावकों के साथ साथ मीडिया बंधुओं को भी दिया है।

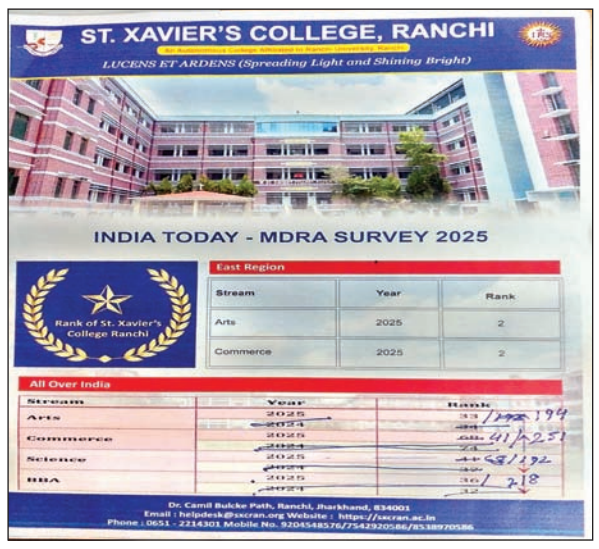

नक्सलियों की बिछायी आइइडी की चपेट में आया 6 साल का हाथी, गंभीर रूप से जख्मी

पश्चिमी सिंहभूम। झारखंड के पश्चिमी सिंहभूम जिले के सारंडा के बीहड़ जंगलों में नक्सलियों द्वारा बिछायी गयी आइइडी अब सिर्फ सुरक्षा बलों और ग्रामीणों के लिए खतरा नहीं रह गयी है, बल्कि वन्यजीव भी इसकी चपेट में आने लगे हैं। हाल ही में एक जंगली हाथी नक्सलियों के लगाये विस्फोटक की चपेट में आ गया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया है। सूत्रों के अनुसार, यह घटना 24 से 26 जून के बीच की बतायी जा रही है। घायल हाथी को आखिरी बार 27 जून को सारंडा के दीघा क्षेत्र के पास देखा गया।

महत्वपूर्ण खबरें

स्थापना दिवस को लेकर एबीवीपी के शिष्टमंडल ने कुलपति से मुलाकात की

रांची (आजाद सिपाही)। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी), रांची महानगर इकाई द्वारा आगामी विद्यार्थी परिषद स्थापना दिवस सह राष्ट्रीय विद्यार्थी दिवस के आयोजन को लेकर एक प्रतिनिधिमंडल ने गुरुवार को आरयू के कुलपति से मुलाकात की। कार्यकर्ताओं ने कुलपति से चर्चा करते हुए प्रस्तावित कार्यक्रम की रूपरेखा साझा की। साथ ही आयोजन में विश्वविद्यालय की भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए आग्रह किया। शिष्टमंडल का नेतृत्व महानगर मंत्री तुषार दुबे ने किया। उन्होंने कुलपति को ज्ञापन सौंपते हुए कहा कि इस अवसर पर विविध सांस्कृतिक, बौद्धिक एवं सामाजिक गतिविधियों के माध्यम से छात्र समुदाय को सक्रिय भूमिका निभाने के लिए प्रोत्साहित किया जायेगा।

शोहदा-ए-करबला की याद में रांची में रक्तदान शिविर संपन्न

रांची (आजाद सिपाही)। रज्जा यूनिट फाउंडेशन की ओर से लहू बोलेगा संस्था के सहयोग से शोहदा-ए-करबला की याद में गुरुवार को डोरंडा में एक दिवसीय रक्तदान शिविर संपन्न हुआ। रक्तदान शिविर में 20 यूनिट रक्त संग्रह किया गया। एकत्रित रक्त को सदर अस्पताल ब्लड बैंक रांची को सौंपा गया। इस अवसर पर बतौर मुख्य अतिथि झारखंड लोकतांत्रिक क्रांतिकारी मोर्चा (जेएलकेएम) के केंद्रीय वरीय उपाध्यक्ष देवेंद्रनाथ महतो ने रक्तदाताओं को प्रमाण-पत्र देकर प्रोत्साहित किया। देवेंद्रनाथ महतो ने कहा कि राज्य सरकार की ओर से अबतक रक्तदाताओं के प्रति उदासीन रवैया रहा है। शिविर में मुख्य रूप से फाउंडेशन कमेटी असफर खान, नदीम खान, शाहनवाज अब्बास, मोहम्मद फहीम, साकिब रज्जा, बबर खान सहित अन्य लोग मौजूद थे।

डोरंडा महाविद्यालय एनएसएस इकाई ने गोद लिये खिजरी गांव का किया सर्वे

रांची (आजाद सिपाही)। डोरंडा महाविद्यालय एनएसएस इकाई द्वारा सात दिवसीय विशेष शिविर के दूसरे दिन एनएसएस द्वारा गोद लिये खिजरी गांव में सर्वे किया गया। इस सर्वे में गांव के लगभग 200 मकानों का सर्वेक्षण किया गया, जिसमें पुरुषों की संख्या 413 और महिलाओं की संख्या 424 पायी गयी। इसके अलावा, 6 वर्ष से कम उम्र के बच्चों की संख्या 70 थी। सर्वेक्षण के माध्यम से ये बातें सामने आईं कि इस गांव में कई मूलभूत सुविधाओं की कमी है, जैसे कि पक्की सड़क, आवास योजना, स्वच्छ पेयजल और स्वास्थ्य सुविधा। यह कार्य महाविद्यालय के कार्यक्रम पदाधिकारी प्रो कंचन मुंडा, डॉ एमलिन केरकेट्टा और प्रो अलका दिव्या तिग्गा की देखरेख में 100 एनएसएस स्वयंसेवकों द्वारा कराया गया।

विशेष जांच अभियान चलाया गया

बोकारो (आजाद सिपाही)। लक्ष्मी मार्केट, सेक्टर-4 के पास बोकारो पुलिस अधीक्षक के निर्देशानुसार अनुमंडल पदाधिकारी, सदर चास एवं पुलिस उपाधीक्षक, यातायात विद्याशंकर के नेतृत्व में विशेष जांच अभियान चलाया गया। इसमें कुल 14 दो पहिया वाहन को नाबालिग द्वारा वाहन का परिचालन करते हुए पकड़ा गया, जिसे जब्त कर सेक्टर-4 थाना परिसर में सूरक्षार्थ रखा गया। उक्त सभी वाहनों का अभियोजन प्रतिवेदन न्यायालय में भेजा जायेगा। वाहन जांच के दौरान स्कूल वैन/टेंपो में सीट से ज्यादा विद्यार्थी बैठाने पर कुल 24 वाहनों का 18000 रुपये का जुर्माना किया गया। यातायात थाना के अन्य पदाधिकारी एवं कर्मियों ने विशेष जांच अभियान में सहयोग किया।

पीएम मोदी के नेतृत्व में झारखंड को मिला नया आयाम : अजय राय

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। सामाजिक कार्यकर्ता अजय राय ने केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी की ओर से रांची के रातू रोड एलिवेटेड कॉरिडोर और गढ़वा स्थित रेहला फोरलेन सड़क परियोजनाओं की सौगात दिये जाने का स्वागत किया है। गुरुवार को प्रेस रिलीज जारी कर उन्होंने कहा कि यह सिर्फ सड़क निर्माण नहीं, बल्कि झारखंड के भविष्य की दिशा में रखा गया मजबूत आधार है। उन्होंने कहा कि यह झारखंड के बुनियादी ढांचे के सुदृढ़ीकरण की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देशभर में जिस गति से इंफ्रास्ट्रक्चर का विकास हो रहा है। उसका प्रभाव झारखंड में भी स्पष्ट रूप से दिखायी दे रहा है। एम्स जैसे संस्थानों की स्थापना, सड़कों का जाल, रेलवे और संचार सुविधाओं का विस्तार, ये सभी

योजनाएं झारखंड के विकास को एक नयी ऊंचाई तक ले जा रही हैं।

राय ने कहा कि झारखंड की जनता लंबे समय से बेहतर कनेक्टिविटी और सुविधाओं की अपेक्षा कर रही थी, जिसे मोदी सरकार ने प्राथमिकता देते हुए साकार किया है। नितिन गडकरी की ओर से दिये गये उक्त दोनों परियोजनाएं राज्य की आर्थिक गतिविधियों को भी गति देंगी। रोजगार के नये अवसर सृजित करेंगे।

सरला बिरला पब्लिक स्कूल में राष्ट्रीय अंतरविद्यालय कला संगोष्ठी प्रतिध्वनि-2025 का हुआ शुभारंभ

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। सरला बिरला पब्लिक स्कूल में गुरुवार को राष्ट्रीय अंतर-विद्यालय कला संगोष्ठी प्रतिध्वनि-2025 के तीसरे संस्करण का उद्घाटन हुआ। यह तीन दिवसीय कार्यक्रम ज्ञान संसाधन क्यूरेटर मुखर्जी पी की देखरेख में आदिवासी जननायक और क्रांतिकारी बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती वर्ष को समर्पित था। उद्घाटन समारोह में देशभर के 30 से अधिक विद्यालयों के छात्रों की सहभागिता रही। समारोह के मुख्य अतिथि प्रो डॉ गोपाल पाठक महानिदेशक सरला बिरला विश्वविद्यालय रहे।

इन्होंने समारोह की गरिमा को बढ़ाया। इस अवसर पर शिक्षा जगत की प्रतिष्ठित हस्तियां भी मौजूद रहीं। इनमें राजेश पिल्लई प्राचार्य कैरली स्कूल, प्रेमलता प्राचार्या केंब्रियन पब्लिक स्कूल, डॉ सुभाष कुमार प्राचार्य संत माइकल्स स्कूल और शालिनी

विजय प्राचार्या गुरु गोबिंद सिंह पब्लिक स्कूल सम्मिलित थीं। इस अवसर पर अभिनव चटर्जी, देवांशु सेनगुप्ता, विश्वजीत दास और पार्थ बनर्जी निर्णायक के रूप में मौजूद थे। कार्यक्रम की शुरूआत स्वागत गीत से हुई। आज के कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण था उलगुलान आंदोलन पर आधारित एक विशेष नृत्य-नाटिका। इस प्रस्तुति ने धरती आबा बिरसा मुंडा के योगदान की स्मृति को पुनर्जीवित किया। यह दर्शाया कि समाज की प्रगति में विद्यार्थियों के बीच सहयोग और समंवय कितना महत्वपूर्ण है। पहले दिन टॉर्क-इंटीग्रेटेड डांस डायलॉग, प्ल्यूरिलॉग्स- मल्टी फॉर्मेट इंग्लिस डिबेट और फ्रेम्स-रील्स मेकिंग जैसी कई प्रतियोगितायें आयोजित की गयीं। इनमें विद्यार्थियों ने अपनी रचनात्मकता और फिल्म निर्माण कौशल का प्रदर्शन किया। इस कार्यक्रम का समापन विभिन्न प्रतियोगिताओं के पुरस्कार वितरण समारोह के साथ हुआ। मुख्य अतिथि प्रो डॉ गोपाल पाठक ने कहा कि जब छात्रों को ऐसे मंच मिलते हैं, तो उनकी रचनात्मकता को संबल मिलता है, और यह उनके आत्मविश्वास और दक्षता में वृद्धि करता है। विद्यालय की प्राचार्या परमजीत कौर ने छात्रों को ऐसे मंचों के माध्यम से ज्ञान और कौशल की सीमाओं को विस्तृत करने के लिए प्रेरित किया और प्रतिभागी टीमों के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि छात्र कच्चे हीरे हैं, और जब उन्हें ऐसा मंच मिलता है तो उनकी चमक और भी निखर जाती है।

दक्षिण पूर्व रेलवे की दो नयी रेलवे परियोजनाओं को स्वीकृति

आजाद सिपाही संवाददाता

कोलकाता। रेल मंत्रालय ने दक्षिण पूर्व रेलवे की दो नयी रेलवे परियोजनाओं के कार्य को स्वीकृति प्रदान की है। निमपुरा रिसेप्शन यार्ड और खड़गपुर जंक्शन के बीच तीसरी रेल लाइन। यह तीसरी रेल लाइन परियोजना 6.41 किलोमीटर लंबी होगी और इसे 157.86 करोड़ की लागत से निर्मित किया जायेगा।

खड़गपुर-निमपुरा रिसेप्शन यार्ड हावड़ा-मुंबई एवं हावड़ा-चेन्नई उच्च घनत्व नेटवर्क मार्ग पर स्थित है। निमपुरा रिसेप्शन यार्ड और खड़गपुर जंक्शन के बीच तीसरी लाइन के पूरा होने पर, आदित्यपुर-खड़गपुर तीसरी लाइन परियोजना पूरी हो जायेगी। इससे गोकुलपुर और आद्रा से आने वाली मालगाड़ियों की देरी कम होगी और माल यातायात की गति बढ़ेगी। कलाईकुंडा-निमपुरा वेस्ट आउटर-गोकुलपुर कनेक्टिविटी (निमपुरा रिसेप्शन यार्ड को बायपास करते हुए) यह नयी रेल लाइन परियोजना 12.33 किलोमीटर लंबी होगी और इसे 224.44 करोड़ की लागत से निर्मित किया जायेगा। प्रस्तावित परियोजना खड़गपुर स्टेशन के निकट है, जो कि हावड़ा-मुंबई एवं हावड़ा-चेन्नई उच्च घनत्व नेटवर्क मार्ग पर स्थित एक महत्वपूर्ण स्टेशन है।

कलाईकुंडा-निमपुरा वेस्ट आउटर-गोकुलपुर के बीच यह नयी कनेक्टिविटी बनने से इस खंड की वर्तमान क्षमता में वृद्धि होगी और इससे ट्रेनों की निर्बाध आवाजाही सुनिश्चित हो सकेगी।

पासवा ने वृहद नशा मुक्ति जागृति अभियान लांच किया

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। झारखंड के ग्रामीण विकास मंत्री दीपिका पांडेय सिंह के संरक्षण और पासवा के राष्ट्रीय अध्यक्ष आलोक कुमार दुबे के नेतृत्व में पासवा ने वृहद नशा मुक्ति जागृति अभियान लॉन्च किया । इस अभियान का उद्देश्य झारखंड को नशा मुक्त बनाना है और इसके लिए पासवा ने एक वृहद योजना बनायी है। दीपिका पांडेय सिंह ने कहा कि झारखंड को नशा मुक्त बनाना समाज की नैतिक जिम्मेवारी है और समाज को नशा के खिलाफ जागृत करने के लिए झारखंड के विद्यालयों की सबसे बड़ी संस्था पासवा के नेतृत्व में एक साथ संपूर्ण झारखंड के प्रत्येक जिले में एक वृहत नशा

मुक्ति अभियान चलाया जायेगा। पासवा के राष्ट्रीय अध्यक्ष आलोक कुमार दुबे ने कहा कि झारखंड के 47000 से अधिक विद्यालयों के लाखों शिक्षक झारखंड के गांव-गांव तक नशा मुक्ति का संदेश पहुंचाएंगे और एक साथ संपूर्ण झारखंड में नशा मुक्ति का वृहद अभियान लॉन्च किया जायेगा। पासवा ने अपने पोस्टर के माध्यम से जन जागृति का संकल्प लिया है। इस अवसर पर पासवा के प्रदेश महासचिव नीरज सहाय, प्रदेश महासचिव फलक फातिमा, केराली स्कूल के प्राचार्य राजेश पिल्लई, आकांक्षा के निदेशक वीके सिंह, हजारीबाग के जिला अध्यक्ष मिंकु कुमार, मेघाली सेनगुप्ता और झारखंड के प्रत्येक जिले से आए कई वॉलिंटियर्स उपस्थित थे।

चर्चा : डीएसपीएमयू के कुलपति ने विभागाध्यक्षों के साथ संवाद किया

विद्यार्थियों की 75 प्रतिशत उपस्थिति सुनिश्चित करें : अंजनी मिश्रा

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी विश्वविद्यालय के कुलपति अंजनी कुमार मिश्रा ने गुरुवार को लगभग दस विभागाध्यक्षों के साथ संवाद किया। उनके विभागों के संबंध में पूर्ण जानकारी मसलन, विद्यार्थियों की संख्या, उपस्थिति का प्रतिशत, विभागों की आधारभूत संरचना में कमी, पुस्तकालय और अकादमिक शोध आदि की जानकारी प्राप्त की। इस संदर्भ में प्रत्येक पारंपरिक और व्यवसायिक पाठ्यक्रमों के विभागाध्यक्ष और समन्वयकों से पूरी स्थिति और समस्याओं को सूचीबद्ध कर उन्हें प्राथमिकता के साथ तत्काल हल करने से संबंधित आवश्यक दिशा निर्देश निर्गत किये। उन्होंने कहा कि वह दो चरणों में विश्वविद्यालयों के सभी विभागाध्यक्ष के साथ उनकी समस्याओं के साथ समाधान के विषय में त्वरित कार्यवाही के पक्षधर है। शीघ्र ही दूसरे चरण में

शेष विभागों के विभागाध्यक्षों के साथ बैठक कर सभी समस्याओं को सूचीबद्ध कर प्राथमिकता के आधार पर उनका त्वरित निष्पादन कर दिया जायेगा, ताकि विश्वविद्यालय की अकादमिक और प्रशासनिक गतिविधियां सुचारू रूप से संचालित हो सके। उन्होंने पुनः इस बात को सुनिश्चित करने पर बल दिया कि विश्वविद्यालय की नामांकन प्रक्रिया में पारदर्शिता के साथ विद्यार्थियों की 75 प्रतिशत उपस्थिति भी सुनिश्चित होना आवश्यक है। इस क्रम में उन्होंने तत्काल आधारभूत संरचना को दुरुस्त करने से संबंधित वित्तीय दिशा निर्देश वित्त पदाधिकारी आनंद मिश्रा और सहायक कुलसचिव अमित आलोक हेरेंज को दिया। इस बैठक में भौतिकी, भूगोल, जूलॉजी, समाजशास्त्र, मानवशास्त्र, इतिहास, संस्कृत, बॉटनी, बीएड, मास कम्युनिकेशन, इलेक्ट्रॉनिक्स, प्रबंधन के विभागाध्यक्ष और निदेशक, समंवयक शामिल रहे। यह जानकारी पीआरओ डॉ राजेश कुमार सिंह ने दी।

पेज एक का शेष

रांची को आउटर रिंग रोड...

कार्यक्रम के दौरान संजय सेठ ने आउटर रिंग रोड की मांग की, जिस पर गडकरी ने भरोसा दिलाया कि इसका डीपीआर (डिटेल प्रोजेक्ट रिपोर्ट) जल्द तैयार कर निर्माण की दिशा में कदम उठाया जायेगा। गडकरी ने पब्लिक ट्रांसपोर्ट को अपग्रेड करने की आवश्यकता को भी स्वीकार किया और बताया कि जल्द ही रांची जैसे शहरों में अत्याधुनिक इलेक्ट्रिक बसें लायी जायेंगी जिनमें एग्जीक्यूटिव चेयर, चाय-पानी की व्यवस्था और आधुनिक सुविधाएं होंगी। उन्होंने यह भी कहा कि ये बसें डीजल बसों की तुलना में 30% सस्ती चलेंगी, जिससे यातायात आसान और किफायती होगा।

आने वाले दिनों में भारत की सड़कें अमेरिका से भी बेहतर होंगी: उन्होंने कहा कि भारत को अगर पांच ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाना है, तो उसका इंफ्रास्ट्रक्चर अमेरिका से बेहतर होना चाहिए। हमारे प्रधानमंत्री के नेतृत्व में हमने सात वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाए हैं। अभी हमारी लॉजिस्टिक कॉस्ट 10% है, लेकिन जल्द ही इसे 9% के नीचे लायेंगे। केंद्रीय मंत्री ने वादा किया कि आने वाले दो वर्षों में भारत की सड़कें अमेरिका से भी बेहतर होंगी। हर जगह जो ट्रैफिक जाम था, अब समय की बचत होगी और देश की रफ्तार भी बढ़ेगी।

4.18 किमी लंबा है रातु रोड एलिवेटेड कॉरिडोर : राजधानी रांची के लोगों को सोमवार को एक बड़ी सौगात मिली, जब केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी ने रातु रोड एलिवेटेड कॉरिडोर का उद्घाटन किया। नागाबाबा खटाल के पास नारियल फोड़कर और लाल फीता काट कर इस बहुप्रतीक्षित फ्लाइओवर को जनता को समर्पित किया गया। रांची के ओटीसी मैदान में उद्घाटन समारोह के लिए विशेष मंच तैयार किया गया था। उद्घाटन के चंद मिनटों के भीतर ही हजारों की संख्या में गाड़ियां फ्लाइओवर पर दौड़ने लगीं, जिससे थोड़ी देर के लिए ट्रैफिक जाम की स्थिति बन गयी। लोगों का उत्साह चरम पर था, क्योंकि वे लंबे समय से इस फ्लाइओवर का इंतजार कर रहे थे। यह एलिवेटेड कॉरिडोर कुल 4.18 किलोमीटर लंबा है और इसे 101 पिलरों पर टिकाया गया है। एलिवेटेड रोड को अत्याधुनिक तकनीक से लैस किया गया है, जिसमें साउंडप्रूफ और बुलेटप्रूफ ग्लास लगाये गये हैं ताकि ध्वनि प्रदूषण से राहत मिल सके। साथ ही 100 से अधिक स्ट्रीट लाइट इसे रात में भी चमकदार बनायेंगी। इस एलिवेटेड रोड के चालू हो जाने से रांची के रातु रोड, इटकी, पिस्का और नगड़ी जैसे इलाकों के लोगों को जाम से राहत मिलेगी।

केंद्र झारखंड बुनियादी ढांचे...

उन्होंने कहा कि 36 हजार करोड़ रुपये की लागत से वाराणसी-रांची-कोलकाता हरित गलियारे (ग्रीनफील्ड कॉरिडोर) का काम मार्च 2028 तक पूरा हो जायेगा जबकि जनवरी, 2028 तक 12,800 करोड़ रुपये की लागत से रांची-वाराणसी आर्थिक गलियारा बनाया जायेगा। उन्होंने कहा कि दिल्ली-कोलकाता के बीच 31,700 करोड़ रुपये की लागत से छह लेन वाली कॉरिडोर परियोजना का काम जून 2026 तक पूरा हो जायेगा।

चुनाव के बाद विकास की राजनीति होनी चाहिए: गडकरी ने कहा कि चुनाव तक राजनीति होनी चाहिए, लेकिन चुनाव के बाद विकास की राजनीति होनी चाहिए। उन्होंने राज्य की झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) नीत सरकार द्वारा उठाये गये लोकलुभावन कदमों की ओर इशारा किया। उन्होंने झारखंड सरकार से राज्य में भूमि अधिग्रहण, वन विभाग से मंजूरी और अन्य मुद्दों से संबंधित बाधाओं को दूर करने का भी आग्रह किया।

झारखंड सहित अन्य राज्यों के बीच बेहतर संपर्क होगा: मंत्री ने कहा कि हम झारखंड और बिहार सहित अन्य राज्यों के बीच बेहतर संपर्क सुनिश्चित करेंगे। गडकरी ने कहा कि राज्य में 2014 में 2,600 किलोमीटर का राष्ट्रीय राजमार्ग नेटवर्क था, जो अब 4,470 किलोमीटर हो गया है। उन्होंने कहा कि राज्य के 19 आकांक्षी जिले अब राष्ट्रीय राजमार्ग नेटवर्क से जुड़ चुके हैं। मंत्री ने गढ़वा में शंख से खजूरी तक 1,130 करोड़ रुपये की लागत से बने 23 किलोमीटर लंबे चार लेन वाले राजमार्ग का उद्घाटन किया। उन्होंने छत्तीसगढ़-झारखंड अंतरराज्यीय सीमा से गुमला तक राष्ट्रीय राजमार्ग-39 के 32 किलोमीटर लंबे हिस्से को चार लेन बनाने के लिए 1,330 करोड़ रुपये की परियोजना की आधारशिला भी रखी।

रोटरी ने दी रांची एयरपोर्ट को दो ऑटोमैटेड डिफिब्रिलेटर मशीन

- कार्डियक अरेस्टवाले लोगों की बचायी जा सकेगी जान
- रांची रेलवे स्टेशन को भी जल्द दी जायेगी यह मशीन

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। कार्डियक अरेस्ट के बढ़ते मामलों को देखते हुए रोटरी क्लब ऑफ रांची ने इस दिशा में विशेष पहल की है। रोटरी क्लब ने रांची एयरपोर्ट को पर दो पोर्टेबल मशीनें ऑटोमैटेड डिफिब्रिलेटर उपलब्ध करायी है, जो कार्डियक अरेस्ट के समय व्यक्ति को लाइफ सपोर्ट देगी। एक मशीन ग्राउंड फ्लोर और दूसरी फर्स्ट फ्लोर पर रहेगी। दोनों ट्रॉली में इंस्टाल है, ताकि तुरंत उसे कहीं भी पहुंचाया जा सके। साथ ही एयरपोर्ट को अत्याधुनिक इसीजी मशीन भी दी गयी। इस अवसर पर एयरपोर्ट डायरेक्टर राघवेंद्र मौर्या ने कहा किसी भी आकस्मिक आवश्यकता में ये मशीन कारगार होगी। मुझे खुशी है कि रोटरी ने ये पहल की है। इससे कई बेशकीमती जान बचेगी। डिस्ट्रिक्ट गवर्नर बिपिन चाचन ने कहा भविष्य में भी हम पैसेंजर की सुविधा के लिए एयरपोर्ट, रेलवे स्टेशन जी भीड़ भाड़ वाले इलाके में इस प्रकार के कार्य करते रहेंगे। प्रोजेक्ट चेयरमैन डॉ विनय ढानढनिया ने कहा कार्डियक अटैक आने पर इस मशीन के माध्यम से तुरंत इंसान में रिदम स्टार्ट कर सकते हैं। कार्डियक अरेस्ट तब होता है जब अचानक दिल की धड़कनें रुक जाती हैं। ऐसे में हमारा दिल शरीर को खून पंप करना बंद कर देता है। इस कारण कुछ ही मिनटों में व्यक्ति बेहोश होकर सांस लेना बंद कर सकता है। इस कंडीशन में मरीज को तुरंत सीपीआर या डिफिब्रिलेटर से झटका न दिया जाये, तो उसकी मौत हो सकती है।

क्लब के अध्यक्ष गौरव बागरॉय ने कहा कि इस मशीन से किसी आकस्मिकता के वक्त मरीज की स्थिति को तुरंत समझकर उसे इलाज मुहैया कराया जा सकेगा। क्लब की सोच जनसेवा को लगातार आगे बढ़ाने की है। एयरपोर्ट के डॉक्टर डॉ शोभा एवं डॉ आशीष मिश्रा ने कहा कि कार्डियक अरेस्ट मौत का सबसे बड़ा कारण बनकर उभर रहा है। ज्यादातर लोगों की जान सिर्फ इसलिए चली जाती है कि उन्हें समय पर सीपीआर नहीं मिल पाता है। ऐसी परिस्थिति में यह मशीन लोगों की जान बचायेगी।

क्लब के प्रवक्ता प्रवीण राजगढ़िया ने बताया कि बहुत जल्द इस प्रकार की मशीन रांची रेलवे स्टेशन पर भी लगायी जायेगी। इस अवसर पर जीएम धनंजय तिवारी, ज्वॉइंट जीएम अनिल कुमार कश्यप, डीजीएम एटीएम मनोज कुमार, ओएसडी अविनाश शुक्ला, मैनेजर सुहावन लकड़ा, असिस्टेंट मैनेजर राकेश यादव, स्टेशन मैनेजर कृष्णा यादव, प्रवीण राजगढ़िया, डिंपी चड्ढा, शाहिद पॉल और पवन जयसवाल उपस्थित थे।

CCL सेन्ट्रल कोलफील्ड्स लिमिटेड
"एक मिनीरत्न कम्पनी"
(कोल इण्डिया लिमिटेड की एक सहायक कम्पनी)

सूचना

सामग्री, कार्यों एवं सेवाओं के खरीद हेतु सीआईएल एवं इसकी अनुषंगी कम्पनियों द्वारा जारी सभी निविदाएँ कोल इण्डिया लिमिटेड की वेबसाईट **www.coalindia.in**/संबंधित अनुषंगी कम्पनी (सीसीएल, **www.centralcoalfields.in**) सीआईएल ई-प्रोक्योरमेंट पोर्टल **https://coalindiatenders.nic.in** एवं सेन्ट्रल पब्लिक प्रोक्योरमेंट पोर्टल **https://eprocure.gov.in** पर उपलब्ध हैं। इसके अतिरिक्त, जीईएम पोर्टल **https://gem.gov.in** के माध्यम से भी खरीद की जाती हैं।

आलोक कुमार दुबे ने लोगों से अपील की कि वे प्लास्टिक की पॉलिथीन का बहिष्कार करें

रांची (आजाद सिपाही)। अंतरराष्ट्रीय प्लास्टिक बैग मुक्ति दिवस के अवसर पर प्रदेश कांग्रेस महासचिव आलोक कुमार दुबे ने लोगों से अपील की कि वे प्लास्टिक की पॉलिथीन का बहिष्कार करें और बाजार जाते समय झोला साथ लेकर जायें। आलोक कुमार दुबे ने कहा कि प्लास्टिक एक धीमा जहर है, जो न केवल पर्यावरण को नुकसान पहुंचा रहा है, बल्कि जल, थल और वायु तीनों को प्रदूषित कर रहा है। उन्होंने जोर देकर कहा कि अब समय आ गया है कि हम पर्यावरण के प्रति गंभीर हों और दैनिक जीवन में छोटे-छोटे बदलाव लायें। उन्होंने राज्य सरकार से भी अपील की कि पॉलिथीन पर पूर्ण प्रतिबंध लगाने और इसके प्रभावी क्रियान्वयन के लिए ठोस कदम उठाए जायें। आलोक कुमार दुबे ने कहा कि आने वाले समय में स्कूलों, बाजारों और पंचायत स्तर पर भी जागरूकता अभियान चलाकर इस मुहिम को जन-जन तक पहुंचायेगा। उन्होंने कहा कि प्लास्टिक नहीं, झोला अपनायें - यही है स्वच्छ, हरित और सुरक्षित भविष्य की दिशा में हमारा संकल्प।

राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग आयोग के अध्यक्ष को ज्ञापन सौंपा

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। राष्ट्रीय ओबीसी मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष राजेश कुमार गुप्ता ने झारखंड के स्टेट गेस्ट हाउस में राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग आयोग के अध्यक्ष हंसराज अहीर के समक्ष आयोजित कार्यक्रम में मांग की है कि राज्य के सूची में शामिल कमलापुरी, जायसवाल, कसौधन, बरनवाल, स्वर्णकार माहुरी मोदी आदि जातियों को केंद्र की ओबीसी सूची में शामिल किया जाये। उन्होंने कहा कि ये जातियां झारखंड की ओबीसी सूची में हैं, लेकिन केंद्र की सूची में नहीं हैं। प्रदेश अध्यक्ष ने कहा की इस बाबत दिल्ली में भी अध्यक्ष को दो बार ज्ञापन सौपा था

प्रदेश अध्यक्ष राजेश कुमार गुप्ता ने अन्य मांग रखी, जिसमें आरक्षण की सीमा 50% को समाप्त कर ओबीसी को भी जनसंख्या अनुपात में आरक्षण देने, देश और प्रदेश में स्वतंत्र ओबीसी मंत्रालय गठन करने, ओबीसी पर लागू क्रीमी लेयर को हटाने, ओबीसी को भी प्रमोशन में रिजर्वेशन देने, सात जिले में ओबीसी का आरक्षण शून्य है उसे जनसंख्या अनुपात में करने, सीएनटी में शामिल ओबीसी की जातियां चंद्रवंशी, नाई आदि को उनके विकास के लिए सीएनटी डेवलपमेंट कमीशन बनाने सहित अन्य मांग की ज्ञापन सौंपा है।

इस मौके पर राष्ट्रीय ओबीसी मोर्चा के आर्थिक सलाहकार सुनील जायसवाल कहा कि कलवार जाति के कई उपजाति हैं, जिन्हें केंद्र की ओबीसी सूची में शामिल नहीं होने से उच्च शिक्षा, केंद्र की नौकरियां, विकास की योजनाओं से वंचित हो जा रहे हैं।

इस मौके पर प्रदेश उपाध्यक्ष सिद्धनाथ सिंह, दिलीप वर्मा, पारस जायसवाल, प्रदीप कुमार माहुरी, शिवकुमार गुप्ता माहुरी, नीरज कुमार, किशोरी प्रसाद, डॉ प्रोफेसर जयंत कश्यप, राम लखन साहू, संतोष शर्मा, निर्मल शाह सहित बरनवाल, कमलापुरी, कसौधन, माहुरी जयसवाल स्वर्णकार मोदी राजमणि कमलापुरी प्रदेश अध्यक्ष, काशी प्रसाद कोषाध्यक्ष, जितेंद्र कमलापुरी महामंत्री आदि जातियों के पदाधिकारी उपस्थित थे।

झामुमो रांची जिला समिति ने भाजपा का पुतला फूंका

- भोगनाडीह घटना भाजपा की साजिश, झारखंड को मणिपुर बनाने की कोशिश : मुस्ताक आलम

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। झामुमो रांची जिला समिति ने गुरुवार को रांची के अल्बर्ट एक्का चौक के समीप भाजपा का पुतला दहन किया । झामुमो का आरोप है कि भाजपा द्वारा साजिशन झारखंड के भोगनाडीह में हूल दिवस के अवसर पर निंदनीय घटना को अंजाम दिया गया। कहा कि भाजपा द्वारा आदिवासी, मूलवासी, दलित, पिछड़ा एवं अल्पसंख्यक समुदाय विरोधी नीतियों के विरोध में पुतला दहन किया गया है।

झामुमो रांची जिला संयोजक प्रमुख मुस्ताक आलम के नेतृत्व में हुए इस पुतला दहन कार्यक्रम में आयोजित किया गया। मुस्ताक आलम ने कहा हूल दिवस के अवसर पर भोगनाडीह में हर साल सरकारी कार्यक्रम होता है, परंतु इस बार वहां पर भाजपा द्वारा झारखंड को अस्थिर करने की साजिश रची गयी। वहां के भोले भाले लोगों को साड़ी और पैसे बांटकर और हथियार देकर झारखंड खासकर संथाल परगना को मणिपुर बनाने की साजिश की गयी। इसे लेकर पूरे झारखंड में रोष है जिसके विरोध में आज पूरे चौबीसों जिलों में पुतला दहन कार्यक्रम किया जा रहा है।

झामुमो केंद्रीय नेतृत्व के निदेर्शानुसार रांची जिला समिति द्वारा हुए पुतला दहन कार्यक्रम में मुख्य रूप से केंद्रीय सदस्य सह जिला संयोजक मंडली सदस्य पवन जेडीया, केंद्रीय सदस्य सह जिला संयोजक मंडली सदस्य अश्विनी शर्मा, जिला संयोजक मंडली सदस्य डॉ हेमलाल मेहता, बीरू तिर्की, धर्मेंद्र सिंह, जयवंत तिग्गा, सोनू मुंडा, झब्बूलाल महतो, समनूर मंसूरी, कुदूस अंसारी, अंतू तिर्की, जनक नायक, कलाम आजाद, आदिल इमाम, संजय राय, रमेश साहू सहित अन्य सैकड़ों कार्यकर्ता उपस्थित थे।

जनसुनवाई में शामिल हुआ समाज का प्रतिनिधिमंडल

जायसवाल, कलवार ब्याहुत, भगत को केंद्रीय सूची में शामिल करने की मांग

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। अखिल भारतीय जायसवाल सर्ववर्गीय महासभा के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष एवं झारखंड प्रदेश अध्यक्ष सुनील जायसवाल ने झारखंड स्टेट गेस्ट हाउस में राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग आयोग के अध्यक्ष हंसराज अहीर के समक्ष आयोजित जनसुनवाई में जायसवाल, कलवार ब्याहुत, भगत जाति को केंद्रीय ओबीसी सूची में शामिल करने की बात प्रमुखता से उठायी। अखिल भारतीय जायसवाल सर्ववर्गीय महासभा के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष एवं झारखंड प्रदेश अध्यक्ष सुनील जायसवाल ने आयोग के केंद्रीय अध्यक्ष हंसराज अहीर के सामने अपनी बातों को रखते हुए कहा कि जायसवाल, ब्याहुत, भगत, कलवार को राष्ट्रीय अति पिछड़ा वर्ग के सूची से नाम हटा दिया गया है, जिसके कारण से अति पिछड़े वर्ग में होने के बावजूद भी हमें राष्ट्रीय स्तर पर नियोजन, दाखिला समेत अन्य लाभ से वंचित होना पड़ रहा है, जो कि जायसवाल, ब्याहुत, भगत कलवार के लिए अन्याय है, जबकि राज्य के पिछड़े वर्ग आयोग की सूची में जायसवाल, ब्याहुत, भगत कलवार का नाम दर्ज है।

पूरे राज्य से आये समाज के डिलीगेट्स का नेतृत्व करते हुए अखिल भारतीय जायसवाल सर्ववर्गीय महासभा के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष एवं झारखंड प्रदेश अध्यक्ष सुनील जायसवाल ने आयोग के अध्यक्ष हंसराज अहीर को ज्ञापन सौंपते हुए आग्रह किया कि राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग आयोग की सूची में जायसवाल, ब्याहुत, भगत कलवार का नाम दर्ज किया जाये, जिससे कि हमारी जाति के साथ भेदभाव एवं अन्याय ना हो एवं हमारी जाति के बच्चों को भी केंद्र सरकार द्वारा निकाली गयी नौकरी के संबंध में अत्ति पिछड़ा वर्ग होने का लाभ मिले एवं राष्ट्रीय स्तर के शिक्षण संस्थानों में दाखिले में अति पिछड़ा वर्ग का लाभ प्राप्त हो एवं जनहित से संबंधित किसी भी योजना का लाभ प्राप्त हो सके।

जनसुनवाई में अखिल भारतीय जायसवाल सर्ववर्गीय महासभा के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष एवं झारखंड प्रदेश अध्यक्ष सुनील जायसवाल के नेतृत्व में महेंद्र जायसवाल, पारस जायसवाल अमिश जायसवाल, उदय जायसवाल जायसवाल बिजनेस एसोसिएशन से प्रभात रंजन, गौतम सागर, ज्ञानेश जायसवाल, विजय कुमार जायसवाल, राजीव रंजन जायसवाल, संजय जायसवाल, कुमार निशांत समेत पूरे प्रदेश से आये समाज के प्रतिनिधि शामिल हुए।

झारखंड में आइपीएस अधिकारियों को मिला अतिरिक्त प्रभार, अधिसूचना जारी

रांची (आजाद सिपाही)। झारखंड में आइपीएस अधिकारियों को मिला अतिरिक्त प्रभार दिया गया है। इस संबंध में गृह विभाग ने अधिसूचना जारी कर दी है। जैप 10 कमांडेंट सौरभ जैप 1 कमांडेंट का भी कार्यभार देखेंगे। ग्रामीण एसपी धनबाद कपिल चौधरी को जैप-3 कमांडेंट का अतिरिक्त कार्यभार, जामताड़ा एसपी राजकुमार मेहता को आईआरबी-1 का भी प्रभार, चतरा एसपी सुमित अग्रवाल को आईआरबी-3 की अतिरिक्त जिम्मेदारी, गुमला एसपी हरीश बिन जमा आईआरबी-5 का भी दायित्व संभालेंगे। गोड्डा एसपी मुकेश कुमार आईआरबी-8 का भी प्रभार संभालेंगे। सिटी एसपी धनबाद ऋत्विक श्रीवास्तव को रेल एसपी धनबाद की भी जिम्मेदारी और जमशेदपुर ग्रामीण एसपी ऋषभ गर्ग रेल एसपी जमशेदपुर का कार्य भी देखेंगे।

जेसीआइ रांची को सर्वश्रेष्ठ शाखा और प्रतीक जैन को सर्वश्रेष्ठ अध्यक्ष का पुरस्कार

रांची (आजाद सिपाही)। जेसीआइ रांची जेसीआइ इंडिया के मंडल तीन की सबसे बड़ी शाखा है। पहली बार जेसीआइ रांची ने मंडल के कार्यक्रम मिडकॉन की मेजबानी जोहार मिडकॉन 2025 के नाम स्वरूप की। इस कार्यक्रम में मंडल तीन के सभी जेसीआई शाखाओं ने भाग लेते हुए 165 लोग शामिल हुए। इसमें बीते छह माह के उपलब्धियों पर शाखाओं को पुरस्कृत किया गया। इस बार जेसीआइ रांची को कुल 22 पुरस्कारों से सम्मानित किया गया। साथ ही जेसीआइ रांची के अध्यक्ष जेसी प्रतीक जैन को बेस्ट अध्यक्ष मंडल तीन रीजन ए से सम्मानित किया गया। जेसीआइ रांची को बेस्ट शाखा के खिताब से नवाजा गया। कार्यक्रम के उदघाटन समारोह के मुख्य अतिथि झारखंड गौशाला न्यास बोर्ड के अध्यक्ष राजीव रंजन प्रसाद व कार्यक्रम के समापन समारोह के मुख्य अतिथि झारखंड के पूर्व इंडियन क्रिकेट टीम के बल्लेबाज सौरभ तिवारी थे। इस कार्यक्रम के संचालक जेसी सिद्धार्थ जयसवाल व प्रशांत पाटोदिया ने कॉन्फ्रेंस एडवाइजर पूर्व मंडल अध्यक्ष जेसी अभिषेक केडिया एवं जेसी संजय जैन और जेसी राजीव रंजन के नेतृत्व में सफलता पूर्वक संचालन किया। जेसी ऋषभ जैन, ऋषभ अग्रवाल, तपिश केडिया, ऋषभ जालान, किशन अग्रवाल, प्रवीण अग्रवाल, रौनक सिंह और सचिव सन्नी केडिया ने कार्यक्रम का संचालन किया।

आरयू में पौधरोपण सह पुरस्कार वितरण समारोह

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। रांची विश्वविद्यालय के इंस्टीट्यूट आफ लीगल स्टडीज डिपार्टमेंट में वन महोत्सव कार्यक्रम के अंतर्गत पौधारोपण सह पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में डॉ सुदेश साहू, डीएसडब्ल्यू रांची विश्वविद्यालय, डॉ मुकुंद चंद मेहता, प्रोक्टर एंड डायरेक्टर सीवीएस, और डॉ स्मृति सिंह, डिप्टी डायरेक्टर सीवीएस उपस्थित रहे। विशिष्ट अतिथि के रूप में डॉ बृजेश कुमार, एनएसएस प्रोग्राम कोऑर्डिनेटर, और डॉक्टर बसंत झा, डायरेक्टर स्कूल ऑफ मास कम्युनिकेशन रांची विश्वविद्यालय भी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन इंस्टीट्यूट ऑफ लीगल स्टडीज की असिस्टेंट प्रोफेसर और एनएसएस प्रोग्राम ऑफिसर डॉ हैप्पी भाटिया ने किया। संस्थान के निदेशक डॉ मयंक मिश्रा ने अतिथियों का स्वागत करते हुए पर्यावरण महोत्सव का महत्व समझाया। इस कार्यक्रम में पूर्व आयोजित प्रतियोगिताओं का पुरस्कार वितरण भी हुआ। कार्यक्रम का समापन पौधारोपण के साथ किया गया। यह कार्यक्रम रांची विश्वविद्यालय की एनएसएस इकाई द्वारा आयोजित किया जा रहा है, जो 7 दिनों तक अलग-अलग संस्थानों में चलेगा। इस कार्यक्रम का उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाना और पौधारोपण को बढ़ावा देना है।

टेंडर हार्ट की नन्हीं कलाकार अस्मिता ने देशभर में हासिल किया 8वां स्थान

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। टेंडर हार्ट स्कूल की कक्षा 1 की छात्रा अस्मिता ने नेशनल लिटिल हैंड्स प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन करते हुए देशभर में आठवां स्थान प्राप्त किया है। उनकी इस उपलब्धि ने न सिर्फ विद्यालय को, बल्कि पूरे राज्य को गौरवान्वित कर दिया है। देश के टॉप 10 प्रतिभागियों में अस्मिता झारखंड राज्य से एकमात्र प्रतिनिधि रहीं। यह सम्मान समारोह गोवा में आयोजित किया गया था, जहां देशभर से चयनित प्रतिभागियों को प्रतिष्ठित अतिथियों द्वारा सम्मानित किया गया। अस्मिता को उनकी कलात्मक प्रतिभा के लिए पुरस्कृत किया गया और वहीं पर आयोजित इंटरनेशनल लिटिल हैंड्स प्रतियोगिता के अगले चरण में भी उन्होंने सहभागिता की। इस अंतरराष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता का परिणाम शीघ्र ही घोषित किया जायेगा। टेंडर हार्ट स्कूल के चेयरमैन सुधीर तिवारी ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा अस्मिता की यह सफलता केवल एक व्यक्तिगत उपलब्धि नहीं, बल्कि टेंडर हार्ट परिवार की सामूहिक मेहनत का प्रतीक है। आज हमारे विद्यार्थी देशभर में विभिन्न क्षेत्रों में विद्यालय का नाम रोशन कर रहे हैं। शिक्षकों की निष्ठा, अभिभावकों का सहयोग और विद्यार्थियों की मेहनत ने टेंडर हार्ट को देश के अग्रणी विद्यालयों की श्रेणी में ला खड़ा किया है। इस अवसर पर विद्यालय की प्राचार्या उषा किरण झा, निदेशक जे मोहंती, उप प्राचार्या शिवांगी शुक्ला समेत समस्त शिक्षक एवं छात्रों ने अस्मिता को हार्दिक बधाई दी एवं उनकी सफलता पर हर्ष प्रकट किया।

लड़ाई पर मिला साथ

पहलगाम आतंकी हमले पर क्वाड के सदस्य देशों का संयुक्त बयान भारत की आतंकवाद के खिलाफ वैश्विक एकजुटता की कोशिशों को मजबूती देता है। शंघाई कोऑपरेशन ऑर्गेनाइजेशन (एससीओ) के सम्मेलन में जो हुआ था, उसे देखते हुए यह बयान भारत के लिए कूटनीतिक जीत है और पाकिस्तान के लिए झटका।

सफल रहा भारत : ऑपरेशन सिंदूर के बाद क्वाड-भारत, अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया, जापान के विदेश मंत्रियों की यह पहली बैठक थी। मीटिंग के पहले भारतीय विदेश मंत्री एस जयशंकर ने उम्मीद जतायी थी कि आतंकवाद को लेकर भारत के रुख को क्वाड के सदस्य देश समझेंगे। उन्होंने दुनिया से आतंकवाद को लेकर जीरो टॉलरेंस की अपील की थी। संयुक्त बयान इसी भावना को दर्शाता है।

पाकिस्तान पर दबाव : क्वाड के साझा बयान में भले ही पाकिस्तान का नाम न हो, लेकिन सीधा संदेश उसी के लिए है। भारत पहले ही सारे सबूत सामने रख चुका है, जो बताते हैं कि पहलगाम के पीछे पाकिस्तान का हाथ था - वहीं साजिश रची गयी और वहीं से आतंकी आये। अब बयान में साजिशकर्ताओं, हमलावरों और फंडिंग करने वालों को सजा दिलाने की मांग की गयी है - साथ ही संयुक्त राष्ट्र के सभी सदस्य देशों से आह्वान किया गया है कि वे जिम्मेदार लोगों को न्याय के कटघरे में लाने के लिए अंतरराष्ट्रीय कानून के तहत मिल कर काम करें। यानी, क्वाड भी मान रहा है कि पहलगाम की साजिश विदेशी जमीन पर रची गयी और इससे भारत का पक्ष मजबूत होता है।

क्वाड के साझा बयान में भले ही पाकिस्तान का नाम न हो, लेकिन सीधा संदेश उसी के लिए है। भारत पहले ही सारे सबूत सामने रख चुका है, जो बताते हैं कि पहलगाम के पीछे पाकिस्तान का हाथ था - वहीं साजिश रची गयी और वहीं से आतंकी आये।

अमेरिकी रुख : यह बयान इसलिए भी अहम है, क्योंकि इस मंच का एक सदस्य देश अमेरिका है। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान और बाद में भी वॉशिंगटन ने मामले को जिस तरह लिया था, उससे भारत में सही संदेश नहीं गया। ट्रंप प्रशासन ने नयी दिल्ली और इस्लामाबाद को एक तराजू में रख कर बात की थी, जबकि भारत का साफ कहना है कि आतंकवाद के प्रायोजक और पीड़ित को एक नजर से नहीं देखा जाना चाहिए। चूंकि क्वाड के बयान में अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो की भी सहमति है, तो माना जा सकता है कि शायद अमेरिका का रुख अब बदला हो।

एससीओ का जवाब: कुछ दिनों पहले हुई शंघाई कोऑपरेशन ऑर्गनाइजेशन की मीटिंग में संयुक्त बयान जारी नहीं हो सका था। भारत का प्रस्ताव था कि पहलगाम में हुए आतंकी हमले को संयुक्त बयान में शामिल किया जाये, तब चीन और पाकिस्तान ने मिल कर इसका विरोध किया। लेकिन, चीन हर जगह पाकिस्तान को नहीं बचा सकता। क्वाड की वजह से उस पर पहले ही दबाव है, जो अब और बढ़ेगा।

अभिमत
आजाद सिपाही

महिला एवं बाल विकास मंत्रालय इस परिवर्तन में सबसे अग्रणी रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकसित भारत @2047 के विजन से निर्देशित, मंत्रालय ने लाभ को अंतिम छोर तक त्वरित, पारदर्शी और कुशल तरीके से पहुंचाना सुनिश्चित करने के लिए अपने कार्यक्रमों में प्रौद्योगिकी को व्यवस्थित रूप से एकीकृत किया है। हम अक्सर कहते हैं: सशक्त महिलाएं, सशक्त भारत। और सशक्तिकरण की शुरुआत पहुंच-अधिकारों, सेवाओं, सुरक्षा और अवसरों तक पहुंच से होनी चाहिए। आज, यह पहुंच तेजी से डिजिटल होती जा रही है।

परिवर्तन को समर्थ बनाना : महिला एवं बाल विकास में तकनीकी परिवर्तन का एक दशक

अन्नपूर्णा देवी

सशक्तिकरण की शुरुआत पहुंच-अधिकारों, सेवाओं, सुरक्षा और अवसरों तक पहुंच से होती है। बीते दशक में अधिक समावेशी और डिजिटल रूप से सशक्त भारत का निर्माण करने पर केंद्रित मोदी सरकार की प्रतिबद्धता के माध्यम से इस पहुंच को नये सिरे से परिभाषित किया गया है और सभी के लिए सुलभ बनाया गया है। महिला एवं बाल विकास मंत्रालय इस परिवर्तन में सबसे अग्रणी रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकसित भारत @2047 के विजन से निर्देशित, मंत्रालय ने लाभ को अंतिम छोर तक त्वरित, पारदर्शी और कुशल तरीके से पहुंचाना सुनिश्चित करने के लिए अपने कार्यक्रमों में प्रौद्योगिकी को व्यवस्थित रूप से एकीकृत किया है।

हम अक्सर कहते हैं: सशक्त महिलाएं, सशक्त भारत। और सशक्तिकरण की शुरुआत पहुंच-अधिकारों, सेवाओं, सुरक्षा और अवसरों तक पहुंच से होनी चाहिए। आज, यह पहुंच तेजी से डिजिटल होती जा रही है। जो कभी आकांक्षापूर्ण था, वह अब क्रियाशील बन चुका है -ऐसा सरकार द्वारा डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचना, रियल-टाइम डेटा सिस्टम और उत्तरदायी शासन पर जोर दिए जाने की बदौलत संभव हुआ है। मंत्रालय ने देखरेख, संरक्षण और सशक्तीकरण पर दृढ़ता से ध्यान केंद्रित करते हुए-पोषण, शिक्षा, कानूनी सुरक्षा और आवश्यक अधिकारों तक पहुंच को मजबूत किया है, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि महिलाएं और बच्चे न केवल अधिक स्वस्थ, अधिक सुरक्षित जीवन जी सकें, बल्कि वे आत्मविश्वासी नेतृत्वकर्ता और अमृत काल के परिवर्तनकर्ता के रूप में भी उभर सकें। जैसा कि प्रधानमंत्री ने बहुत सटीक रूप से कहा है, मैं प्रौद्योगिकी को सशक्त बनाने के साधन के रूप में तथा आशा और अवसर के बीच की दूरी को पाटने वाले उपकरण के रूप में देखता हूं। इस लोकाचार ने मैनुअल प्रक्रियाओं से लेकर रियल-टाइम डैशबोर्ड तक, असंबद्ध योजनाओं से लेकर एकीकृत प्लेटफार्मों तक हमारे परिवर्तन का मार्गदर्शन किया है। इस परिवर्तन की आधारशिला सक्षम आंगनवाड़ी पहल है।

मंत्रालय ने देखरेख, संरक्षण और सशक्तीकरण पर दृढ़ता से ध्यान केंद्रित करते हुए-पोषण, शिक्षा, कानूनी सुरक्षा और आवश्यक अधिकारों तक पहुंच को मजबूत किया है।

भारत भर में 2 लाख से ज्यादा आंगनवाड़ी केंद्रों को आधुनिक और सशक्त बनाने के लिए निरुपित यह कार्यक्रम बाल्यावस्था देखरेख और विकास की अगली पीढ़ी का प्रतिनिधित्व करता है।

पोषण, स्वास्थ्य सेवा और पूर्व-विद्यालयी शिक्षा सेवाओं की ज्यादा प्रभावी प्रदायगी संभव बनाते हुए इन केंद्रों को स्मार्ट इंफ्रास्ट्रक्चर, डिजिटल डिवाइस और नये-नये लर्निंग टूल्स के साथ अपग्रेड किया जा रहा है। देश भर में 14 लाख आंगनवाड़ी केंद्रों द्वारा प्रदान की जाने वाली सेवाओं को पोषण ट्रैकर के साथ एकीकृत करने से रियल-टाइम डेटा एंट्री, कार्य निष्पादन की निगरानी और साक्ष्य-आधारित नीतिगत हस्तक्षेप संभव हो पाया है। आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं को स्मार्टफोन और व्यापक प्रशिक्षण से लैस करके, यह पहल अंतिम छोर तक गुणवत्तापूर्ण सेवा प्रदायगी सुनिश्चित करती है। यह 2014 से पहले मौजूद मैनुअल रिकॉर्ड-कीपिंग और डेटा ब्लाइंड स्पॉट से एक निर्णायक बदलाव का प्रतीक है। एक दशक पहले, आइसीडीएस प्रणाली असंबद्ध डेटा, विलंबित प्रतिक्रियाओं और रियल-टाइम ट्रैकिंग की कमी से दबी हुई थी। पोषण ट्रैकर ने पोषण सेवा प्रदायगी में सटीकता, दक्षता और जवाबदेही की शुरूआत कर इस परिदृश्य को बदल दिया है।

10.14 करोड़ से ज्यादा लाभार्थी अब इस प्लेटफॉर्म पर पंजीकृत हैं- जिनमें गर्भवती महिलाएं, स्तनपान कराने वाली माताएं, छह साल से कम उम्र के बच्चे और किशोरियां शामिल हैं। यह प्लेटफॉर्म विकास की निगरानी और पूरक पोषण प्रदायगी पर रियल-टाइम अपडेट को सक्षम बनाते हुए समय पर हस्तक्षेप और साक्ष्य-आधारित नीति निर्माण सुनिश्चित करता है। डिजिटल रूप से सशक्त सामुदायिक केंद्रों के रूप में आंगनवाड़ी केंद्रों की नये सिरे से परिकल्पना कर, शहरी-ग्रामीण विभाजन को पाटते हुए- पोषण ट्रैकर महत्वपूर्ण रूप से स्वस्थ भारत, सुपोषित भारत के राष्ट्रीय विजन को आगे बढ़ा रहा है।

लोक प्रशासन में उत्कृष्टता के लिए प्रधानमंत्री पुरस्कार (2025) से सम्मानित यह मंच पोषण भी पढाई भी का भी समर्थन करता है, जो प्रारंभिक बाल्यावस्था शिक्षा के लिए आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं को डिजिटल प्रशिक्षण मॉड्यूल प्रदान करते हुए विकसित भारत के अमृत काल में समग्र देखभाल को बढ़ावा दे रहा है।

पूरक पोषण कार्यक्रम (एसएनपी) में पारदर्शिता को और मजबूत करने तथा लीकेज कम करने के लिए एक फेशियल रिकॉग्निशन सिस्टम शुरू किया गया है। इस डिलिवरी तंत्र को सुरक्षित, सटीक और सम्मानजनक बनाते हुए यह सुनिश्चित करता है कि पोषण सहायता केवल पात्र लाभार्थियों को ही मिले।

प्रौद्योगिकी-आधारित प्लेटफॉर्म के माध्यम से यह मंत्रालय पोषण से बढ़ कर, महिलाओं के लिए सुरक्षा और सहायता सुनिश्चित कर रहा है। शी-बॉक्स पोर्टल हर महिला को, चाहे वह किसी भी रोजगार की स्थिति में हो या संगठित या असंगठित, निजी या सार्वजनिक क्षेत्र में काम करती हो, पॉश अधिनियम के तहत उसे शिकायत दर्ज कराने के लिए सिंगल-विंडो एक्सेस प्रदान करता है - जिससे ऑनलाइन निवारण और ट्रैकिंग संभव हो पाती है।

इस बीच, मिशन शक्ति डैशबोर्ड एंड मोबाइल ऐप संकट से घिरी महिलाओं को एकीकृत सहायता प्रदान करता है, उन्हें निकटतम वन स्टॉप सेंटर से जोड़ता है - जो अब लगभग हर जिले में चालू है। ये कदम इस बात का उदाहरण हैं कि तकनीक का उपयोग न केवल दक्षता के लिए, बल्कि न्याय, सम्मान और सशक्तिकरण के लिए भी किया जा रहा है। एक दशक पहले, मातृत्व लाभ की निगरानी करना मुश्किल था और इसमें देरी होती थी। मोदी सरकार ने प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना (पीएमएमवीवाइ) की शुरुआत की है - जो मातृ कल्याण की दिशा में बहुत बड़ा बदलाव है। पीएमएमवीवाइ नियम, 2022 के तहत, गर्भवती महिलाओं को उनके पहले बच्चे के लिए 5,000 रुपये की राशि मिलती है । मिशन शक्ति के तहत, अगर दूसरा बच्चा लड़की है, तो - बेटियों के लिए सकारात्मक सुदृढ़ीकरण को बढ़ावा देते हुए लाभ की राशि 6,000 रुपये तक बढ़ जाती है। कागज रहित प्रत्यक्ष लाभ अंतरण (डीबीटी) प्रणाली के माध्यम से वितरित, शुरूआत से अब तक 4 करोड़ से अधिक महिला लाभार्थियों तक 1,9000 करोड़ रुपये से अधिक की राशि पहुंच चुकी है। पीएमएमवीवाइ - आधार-आधारित प्रमाणीकरण, मोबाइल-आधारित पंजीकरण, आंगनवाड़ी/आशा कार्यकर्ताओं द्वारा घर-घर सहायता और रियल-टाइम डैशबोर्ड का लाभ उठाते हुए एक पूर्णतः डिजिटल कार्यक्रम है। एक समर्पित शिकायत निवारण मॉड्यूल तथा पारदर्शिता, विश्वास और जवाबदेही सुनिश्चित करने वाला नागरिकों से संबंधित पोर्टल है - जो बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता को मजबूत करता है।

ये लक्षित प्रयास ठोस नतीजे दे रहे हैं। स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय (एमओएचएफडब्ल्यू) की स्वास्थ्य प्रबंधन सूचना प्रणाली (एच एम आइएस) की नवीनतम रिपोर्ट से पता चलता है कि जन्म के समय लिंगानुपात (एसआरबी) 918 (2014-15) से बढ़कर 930 (2023-24) हो गया है, जिसमें 12 अंकों का शुद्ध सकारात्मक परिवर्तन हुआ है। मातृ मृत्यु दर 130 प्रति 1000 जन्म (2014-16) से घटकर 97 प्रति 1000 जन्म (2018-20) हो गई है - जो हमारी सरकार के पिछले एक दशक के निरंतर प्रयासों के सकारात्मक प्रभाव को रेखांकित करता है। प्रत्येक बच्चा पोषित, सुरक्षित और संरक्षित वातावरण का हकदार है। हाल के वर्षों में, डिजिटल परिवर्तन ने बाल संरक्षण और कल्याण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। किशोर न्याय अधिनियम के तहत, मंत्रालय ने केयरिंग्स पोर्टल (बाल दत्तक ग्रहण संसाधन सूचना एवं मार्गदर्शन प्रणाली) के माध्यम से गोद लेने के इकोसिस्टम को मजबूत किया है। यह डिजिटल इंटरफेस एक अधिक पारदर्शी, सुलभ और कुशल गोद लेने की प्रक्रिया सुनिश्चित करता है।

डिजिटलीकरण ने बाल देखभाल संस्थानों, पालन-पोषण केंद्रों और जेजे अधिनियम के तहत वैधानिक सहायता संरचनाओं की निगरानी में भी सुधार किया है। राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग (एनसीपीसीआर) द्वारा विकसित प्लेटफॉर्म बाल अधिकारों के उल्लंघन पर सक्रिय रूप से नजर रख रहे हैं। इस बीच, मिशन वात्सल्य डैशबोर्ड विभिन्न बाल कल्याण हितधारकों के बीच अभिसरण और समन्वय को मजबूत करता है। यह नया भारत है - जहां शासन प्रौद्योगिकी से मिलता है, और जहां नीति उद्देश्य से मिलती है। पिछले दशक में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में महिला एवं बाल विकास मंत्रालय ने न केवल डिजिटल परिवर्तन को अपनाया है - बल्कि इसका समर्थन भी किया है। जैसे-जैसे हम अमृत काल में आगे बढ़ रहे हैं, मंत्रालय प्रत्येक महिला और प्रत्येक बच्चे का राष्ट्र निर्माण में भागीदार बनना सुनिश्चित करते हुए आगे बढ़कर नेतृत्व करना जारी रखेगा। प्रौद्योगिकी, पारदर्शिता और लक्षित कार्रवाई के माध्यम से, हम एक ऐसे भविष्य का निर्माण कर रहे हैं जहाँ सशक्तिकरण महज नारा भर नहीं है - बल्कि प्रत्येक भारतीय के लिए वास्तविकता है।

(लेखिका : केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री हैं।)

कोल्हान की खबरें

आदित्यपुर पुलिस ने अवैध कारोबार के खिलाफ चलाया अभियान

ब्राउन शुगर के साथ तस्कर गिरफ्तार

आजाद सिपाही संवाददाता

सरायकेला। आदित्यपुर पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर कारवाई करते हुए ब्राउन शुगर कारोबारी को गिरफ्तार कर लिया। गुरुवार को घटना की जानकारी देते हुए एसडीपीओ समीर कुमार सवैया ने बताया पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी मुस्लिम बस्ती एच रोड निवासी तैयब अंसारी अपने घर से बड़े पैमाने पर ब्राउन शुगर का कारोबार चला रहा है। जिले के एसपी मुकेश कुमार लुणायत के निर्देश पर पुलिस ने एक विशेष दल का गठन कर छापेमारी की। जहां तैयब अंसारी को ब्राउन शुगर खरीद बिक्री के आरोप में गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार आरोपी के पास से 8 ग्राम ब्राउन शुगर बरामत किया गया। एसडीपीओ समीर कुमार सवैया ने बताया आदित्यपुर क्षेत्र में लगभग 95 प्रतिशत से अधिक ब्राउन शुगर के कारोबार को खत्म कर दिया गया। शेष बचे हुए लोग चोरी-छिपे इस अवैध कारोबार को चला रहे हैं, जिनके खिलाफ लगातार कार्रवाई की जा रही है। एसडीपीओ ने चेतावनी दी ड्रग्स के धंधे को संरक्षण देने या बढ़ावा देने वालों के खिलाफ सख्त से सख्त कानूनी कार्रवाई की जायेगी।

श्रीश्री मानस सत्संग समिति की बैठक

जमशेदपुर (आजाद सिपाही)। श्री श्री मानस सत्संग समिति, जो पिछले 20 वर्षों से सावन मास के दूसरे सोमवार को भव्य सुंदरकांड पाठ और भोग वितरण कार्यक्रम का आयोजन करती आ रही है। बाराद्वारी में आगामी कार्यक्रम को लेकर बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में 21 जुलाई को होने वाले सुंदरकांड पाठ और भोग वितरण की तैयारियों पर विस्तार से चर्चा की गई।मौके पर सभी सदस्यों को कार्यक्रम की सफलता सुनिश्चित करने के लिए अलग-अलग जिम्मेदारियां सौंपी गईं। बैठक के अंत में भगवान शिव के जयघोष ह्यहर हर महादेवह्ण के साथ सभा सम्पन्न हुई। इस अवसर पर मनोज मिश्रा, संतोष सिंह, ओमेश सिन्हा, प्रदीप, सुमित, मनीष, सुमन, संजय दास, मिंटू, अनिल प्रसाद, विजय शर्मा उपस्थित रहे।

आजादी के बाद पहली बार पोटका प्रखंड के रांगामाटिया से जोजोगोड़ा तक बनेगी पक्की सड़क : संजीव सरदार विधायक

आजाद सिपाही संवाददाता

जमशेदपुर। पोटका प्रखंड के हेंसल आमदा पंचायत अंतर्गत दुर्गम पहाड़ी क्षेत्र रांगामाटिया से जोजोगोड़ा होते हुए पोड़सागोड़ा तक अब पक्की सड़क का सपना साकार होने जा रहा है।पोटका विधायक संजीव सरदार के पहल पर आजादी के बाद पहली बार इस इलाके को पक्की सड़क की सौगात मिलने जा रही है। गुरुवार को स्थानीय विधायक संजीव सरदार ने नारियल फोड़कर विधिवत रूप से इस बहुप्रतीक्षित सड़क परियोजना का शिलान्यास किया। विधायक श्री सरदार ने कहा सीएम हेमंत सोरेन की अबुआ सरकार हर गांव तक विकास की रोशनी पहुंचा रही है। करीब 5.06 करोड़ की लागत से बनने वाली इस 5 किमी लंबी सड़क का निर्माण कार्य मोरबल कंस्ट्रक्शन प्राइवेट लिमिटेड करेगी। सड़क निर्माण से क्षेत्र के लोगों को आवागमन की बेहतर सुविधा मिलेगी। शिलान्यास कार्यक्रम में पार्षद सविता सरदार, मुखिया अर्धेंदु सरदार, ग्राम प्रधान बलराम सरदार, पूर्व पार्षद हीरामणी मुर्मू समेत बड़ी संख्या में पंचायत प्रतिनिधि सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे।मौके पर उपस्तित सभी ग्रामीणों ने हेमंत सरकार और विधायक की विकासपरक सोच की सराहना करते हुए धन्यवाद दी।

पूर्वी सिंहभूम जिला कांग्रेस अध्यक्ष ने मुसाबनी क्षेत्र का किया दौरा, समस्याओं से हुए अवगत

आजाद सिपाही संवाददाता

मुसाबनी। पूर्वी सिंहभूम जिला कांग्रेस कमिटी के अध्यक्ष आनन्द बिहारी दुबे के नेतृत में के प्रतिनिधि मंडल मुसाबनी प्रखंड के विभिन्न इलाकों का दौरा किया। गुरुवार को उन्होंने स्थानीय ग्रामीणों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनी। श्री दुबे का काफिला सबसे पहले मुसाबनी बाजार पहुंचा, जहां उन्होंने बिलीचिंग पाउडर का छिड़काव करवाया। दुकानदारों ने उन्हें बाजार परिसर में कचरे के ढेर की समस्या से अवगत कराया। उन्होंने अंचलाधिकारी से वार्ता कर तत्काल कचरा हटवाने का निर्देश दिया। वहीं गुलमोहर स्कूल की प्रिंसिपल ने भी समस्याएं रखीं, जिसे सुनकर दुबे ने स्कूल परिसर में बिलीचिंग पाउडर उपलब्ध कराया। इस अवसर पर महिला कांग्रेस अध्यक्ष नलिनी सिन्हा, मो. इरफान, मो. असगर, जुनेद, समीर, सोनू, सबनम परवीन समेत कई कार्यकर्ता शामिल रहे।

पूर्व प्रदेश अध्यक्ष सुनील साहू के समर्थन में नेताओं ने दिया सामूहिक इस्तीफा

रांची/जमशेदपुर। लोकहित अधिकार पार्टी झारखंड में अंदरूनी कलह खुलकर सामने आ गयी है। गुरुवार को पार्टी के पूर्व प्रदेश उपाध्यक्ष मनोज गुप्ता ने कहा पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष द्वारा पूर्व प्रदेश अध्यक्ष सुनील साहू को अचानक निष्कासित करना राजनीतिक अपरिपक्वता का परिचायक है। श्री गुप्ता ने कहा श्री साहू के निष्कासन से कार्यकर्ताओं में रोष है और सभी मर्माहत हैं। सुनील साहू के समर्थन में प्रदेश के कई वरिष्ठ नेताओं ने सामूहिक रूप से त्यागपत्र दे दिया है। त्यागपत्र देनेवालों में चतरा से कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष संजय स्नेही, प्रदेश महासचिव अशोक कुमार डोम, प्रदेश सचिव शम्भु प्रजापति, हजारीबाग से प्रधान महासचिव कुंज बिहारी साव और प्रदेश सचिव राम विलास साव, बोकारो से प्रदेश उपाध्यक्ष जोधन नायक, पलामू से प्रदेश महासचिव अशोक प्रसाद साहू, धनबाद से प्रदेश सचिव अशोक साव, गढ़वा से कार्यसमिति सदस्य प्रदीप गुप्ता, चतरा जिलाध्यक्ष मुरारी साव, लातेहार जिलाध्यक्ष बलराम प्रसाद साहू, गिरिडीह जिलाध्यक्ष शिव शंकर साहू, हजारीबाग जिलाध्यक्ष रणधीर कुमार साहू, चाईबासा जिलाध्यक्ष शशिकांत ठाकुर, बोकारो जिलाध्यक्ष संतोष साव समेत प्रदेश कार्यसमिति के सदस्य नंदलाल साव और तारीक साव शामिल हैं। नेताओं ने कहा वे सुनील साहू के साथ हैं और नेतृत्व के इस निर्णय का विरोध करते हैं।

एनएसयू के तीन विद्यार्थियों का डॉ रेड्डी में टेरीटरी मैनेजर पद पर चयन

आजाद सिपाही संवाददाता

जमशेदपुर। नेताजी सुभाष विश्वविद्यालय (एनएसयू) में फामेर्सी विभाग के अंतिम वर्ष में तीन विद्यार्थियों ने प्लेसमेंट में बड़ी सफलता हासिल की है। विश्वविद्यालय में आयोजित प्लेसमेंट ड्राइव में बैचर्स ऑफ फामेर्सी सत्र 2021-2025 के प्रियंका रॉय, दीपा सोनी और स्नेहा कुमारी का चयन प्रतिष्ठित मेडिकल लैबोरेट्री और डायग्नोस्टिक कंपनी डॉ रेड्डी में टेरेट्री मैनेजर के पद पर किया गया है। चयनित विद्यार्थियों को झारखंड स्थित विभिन्न शहरों में 4.5 लाख रुपये वार्षिक पैकेज पर नियुक्त किया जायेगा। प्लेसमेंट सेल के पदाधिकारियों ने बताया वर्तमान समय में रोजगार के क्षेत्र में तेजी से बदलाव हो रहे हैं। ऐसे में विद्यार्थियों को तकनीक आधारित कौशल और अंतरराष्ट्रीय स्तर के संचार कौशल को विकसित करना जरूरी है। विश्वविद्यालय द्वारा सॉफ्ट स्किल, इन्साइड आउटसाइड लर्निंग प्रोग्राम और मल्टी स्टेज इंटर्नशिप जैसे कार्यक्रमों से विद्यार्थियों को तैयार किया जा रहा है। विद्यार्थियों की इस सफलता पर कुलसचिव नागेंद्र सिंह ने खुशी जाहिर की।

बोलेरो में अचानक लगी आग, चालक की सूझबूझ से टला बड़ा हादसा

बंशीधर नगर (आजाद सिपाही)। शहर के धुरकी मोड़ के समीप गुरुवार की अहले सुबह एक बड़ा हादसा होने से बाल बाल बच गया। हुआ यूं कि धुरकी मोड़ के समीप बोलेरो में अचानक आग लग गयी। हालांकि चालक की सूझबूझ के कारण कोई जान माल का नुकसान नहीं हुआ। सिर्फ बोलेरो गाड़ी ही धूं धूं कर जल गयी। आग लगने का कारण शॉर्ट सर्किट बताया जा रहा है। बताया जा रहा है कि खरसोता से दवा कराकर सवारी वाहन सोनडीहा (सगमा) की ओर जा रही थी। इसी दौरान रास्ते में वाहन से अचानक धुंआ उठने लगा। ड्राईवर उमेश कुमार पासवान ने सतर्कता दिखाते हुये तुरंत गाड़ी को रोक दिया और सभी यात्रियों को सुरक्षित बाहर निकाल दिया। इसी बीच गाड़ी में तेजी से आग फैल गयी। जिससे बोलेरो में सवार लोगों के बीच अफरा तफरी मच गयी। स्थानीय लोगों ने तत्काल इसकी सूचना फायर बिग्रेड को दी। अग्निशमन दल के पहुंचने तक बोलेरो पूरी तरह से जलकर खाक हो चुकी थी। फायर बिग्रेड मौके पर आकर आग बुझाया लेकिन गाड़ी पूरी तरह जल चुकी थी।

मनरेगा की समीक्षा बैठक में अनुपस्थित कर्मियों पर कार्रवाई, समय पर योजनाएं पूर्ण करने का निर्देश

कांडी (आजाद सिपाही)। प्रखंड कार्यालय के सभागार में बुधवार को बीडीओ की अध्यक्षता में मनरेगा से संबंधित गहन समीक्षा बैठक आयोजित की गयी। बैठक में बीपीओ श्री सोनू, कंप्यूटर ऑपरेटर श्रीकांत, लेखपाल धीरज सहित सभी रोजगार सेवक उपस्थित रहे, जबकि चार रोजगार सेवक और एक कनीय अभियंता विशाल अनुपस्थित पाये गये। बीडीओ ने अनुपस्थित कर्मियों का वेतन स्थगित करते हुए उप विकास आयुक्त से अनुशासनात्मक कार्रवाई का अनुरोध किया। बैठक में मनरेगा अंतर्गत संचालित आम बागवानी योजनाओं को गुणवत्ता के साथ तय समय सीमा में पूरा करने का निर्देश दिया गया। बीडीओ ने कहा कि जिन लाभुकों के पास सिंचाई की सुविधा नहीं है, उनकी योजनाओं को ऑनगोइंग नहीं किया जाये। समीक्षा में 100 दिनों का रोजगार अधिक से अधिक मजदूरों को देने पर बल दिया गया।

निर्धारित मार्ग से ही निकालें जुलूस: रोहित रंजन

रंका (आजाद सिपाही)। मुहर्रम की त्योहार को लेकर रंका थाना में शांति समिति की बैठक आयोजित हुई। इस बैठक में रंका अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी रोहित रंजन सिंह, थाना प्रभारी चेतन कुमार सिंह, प्रखंड विकास पदाधिकारी शुभम बेला तोपनों, अंचलाधिकारी शिवपूजन तिवारी मुख्य रूप से उपस्थित हुए। बैठक में आने वाले मुहर्रम की त्योहार को शांति एवं सौहार्द के साथ मनाने का निर्णय लिया गया। बैठक में यह निर्णय लिया गया कि डीजे साउंड का प्रयोग वर्जित रहेगा और किसी भी प्रकार कि भड़काऊ गीत बजाने की अनुमति नहीं रहेगी। जुलूस में कहा गया कि बिजली तारों से दूरी बनाये रखेंगे और जुलूस केवल निर्धारित मार्ग से ही निकाले जाएं, ताकि कोई अव्यवस्था उत्पन्न न हो। इस मौके पर एसडीपीओ रोहित रंजन सिंह, थाना प्रभारी चेतन कुमार सिंह, प्रखंड विकास पदाधिकारी शुभम बेला तोपनों, अंचलाधिकारी शिवपूजन तिवारी, उत्तम पांडेय, किशोर कुमार शौंडिक,सुल्पानी सिंह, सुरेश पांडेय, शोएब खलिफा, डॉ इस्लाम, डॉ इकरामुद्दीन, मुखिया हासिम अंसारी, असमुद्दीन बीडीसी, कलाम अंसारी सहित काफी संख्या में हिन्दू मुस्लिम समुदाय के लोग उपस्थित थे।

55 वर्षीय पारा शिक्षक की हुई मौत

मृतक पारा शिक्षक की फाइल फोटो।

केतार (आजाद सिपाही)। प्रखंड क्षेत्र के आदिवासी बहुल क्षेत्र परती कुशवानी पंचायत के अच्छीया टोला निवासी सहायक अध्यापक विद्या यादव की गुरुवार करीब 2 बजे मौत हो गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार 55 वर्षीय विद्या यादव परती कुशवानी पंचायत के अमवाडीह उत्क्रमित मध्य विद्यालय में सहायक अध्यापक पद पर कार्यरत थे। वह लंबे समय से ब्लड कैंसर से पीड़ित थे उनका इलाज रांची रिम्स से चल रहा था। उनकी स्वास्थ्य अचानक खराब होने के वजह से उनकी मृत्यु हो गया। फिलहाल वें घर पर ही थे। उनका अंतिम संस्कार सोन नदी के तट पर किया गया। अंतिम संस्कार में झामुमो के वरिष्ट नेता मुक्तेश्वर पांडे, प्रखंड अध्यक्ष लालेश्वर राम, संगठन सचिव संजय वर्मा, सुरेश प्रसाद, विनोद सिंह, पूर्व उप प्रमुख सह बीडीसी प्रतिनिधि दीन दयाल गुप्ता, शिव शाह, कमलेश यादव, दीपक वर्मा, दीपक यादव सहित कई लोग उपस्थित थे।

शिवरी निवासी व्यक्ति की ब्रेन हेमरेज से मौत

मृतक कुलदीप साव का फाइल फोटो।

कांडी (आजाद सिपाही)। थाना क्षेत्र के ग्राम शिवरी निवासी कुलदीप साव उम्र 58 वर्ष की ब्रेन हेमरेज से हो गयी। मृतक बिहार के कल्याण पुर बंजारी सिमेंट फैक्ट्री में कार्यरत थे। एक सप्ताह पूर्व उनका ब्रेन हेमरेज हो गया था तथा नारायण होस्पिटल सासाराम में इलाज हो रहा था। 2 जुलाई को रात्रि 11 बजे उनकी मौत हो गयी। शव सुबह में उनके पैतृक गांव शिवरी लाया गया तथा सोन नदी में अंतिम संस्कार किया गया। परिजनों के अनुसार 18 माह और उनका नौकरी बचा हुआ था। 18 माह के बाद वो रिटायर होते।

भगवान जगन्नाथ की घुरती रथयात्रा आज

ठाकुरबाड़ी मंदिर में विराजेंगे अपने कक्ष में

आजाद सिपाही संवाददाता

रंका। भगवान जगन्नाथ की घुरती रथयात्रा शुक्रवार को भैया बलभद्र और बहन सुभद्राजी के साथ सम्पन्न होगी। भगवान जगन्नाथ मौसीबाड़ी से लौटकर अपने मूल स्थान ठाकुरबाड़ी मंदिर स्थित अपने कक्ष में विराजमान होंगे। बीते आठ दिनों से भगवान मौसीबाड़ी में बिराजे हुए थे, जहां भक्तों के लिए सुलभ दर्शन की व्यवस्था थी। इस दौरान श्रद्धालुओं की भीड़ दिनभर लगी रही और भगवान की विशेष सेवा से भक्तगण अभिभूत रहे। पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार, राजपुरोहित पंडित बालेश्वर दूबे द्वारा प्रतिदिन सुबह, दोपहर और शाम को पूजन, विविध व्यंजनों सहित महाप्रसाद अर्पण, आरती और पुष्पांजलि की जाती रही। परंपरानुसार श्रीमद्भागवत महापुराण का सांगोपांग पाठ मौसीबाड़ी परिसर को गुंजायमान करता रहा। शुक्रवार को दोपहर श्रीमद्भागवत पाठ की पूर्णाहुति के पश्चात हवन और भगवान को विशेष महाप्रसाद अर्पित किया जायेगा। इसके उपरांत गाजे-बाजे, शंख ध्वनि और जयघोष के बीच राजपुरोहितों द्वारा भगवान जगन्नाथ, बलभद्र और सुभद्राजी के विग्रह को रथ में विराजमान कराकर ठाकुरबाड़ी मंदिर वापस लाया जायेगा, जहां वे अपने कक्ष में पुनः स्थापित किये जायेंगे।

निर्माणाधीन सड़क कीचड़ में तब्दील, ग्रामीण परेशान

आजाद सिपाही संवाददाता

भवनाथपुर। प्रखंड के अरसली उत्तरी पंचायत भवन से लेकर नंदू राम के घर तक निर्माणाधीन सड़क इन दिनों ग्रामीणों के लिए मुसीबत का कारण बन गयी है। बारिश के चलते सड़क की हालत और भी खराब हो गयी है, जिससे यह पूरी तरह कीचड़ में तब्दील हो गयी है। इस स्थिति को लेकर ग्रामीणों में भारी नाराजगी देखी जा रही है। ग्रामीणों ने ठेकेदार पर सवाल उठाते हुए कहा है, कि निर्माण कार्य की गुणवत्ता बेहद खराब है और इसे जल्द कीचड़मुक्त कर चलने लायक बनाया जाये। स्थानीय लोगों का आरोप है कि सड़क निर्माण की गति बेहद धीमी है। ग्रामीणों जयराम पासवान, अरुण गुप्ता, उमेश चंद्रवंशी, रामकेश प्रजापति, गुलाम अंसारी, अजय प्रजापति, सुदर्शन प्रजापति, संजय प्रजापति का कहना है, कि ठेकेदार द्वारा सड़क कीचड़नुमा कर दिया गया है, इससे राहगीरों, वाहन चालकों के साथ-साथ स्कूली बच्चों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। इसी मार्ग से मोहर्रम के अवसर पर ताजिया भी जाया करता है। अरसली मोहर्रम कमेटी के अध्यक्ष जावेद अंसारी ने बताया कि मोहर्रम का पर्व समीप है, लेकिन सड़क कीचड़ से भरी पड़ी है, जिससे ताजिया का जुलूस निकालना कठिन हो जायेगा। ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की है कि जल्द से जल्द इस सड़क को दुरुस्त किया जाये ताकि लोगों को हो रही परेशानियों से राहत मिल सके और मुहर्रम का पर्व भी शांतिपूर्वक संपन्न हो सके।

मेराल पूर्वी के मुखिया ने की समीक्षात्मक बैठक, कहा

सभी के सहयोग से पंचायत को नंबर वन बनायेंगे

पंचायत में पूर्ण शराबबंदी के लिए थाना पुलिस के साथ गस्ती निकालने का लिया निर्णय

आजाद सिपाही संवाददाता

मेराल। प्रखंड मुख्यालय के ग्राम पंचायत मेराल पूर्वी के मुखिया रामसागर महतो ने पंचायत सचिवालय भवन में मासिक समीक्षा बैठक की, जिसमें पंचायत सचिव, वार्ड सदस्य, आंगनबाड़ी सेविका, जल सहिया आदि शामिल हुए। बैठक में मासिक कार्यों की जानकारी ली गयी। मुखिया ने कहा कि कार्यों के प्रगति के लिए वे सतत प्रयत्नशील हैं। आप सभी के सहयोग से पंचायत को नंबर वन बनाना है। पंचायत में पूर्ण शराबबंदी को लेकर वार्ड सदस्यों द्वारा जानकारी दिया गया कि कुछ हठी लोगों द्वारा चोरी छुपे शराब बनाने तथा बेचने के धंधा में लगे हैं। जिस पर सर्वसम्मति से थाना पुलिस के सहयोग से गस्ती दल निकालने का निर्णय लिया गया। साथ ही सरकारी विद्यालय जिसमें 13 वर्ष से अधिक उम्र की बच्चियों पढ़ती हैं, वहां स्वास्थ्य विभाग से भस्मक लगवाने का निर्णय लिया गया। संजय नगर में बसे मुसहर और घासी परिवार को वोटर आईडी बनाने के बाद आधार कार्ड बनवाकर सरकारी लाभ दिलवाने तथा उनके बच्चों का नामांकन सरकारी स्कूल में करने पर चर्चा हुई। चरका पत्थर आंगनवाड़ी केंद्र के पास जल जमाव की समस्या पर मुखिया रामसागर महतो ने कहा कि वह अपने निजी खर्चे से वहां मिट्टी की भरायी कर देंगे। इसी तरह पूर्वारा टोला प्राथमिक विद्यालय में जल जमाव के निदान के लिए अंचल अमीन से जमीन की मापी कराकर सरकारी जमीन में कच्चा नाली बनवाने की जानकारी दी गयी।

64वीं सुब्रतो कप अंडर-17 बालिका वर्ग जिला स्तरीय फुटबॉल प्रतियोगिता

बालिका वर्ग में राजकीयकृत+2 उच्च विद्यालय रमकंडा बना चैंपियन

आजाद सिपाही संवाददाता

गढ़वा। जिला स्तरीय 64वीं सुब्रतो कप इंटरनेशनल अंडर-17 बालिका वर्ग फाइनल मैच में राजकीय कृत+2 उच्च विद्यालय रमकंडा ने राजकीयकृत प्लस टू उच्च विद्यालय, रंका को बेहद रोमांचक मुकाबले में 4-3 से हराकर बालिका वर्ग का चैम्पियन बना। फाइनल मैच काफी रोमांचक रहा पूरे निर्धारित समय तक दोनों ही टीमों ने बेहतरीन खेल का प्रदर्शन किया, लेकिन कोई भी टीम गोल नहीं कर सकी और मुकाबला 0-0 की बराबरी पर समाप्त हुआ। इसके बाद मुकाबले का फैसला पेनाल्टी शूटआउट से हुआ, जिसमें रमकंडा की टीम ने 4-3 से जीत दर्ज की। विजेता टीम राजकीय कृत प्लस टू उच्च विद्यालय रमकंडा टीम को जिला शिक्षा अधीक्षक सह अपर जिला कार्यक्रम पदाधिकारी अनुराग मिंज सहायक कार्यक्रम पदाधिकारी कुलदीपक अग्रवाल फुटबॉल संघ के अध्यक्ष आलोक मिश्रा ट्रॉफी प्रदान किया। इस मौके पर खिलाड़ियों को संबोधित करते हुये जिला शिक्षा अधीक्षक सह अपर जिला कार्यक्रम पदाधिकारी अनुराग मिंज ने कहा कि इस जीत के साथ ही रमकंडा की टीम ने जिला स्तरीय खिताब अपने नाम कर लिया और अब वह गढ़वा जिले की ओर से प्रमंडलीय स्तर पर अंडर-17 बालिका संवर्ग में प्रतिनिधित्व करेगी।

इस मौके पर जिला कार्यक्रम पदाधिकारी अल्का लकड़ा, प्रखंड कार्यक्रम पदाधिकारी संतोष कुमार दुबे संकुल प्रभारी देवेंद्र नाथ उपाध्याय, एडमोन कच्छप चित रंजन कुशवाहा शारीरिक शिक्षक सुशील कुमार तिवारी ,आलोक कुमार, शमशाद आलम सहित कई लोग शामिल थे।

फुटबॉल प्रतियोगिता देर रात तक दूधिया रोशनी में खेला जा रहा है : जिला स्तरीय 64वीं सुब्रतो कप फुटबॉल प्रतियोगिता देर रात तक दूधिया रोशनी में खेला जा रहा है। जिले में पहली बार रात्रि फुटबॉल का आयोजन चल रहा है में इस प्रतियोगिता के दौरान रात्रि में खेलने को लेकर खिलाड़ियों काफी उत्सुक है। प्रतियोगिता में शामिल होने वाले खिलाड़ी क्वार्टर फाइनल, सेमीफाइनल और फाइनल मैच रात्रि में दूधिया रोशनी में खेलना चाहते हैं, आयोजन कमेटी भी खिलाड़ियों की मांग को पूरा करते हुए रात्रि में स्टेडियम में लगे सभी लाइट को जलाकर रात्रि फुटबॉल मैच का आयोजन किया जा रहा है। रात्रि में चल रहे फुटबॉल प्रतियोगिता को लेकर जहां खिलाड़ियों में खेलने के प्रति जोश है। वहीं दूधिया रोशनी में खेले जा रहे हैं मैच का उठा रहे हैं।

पुलिस ने 30 लीटर अवैध महुआ शराब के साथ बाइक जब्त की

भवनाथपुर (आजाद सिपाही)। गुप्त सूचना के आलोक में मंगलवार की शाम भवनाथपुर थाना के एएसआई नारायण प्रसाद ने पुलिस बल के साथ कैलान के अमवाडीह में छापामारी अभियान चलाकर एक व्यक्ति को हिरासत में लेते हुए 30 लीटर अवैध महुआ शराब के साथ उसका मोटरसाइकिल जब्त कर थाना लाया। पकड़ा गया आरोपी बरडीहा थाना क्षेत्र के आदर लेवाटाड निवासी बिजेंद्र उरांव है।

कार्यालय महाप्रबंधक, जिला उद्योग केन्द्र, हजारीबाग

प्रेस विज्ञप्ति

उद्यम पंजीकरण हेतु एक दिवसीय जागरूकता शिविर

प्रबंध निदेशक, जिडको, राँची के निदेशानुसार MSME इकाईयों को बढ़ावा देने के उद्देश्य से दिनांक 05.07.2025 को पूर्वाह्न 11:00 बजे से CMTC बिल्डिंग, राजा तालाब के पास, सहाना बैंक्वेट के बगल में, कोडरमा में निःशुल्क उद्यम पंजीकरण हेतु एक दिवसीय जागरूकता शिविर का आयोजन किया जा रहा है, जिसमें उद्यमियों का उद्यम निबंधन किया जाएगा।

अतः कोडरमा जिला के सभी उद्यमी/व्यवसायी निर्धारित तिथि को आयोजित जागरूकता शिविर में अपने उद्यम/इकाई के निबंधन हेतु आधार कार्ड, पैन कार्ड, बैंक पासबुक, आधार लिंक्ड मोबाईल नम्बर के साथ भाग लेंगे।

महाप्रबन्धक,
जिला उद्योग केन्द्र, हजारीबाग

PR 356446 Industries(25-26).D

कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता विभाग (गव्य विकास)
जिला गव्य विकास कार्यालय, राँची

-: पशुपालकों के लिए आम सूचना :-

राँची जिला के इच्छुक दुग्ध उत्पादकों/पशुपालकों को सूचित किया जाता है कि कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता विभाग (पशुपालन प्रभाग) झारखण्ड सरकार, राँची के राज्यादेश संख्या – 05 रा0 दिनांक–16.06.2025 के आलोक में वित्तीय वर्ष 2025-26 में राज्य के अन्दर दुधारू पशु प्रबंधन एवं पशु पोषण प्रशिक्षण कार्यक्रम का निर्धारण किया गया है। इच्छुक दुग्ध उत्पादकों/पशुपालकों प्रशिक्षण में भाग लेने हेतु पहचान पत्र (आधार कार्ड की छायाप्रति), एक पासपोर्ट साईज रंगीन फोटो, अपने नाम के बैंक खाता पासबुक की छायाप्रति जिसमें खाता संख्या एवं IFSC कोड सुस्पष्ट हो, को साथ में लेकर आना अनिवार्य है। प्रशिक्षण हेतु प्रशिक्षण संस्थान, धुर्वा, राँची तक आने–जाने का मार्ग भाड़ा) स्वयं वहन करना है, जिसकी प्रतिपूर्ति प्रशिक्षण सत्र के बाद उक्त संस्था द्वारा निर्धारित व्यय की राशि एवं दैनिक भत्ता 100/– (एक सौ) रू0 प्रतिदिन के दर से प्रशिक्षणार्थी को बैंक खाता के माध्यम से सीधे भुगतान कर दी जायेगी।

प्रशिक्षण हेतु निर्धारित लक्ष्य की विवरणी :–

क्र०सं०	प्रशिक्षण अवधि	OSP		TSP		SCSP		कुल
		पुरूष	महिला	पुरूष	महिला	पुरूष	महिला	
1	09.07.2025 से 14.07.2025 तक	5	3	7	6	2	2	25
2	30.07.2025 से 04.08.2025 तक	5	3	7	6	2	2	25
3	20.08.2025 से 25.08.2025 तक	5	3	7	6	2	2	25
4	10.09.2025 से 15.08.2025 तक	5	3	7	6	2	2	25
5	24.09.2025 से 29.09.2025 तक	5	3	7	6	2	2	25
6	08.10.2025 से 13.10.2025 तक	5	3	6	5	2	2	23
7	29.10.2025 से 03.11.2025 तक	5	3	6	5	2	2	23
8	05.11.2025 से 10.11.2025 तक	5	3	6	5	2	2	23
9	24.12.2025 से 29.12.2025 तक	5	3	6	5	2	2	23
10	14.01.2026 से 19.01.2026 तक	5	3	6	5	2	2	23
कुल योग :–		50	30	65	55	20	20	240

शर्तें :–

1. मुख्यमंत्री पशुधन विकास योजना से लाभान्वित/चयनित लाभुकों को प्राथमिकता के आधार पर प्रशिक्षण दिया जायेगा।
2. आवेदक संबंधित जिले के स्थायी निवासी एवं साक्षर पशुपालक हों जिनकी न्यूनतम उम्र 18 वर्ष एवं अधिकतम उम्र 55 वर्ष हो।
3. दुधारू मवेशी पालन करते हैं या करने के इच्छुक हैं एवं पूर्व के विगत तीन वर्षों में संबंधित प्रशिक्षण प्राप्त नहीं किये हो।
4. झारखण्ड मिल्क फेडरेशन के कार्य क्षेत्र/सरकार के द्वारा विशिष्ट योजनाओं के लिए चयनित ग्राम के पशुपालकों को प्राथमिकता के आधार पर प्रशिक्षण भेजा जाएगा।
5. प्रशिक्षणार्थियों को प्रशिक्षण एवं प्रसार संस्थान, धुर्वा, राँची तक आने–जाने का मार्ग व्यय स्वयं वहन करना होगा, जिसकी प्रतिपूर्ति प्रशिक्षण एवं प्रसार संस्थान, धुर्वा, राँची के द्वारा प्रशिक्षण उपरांत एवं दैनिक भत्ता 100 (एक सौ) रू0 प्रतिदिन के दर से उनके बैंक खाता में DBT के माध्यम से हस्तांतरित किया जाएगा।
6. प्रशिक्षणार्थियों को अपने साथ आधार कार्ड एवं बैंक खाता पासबुक की मूलप्रति प्रशिक्षण में अपने साथ लेकर जाना अनिवार्य होगा।

जिला गव्य विकास पदाधिकारी,
राँची

PR 356406 Animal Husbandry (25-26)_D

PUBLIC NOTICE

DEED OF REVOCATION OF POWER OF ATTORNEY

As per Public Notice **GRN No. 2503111423 Date 01.07.2025**. Know All Men By These Presents That I **Samarendra Kumar**, UID No. 7981-3582-6340, R/o D- 16, Harmu Housing Colony Ranchi, Jharkhand, Hereby **Revokes** All My Previously Tendered Power Upon **Mr. Rajesh Kumar**, UID No. 4635-6810-1156, 5/0 Jawaharlal Gupta Rio 24. Kurmih, Bajrangi Nagar, Naer Mahatma Gandhi School, Railway Colony, Radha Nagar, Bokaro, Ranchi, Jharkhand, As My Appointed Attorney Vide The Previously Executed Power Of Attorney(s) Bearing **Government Reference Number (GRN Numbers)- 2320144068 ,2320144120 And 2320143744,** all Dated 12.11.2023 Where by I Had Appointed And Authorised Him To Act As My Agent And Attorney For The Purpose Of Conducting And Handling The Cases Which Are Pending Or Are Likely To Arise In The Court Of Ranchi, Jharkhand, Including Jharkhand High Court, Civil Courts & Khunti District Court And In Connection With The Same To Perform All Or Any Of The Following Acts, Deed And Things .i.e To Say:-

1. To Carry On Correspondence With All Concerned Authorities In Connection Any Cases / Application / Petitions.
2. To Appear For Me And On My Behalf In Matters Pending Before High Court Of Jharkhand Or Before Any Statutory Body Or Authority In Connection With Any Matter Pertaining To Me.
3. To Make, Sign, Verify, Present And File All Applications, Plaints, Petitions, Written Statement, Warrant Of Attorney, Notice/s, Vakalatnama Or Any Other Documents Including Counter-affidavits, Supplementary Affidavits, Rejoinders Etc. Expedient Or Necessary In The Opinion Of My Said Attorney Or Be Made, Signed, Executed, Verified, Presented Or To File Any Such Documents And Again To Receive Back The Same Related To Me.
4. Generally To Do And Perform All The Acts, Deeds, Matters And Things Necessary And Convenient For All Or Any Of The Purposes Aforesaid And For Giving Full Effect To The Authorities Hereinbefore Contained As Fully And Effectually As I Could In Person Do Except To Enter Into Any Compromise Or Settlement With Respect To Any Case Without Getting My Consent In Writing.

Now Whereas, In The Executed Power Of Attorneys I Had Reserved My Right To Revoke The Power Of Attorney Ay Any Time.

Now Know Ye All That By This Deed, For Personal Reason And Convenience I Cancel The Above Mentioned Power Of Attorney, Absolutely And Completely And Revoke All Power Or Authority Including But Not Limited To The Above Mentioned Powers Thereby And Thereunder Given To Him Before Revocation Either Expressly Or Impliedly To Do All Acts, Deeds, Intents And Purposes In Connection With Casses Pending Before Any Court In Jharkhand.

In Witness Whereof, I Put My Signatures On This Revocation Of General Power Of Attorney At Ranchi on this 01.07.2025.

Witnesses :
1. Anil
2. Ram Das

Samarendra Kumar
EXECUTANT

बिरसा कॉलेज परिवार ने दी सेवानिवृत्त प्राचार्या को विदाई

खूंटी (आजाद सिपाही)। बिरसा कॉलेज खूंटी की प्रभारी प्राचार्या प्रो जी किड़ो को उनकी सेवानिवृत्ति पर गुरुवार को कॉलेज के बहुउद्देशीय भवन में सामरोह आयोजित कर उन्हें भावभीनी विदाई दी गयी। शिक्षकों ने कहा कि प्रभारी प्राचार्या ने आपने चार साल दो महीने के कार्यकाल के दौरान बिरसा कॉलेज को नयी बुलंदियों तक में पहुंचाया। इनके कार्यकाल के दौरान कॉलेज ने पहली बार अपना एनएएसी ग्रेड प्राप्त किया। कॉलेज की ओर से मानपत्र और मोमेंटो सम्मान स्वरूप प्रदान किया गया। प्रभारी प्राचार्या ने अपना प्रभार राजनीति विज्ञान के विभागाध्यक्ष डॉ सीके भगत को सौंपा। मशहूर नागपुरी कलाकार यशोदा देवी, दीनबंधु ठाकुर, महावीर लोहरा और केशो देवी ने अपने गायन से सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया। समारोह में अलग-अलग विभागों ने भी अपने उपहार प्रो किड़ों को भेंट किये। मौके पर डॉ पुष्पा सुरीन, जया भारती कुजूर, पूनम टीयू अनंत राम, तारीफ लुगुन, किरण रुबी, शिल्पी कंडुलना, सुशीला कुजूर, डॉ कॉर्नेलियुस मिंज, सावित्री कुमारी, इंदिरा कोनगाड़ी, वासुदेव हसा, काली मुंडू, सहित काफी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित थे।

बनई नदी पर डायवर्सन और जुरदाग रोड का चौड़ीकरण कराये सरकार: काशीनाथ

खूंटी (आजाद सिपाही)। भाजपा के पूर्व जिलाध्यक्ष और पूर्व विधायक प्रतिनिधि काशीनाथ महतो ने खूंटी से सिमडेगा जाने वाले मुख्य पथ में पेलौल के पास स्थित पुल के धंस जाने से आवागमन ठप होने और इससे लोगों को हो रही परेशानियों पर गहरी चिंता व्यक्त करते हुए क्षतिग्रस्त पुल के पास अविलंब डायवर्सन बनाने की मांग की है। एक बयान में काशीनाथ हतो ने कहा कि पुल कें टूट जाने के कारण फिलहाल सभी वाहन कुंजला मोड़ होते हुए जुरदाग के रास्ते से निकल रहे हैं, लेकिन यह वैकल्पिक मार्ग बेहद संकीर्ण और जर्जर है। भाजपा के पूर्व जिला अध्यक्ष ने सरकार से मांग की है कि इस संकीर्ण मार्ग का अविलंब चौड़ीकरण कराया जाये, ताकि वाहनों का सुरक्षित और सुचारु आवागमन सुनिश्चित किया जा सके।

तपकारा में पांच जुलाई को विजय संकल्प दिवस मनायेगा कोइलकारो जनसंगठन

खूंटी (आजाद सिपाही)। कोईल कारो जनसंगठन के तत्वावधान में विस्थापन के खिलाफ संघर्ष की 30ीं वर्षगांठ शनिवार को तपकरा शहीद स्मारक स्थल के समीप विजय संकल्प दिवस के रूप मे मनायी जायेगी। यह जानकारी जन संगठन के अध्यक्ष सोमा मुंडा, महासचिव सहदेव बड़ाईक और कोषाध्यक्ष मसीहदास गुड़िया ने संयुक्त बयान जारी कर दी। बताया गया कि पांच जुलाई 1995 को भारत के तत्कालीन प्रधानमंत्री पीवी नरसिम्हा राव तथा संयुक्त बिहार के तत्कालीन मुख्यमंत्री लालू प्रसाद यादव द्वारा कोईल कारो पनबिजली परियोजना का शिलान्यास किया जाना था। इस विनाशकारी परियोजना से 255 गांव विस्थापित होने वाले थे। 70 के दशक में भारत सरकार द्वारा इस परियोजना के निर्माण पर नीतिगत निर्णय लिया गया था। इस आयोजन में सर्वप्रथम तपकरा गोलीकांड के शहीदों को पारंपरिक तरीके से श्रद्धांजलि अर्पित की जाएगी और बाद में जनसभा होगी, जिसमें डूब क्षेत्र के सभी पारंपरिक ग्राम सभा के अगुवा सहित हजारों ग्रामीण उपस्थित रहेंगे।

शिक्षकों ने शिक्षा पदाधिकारी पर लगाया वेतन रोकने का आरोप

खूंटी (आजाद सिपाही)। कर्रा प्रखंड के सरकारी शिक्षकों ने प्रखंड शिक्षा प्रसार पदाधिकारी विजया लक्ष्मी पर बिना स्पष्टीकरण दिये प्रत्येक माह वेतन रोकने, शिक्षकों कार्य में बीईइओ के पति का हस्तक्षेप, बिना पैसा लिए काम नहीं करने सहित कई गंभीर आरोप लगाये है। इसको लेकर शिक्षकों के एक प्रतिनिधिमंडल ने गुरुवार को प्रखंड विकास पदाधिकारी सिमता नागेशिया से मुलाकात की। हालांकि की विजया लख्मी ने अपने ऊपर लगे सभी आरोपों को सिरे से खारिज कर दिया। शिक्षकों कि समस्या सुनने के बाद बीडीओ ने शिक्षा पदाध्किारी से कहा कि आप आप समय पर शिक्षकों के वेतन पंजी को आगे भेजे। शिक्षकों के वेतन पर पूरा परिवार आश्रित है। इसलिए वेतन भुगतान में देर न हो। बीडीओ ने माध्याह्न भोजन में 75 प्रतिशत के कम अच्छादित विद्यालयों के शिक्षक से स्पष्टीकरण पूछने को कहा। रूिख्कों ने कहा कि शिक्षक किसी पर बिना कारण ओरोप नहीं लगाते। सेवानिवृत्त शिक्षक त्रिलोकीनाथ शर्मा ने बीइइओ पर अप्रैल माह से यात्रा भत्ता को रोके रखने और बिल पास कराने के लिए अवैध राशि मांगने का अरोप लगाया। इधर, बीइइओ ने शिक्षक पर गलत बिल देने के कारण गतान नहीं होने की बात कही।

रांची से छात्र-छात्राओं का दल शैक्षणिक भ्रमण के लिए पहुंचा पिपरवार, सोलर प्लांट का किया भ्रमण

पिपरवार (आजाद सिपाही)। आरटीसी स्कूल ओरमांझी और शिवाजी प्रतिभा विकाश विद्यालय ओरमांझी के छात्र-छात्राओं का एक दल गुरुवार को शैक्षणिक भ्रमण के लिए सीसीएल पिपरवार एरिया पहुंचा। शैक्षणिक भ्रमण के इस दल में दोनों स्कूलों के कुल 120 बच्चे सहित शिक्षक व शिक्षिका भी शामिल थे। जानकारी के अनुसार बस पर सवार होकर आये छात्र छात्राओ का दल सबसे पहले पिपरवार महाप्रबंधक कार्यालय पहुंचा, जहां से स्थानीय अधिकारियों से बात कर सीसीएल पिपरवार एरिया प्रबंधन के द्वारा संचालित कारो सोलर प्लांट का भ्रमण किया। इस मौके पर प्रोफेसर गफ्फार अंसारी, शिक्षक पीपी मिश्रा, रीता मुक्ता, वचनदेव कुमार, आशा देवी, नरोतम कुमार, स्दम प्रिया सहित कई शिक्षक और शिक्षिका और छात्र-छात्रायें मौजूद थी।

भोगनाडीह उपद्रव के खिलाफ झामुमो ने फूंका भाजपा का पुतला

भाजपा की हर साजिश को नाकाम करेंगे झारखंड के लोग : जुबैर अहमद

आजाद सिपाही संवाददाता

खूंटी। विगत 30 जून को हूल दिवस के मौके पर गोड्डा जिले के भोगनाडीह में सरकारी कार्यक्रम में सुनियोजित तरीके से उपद्रव करने और माहौल को खराब करने के विरोध में झामुमो कार्यकर्ताओं ने जिलाध्यक्ष जुबैर अहमद, तोरपा विधायक सुदीप गुड़िया और खूंटी विधाायक रामसूर्या मुंडा के नेतृत्व में गुरुवार को भाजपा का पुतला फूंका।

मौके पर जिलाध्यक्ष ने कहा कि भाजपा की सभी साजिशों को हम झारखंडवासी नाकाम करेंगे। भाजपा सुनियोजित तरीके से जो भी योजना बनाकर कार्य करेगा, उसका हम कड़ा जवाब देंगे। उन्होंने कहा कि भाजपा संथाल परगना में षड्यंत्र करना बंद करे। जिलाध्यक्ष ने कहा कि उपद्रियों को गोड्डा पुलिस ने गिरफ्तार किया है। दोनों आरोपी सुधीर कुमार और गणेश मंडल इस उपद्रव के मास्टरमाइंड हैं। ये दोनों आरोपी सीधे तौर पर भाजपा से संबंध रखते हैं और भाजपा नेता चंपई सोरेन के काफी करीबी है। एक आरोपी सुधीर कुमार भाजपा नेता चंपई सोरेन का सोशल मीडिया संभालता है। कार्यक्रम में जिला सचिव सुशील पहान, उपाध्यक्ष गुलशन सिंह मुंडा, सनिका बोदरा, भोलानाथ लाल, केंद्रीय सदस्य मकसूद अंसारी, अमरनाथ मुंडा, वीरेन कंडुलना, सुशांति कोनगाड़ी, मनोज मंडल, डिक्सन पूर्ति, कमलेश महतो, राहुल केशरी, शंकर सिंह मुंडा सहित कई कार्यकर्ता मौजूछ थे।

मणिपुर जैसा झारखंड को जलाना चाहती है भाजपा: सुदीप

विधायक सुदीप गुड़िया ने कहा कि भोगनाडीह में हूल दिवस के मौके पर जो उपद्रव हुआ है, जो भाजपा की सोची समझी साजिश के तहत झारखंड को अशांत करने का प्रयास किया गया है और झारखंड को मणिपुर के जैसे जलाने का प्रयास भाजपा के द्वारा किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि झारखंड की जनप्रिय हेमंत सरकार को साजिश करके हटाने का भाजपा हमेशा असफल प्रयास करती रही है। खूंटी के विधायक राम सूर्या मुंडा ने कहा कि भाजपा आदिवासियों को बरगलाना और तोड़ना बंद करे। भाजपा की साजिश को सभी झारखंडवासी जान चुके है। उनके लुभावनी बातों में कोई आनेवाला नहीं है।

झारखंड लोकतांत्रिक क्रांतिकारी मोर्चा का धरना चौथे दिन भी रहा जारी

प्रबंधन और कंपनी की उदासीनता से मजदूरों का बढ़ रहा है आक्रोश

आजाद सिपाही संवाददाता

पिपरवार। सीसीएल पिपरवार क्षेत्र के महाप्रबंधक कार्यालय के समीप झारखंड लोकतांत्रिक क्रांतिकारी मोर्चा पिपरवार और खलारी द्वारा जारी अनिश्चितकालीन धरना गुरूवार को लगातार चौथे दिन भी जारी रहा। पिपरवार क्षेत्र के बचरा रेलवे साइडिंग में कार्यरत असंगठित मजदूरों की विभिन्न समस्या एवं उन्हें हाई पावर कमेटी का लाभ देने की मांग को लेकर यह धरना दिया जा रहा है। इस संबंध मे झारखंड लोकतांत्रिक क्रांतिकारी मोर्चा के लोगों ने बताया कि सोमवार 30 जून से झारखंड लोकतांत्रिक क्रांतिकारी मोर्चा के द्वारा पिपरवार महाप्रबंधक कार्यालय के समीप अनिश्चितकालीन धरना शुरू किया गया है। चार दिन बीत जाने के बावजूद किसी भी प्रकार की पहल अभी तक नहीं किया गया है, जिससे कार्यकर्ताओं के अलावा मजदूरों में आक्रोश देखा जा रहा है। कंपनी और प्रबंधन के उदासीनता के कारण मजदूरों का आक्रोश लगातार बढ़ता जा रहा है। यही कारण है कि मजदूरों ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द कंपनी और प्रबंधन मांगों को पूरा नहीं करती है तो आने वाले दिनों में सीसीएल पिपरवार एरिया में कोयला खनन एवं ट्रांसपोर्टिंग सहित सभी तरह के कार्यों को बंद कराया जायेगा। बचरा साइडिंग में काम करने वाले असंगठित मजदूरों की प्रमुख मांगों में मुख्य रूप से हाई पावर कमेटी का लाभ देना है। इसके अलावे साइडिंग में काम करने वाले सभी मजदूरों को टोपी, आई कार्ड, सीएमपीएफ, एकाउंट नंबर, तिरपाल बांधने की व्यवस्था, रोड में पानी की व्यवस्था, साइडिंग मे लाइट की व्यवस्था, पीने के लिए शुद्ध पेयजल की व्यवस्था, पीभीटी मुंशी के बैठने की व्यवस्था, साइडिंग मे महिला सीआईएसएफ के लिए शौचालय की व्यवस्था, इंटरनेट समस्या उत्पन्न होने पर अधिक समय तक गाड़ी खड़ी नहीं हो, इसकी व्यवस्था करने सहित अन्य मांगे शामिल है। वक्ताओं ने कहा कि मजदूर और पार्टी के कार्यकर्ता अपने-अपने परिजनों के साथ कड़ी चुनौतियों का सामना कर धरना पर बैठे हैं लेकिन प्रबंधन और कंपनी का इस और कोई ध्यान नहीं है। यदि जल्द प्रबंधन वार्ता कर मांगों को पूरा नहीं करती है, तो उग्र आंदोलन किया जायेगा। इस मौके पर झारखंड लोकतांत्रिक क्रांतिकारी मोर्चा के रांची जिला संगठन मंत्री रतिया गंझू, रांची जिला उपाध्यक्ष दीपक महतो,चतरा जिला उपाध्यक्ष बिजय महतो, चतरा जिला प्रवक्ता अमर महतो, सरवन महतो, खलारी प्रखंड अध्यक्ष तोहिद अंसारी, बचरा दक्षिणी पंचायत अध्यक्ष कृष्णा यादव, रविंद्र, बालेश्वर महतो, महेंद्र, प्रदीप आदि मौजूद थे।

विद्यार्थी परिषद का प्रतिभा सम्मान समारोह नौ को

खूंटी (आजाद सिपाही)। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद, खूंटी नौ जुलाई को विद्यार्थी दिवस मनायेगी। मौके पर प्रतिभा सम्मान समारोह का भी आयोजन किया जायेगा, जिसमें मैट्रिक और इंटरमीडिएट की परीक्षाओं में 80 प्रतिशत अधिक अंक लाने वाले लगभग 1000 मेधावी विद्यार्थियों को सम्मानित किया जायेगा। सम्मान समारोह बिरसा कॉलेज खूंटी के बहुउद्देशीय भवन में सुबह 11 बजे से शुरू होगा। प्रकाश टूटी ने बताया कि एबीवीपी, खूंटी उन सभी प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को सम्मानित करने के लिए उत्साहित है, जिन्होंने अपनी कड़ी मेहनत और लगन से शानदार प्रदर्शन किया है। सम्मान समारोह में शामिल होने के इच्छुक विद्यार्थी सात जुलाई तक अपना रजिस्ट्रेशन करा सकते हैं। रजिस्ट्रेशन के लिए मोबाइल नंबर 9110176091 और 6202241978 पर संपर्क किया जा सकता है।

वर्तमान परिस्थिति में अध्यात्म से ही मानव जीवन में सच्चा आनंद मिलता है : प्रीति

आजाद सिपाही संवाददाता

खलारी। सुभाषनगर प्रजापिता ब्रह्मा कुमारी ईश्वरीय गीता पाठशाला डकरा का 9वां स्थापना दिवस धूमधाम से मनाया गया। कार्यक्रम की शुरूआत दीप प्रज्वलन और केक काटने से हुई। बचरा डीएवी स्कूल के प्रिंसिपल डॉ रेशु चौधरी, गर्वनमेंट हाई स्कूल के प्रिंसिपल महेंद्र पासवान और बीके प्रीति बहन ने संयुक्त रूप से दीप जलाया।

वक्ताओं ने कहा कि आज के समय में आध्यात्मिक बल की कमी से लोगों की खुशियां कम हो रही हैं। पाठशाला की संचालिका बीके प्रीति बहन इस सेवा केंद्र के माध्यम से लोगों को आध्यात्मिक ज्ञान दे रही हैं। जीवन जीने की कला सिखायी जा रही है, यह कार्य सराहनीय है। वहीं पाठशाला संचालिका प्रीति बहन ने कहा वर्तमान परिस्थिति में आध्यात्म से ही मानव जीवन में सच्चा आनंद मिलता है। काम, क्रोध, लोभ, मोह, स्वार्थ और अज्ञानता को दूर कर आत्मा का परमात्मा से मिलन संभव है। कार्यक्रम में प्रेम भाई और कमल भाई ने भी अपने विचार रखे। संस्था से जुड़े लोगों के साथ-साथ कई प्रतिष्ठित लोगों को ईश्वरीय सौगात देकर सम्मानित किया गया। इसके बाद सेवा केंद्र के भाई-बहनों ने राजयोग किया। शिव बाबा का भोग प्रसाद के रूप में वितरित किया गया। इस अवसर पर संजय केशरी, अभिमन्यु केशरी, ओम प्रकाश केशरी, सत्यम केशरी मनीष केशरी, शिव कुमार पासवान मुरारी सिंह, राम अयोध्या प्रसाद, बिनोद, कृष्णा, गणेश, विजय सहित बेंती, बिलारी, डकरा, खलारी और बचरा से आये संस्था से जुड़े लोग भी मौजूद थे।

सड़क निर्माण को लेकर आजसू पार्टी ने उपायुक्त के नाम बीडीओ को सौंपा ज्ञापन

तमाड़ (आजाद सिपाही)। प्रखंड क्षेत्र के विभिन्न क्षेत्र के लाइफ लाइन माने जाने वाले प्रमुख सड़कों का निर्माण को लेकर आजसू पार्टी का एक प्रतिनिधि मंडल उपायुक्त रांची के नाम बीडीओ तमाड़ को एक ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में प्रमुख रूप से : एनएच 33 रायडीह मोड़ तमाड़ भाया लुंगटु पथ पर तमाड़ और रायडीह मोड़ के बीच तलाव पर टूटे जगह का निर्माण, सालगाडीह से उलीलोहर तक केनल पथ का निर्माण, सालगाडीह से बारिगाड़ा तक केनल पथ का निर्माण, तमाड़ बस स्टेण्ड से हॉस्पिटल (पी एस सी)तमाड़ तक पथ का निर्माण, प्रेम नगर से लोवाडीह तक पथ का निर्माण और भुंयाडीह से पानला तक पथ का निर्माण शामिल है। उपरोक्त सभी सड़कों की स्थिति काफी जर्जर है क्षेत्र के लोगों को आवागमन मे काफी दिक्कत हो रही है। प्रखंड विकास पदाधिकारी कुमारी सावित्री ने उपरोक्त सड़कों की स्थिति की विशेष जानकारी उपायुक्त महोदय को देने की बात कही। प्रतिनिधि मंडल मे मुख्य रूप से आजसू पार्टी के केंद्रीय सदस्य सह संयोजक प्रभारी तमाड़ के हीरालाल दास, जगदीश गुप्ता, अनिल कुमार महतो, धनेश्वर महतो, पंकज, गुलाम, जीवन महतो, शक्तिपद महतो और विश्वनाथ महतो शामिल थे।

समस्याओं को लेकर आजसू पार्टी ने सौंपा ज्ञापन

बुंडू (आजाद सिपाही)। गुरूवार को आजसू पार्टी के रांची जिला समिति के वरीय उपाध्यक्ष राजकिशोर कुशवाहा के नेतृत्व में आजसू पार्टी का एक प्रतिनिधि मंडल बुंडू नगर पंचायत क्षेत्र में नियमित कचरे उठाव एवं नियमित साफ-सफाई तथा नियमित जल की आपुर्ति नहीं होने के संबंध में बुंडू अनुमंडल पदाधिकारी एवं बुंडू नगर पंचायत के नगर प्रशासक को उक्त समस्याओं पर ध्यान आकर्षित कर अभिलंब समाधान की मांग करते हुए ज्ञापन सौपा गया। बुंडू नगर पंचायत क्षेत्र के धुर्वा मोड़ बुंडू ओवर ओवर ब्रिज के दोनों साइड बिचकाटोली, टांगरटोली, थाना टोली, अस्पताल टोली, नीलगिरी, फुलवार, बसेरा टोली आदि जगहों पर कचड़ा का उठाव सही से नहीं होने से पूरा कचरा का ढेर लग गया है, जिससे काफी दुर्गंध आ रही है और बरसात के समय मे बिमारी फैलने की काफी आशंका है। बुंडू नगरपंचायत एक लाख आबादी वाले शहरों में प्रथम स्थान का वार्ड भी प्राप्त किया है। बुंडू नगर प्रशासक के द्वारा आजसू प्रतिनिधि मंडल से कहा गया कि जल्द ही कचड़ा का उठाव हो जायेगा। आजसू पर्टी के प्रतिनिधि मंडल में बुंडू प्रखंड अध्यक्ष हरिहर महतो, बुंडू प्रखंड कार्यकारी अध्यक्ष योगेश्वर महतो, बुंडू आजसू नगर उपाध्यक्ष अभिषेक गोराई, सुखसारन महतो, श्याम भोक्ता, तपन कुमार आदि उपस्थित थे।

सड़क दुर्घटना में एक ग्रामीण की मौत

ईचागढ़ (आजाद सिपाही)। ईचागढ़ थाना क्षेत्र के मिलन चौक पिलीद स्थित सिन्धु नारायण पैट्रोल पंप के समीप एक अनियंत्रित वाहन के चपेट में आने से पिलीद गांव निवासी चंद्रमोहन महतो, उम्र- 56 वर्ष की मौत हो गयी। मिली जानकारी के अनुसार बुधवार की रात को चंद्रमोहन महतो गांव से पैदल पैट्रोल पंप आ रहा था, तभी सामने से एक वाहन का चपेट में आने से वह गंभीर रूप से घायल हो गया। परिजनों ने तत्काल उसे इलाज हेतु रांची ले गया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। गुरुवार को लाश का पोस्टमार्टम रिम्स रांची में किया गया। मृतक का पार्थिव शरीर गांव लाते ही पुरे गांव का माहौल गमगीन हो गया। परिजनों का रो रो कर बुरा हाल था। वहीं परिजनों ने वाहन पर कारवाई करने एवं सरकार से मुआवजा का मांग किया है। मृतक चंद्र मोहन महतो सिंधु नारायण पेट्रोल पंप के कर्मी थे।

ढुब बस्ती में चिकित्सा शिविर का आयोजन

मैकलुस्कीगंज (आजाद सिपाही)। सीसीएल सेंट्रल अस्पताल डकरा के द्वारा तुमांग ढुब बस्ती में निशुल्क चिकित्सा शिविर आयोजित किया गया। सीसीएल एनके एरिया सेंट्रल अस्पताल के द्वारा सीएसआर के तहत चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया था। जिसमें डॉ श्वेता सुमन के द्वारा ग्रामीणो की जांच की गयी और उनको दवा भी दिया है। साथ ही डॉक्टर ने बरसात में बीमारियों से बचाव के लिए आवश्यक सलाह दिया। डॉक्टर ने 53 ग्रामीणों की जांच की। शिविर में ज्यादातर मौसमी बीमारियों सर्दी, खांसी के मरीज आये थे। शिविर को सफल बनाने में फार्मासिस्ट हीरालाल मुर्मू, स्टाफ नर्स शांति कुल्लू, गोपीनाथ, टिकेश्वर, लक्ष्मी देवी सहित अन्य लोगों का सराहनीय योगदान रहा।

रोहिणी वर्कशॉप चौक कीचड़ में तब्दील, दुर्घटना की आशंका

मैकलुस्कीगंज (आजाद सिपाही)। रोहिणी वर्कशॉप चौक कीचड़ में तब्दील हो गया है। हालत यह है कि सड़क के दोनों तरफ काफी दूर तक कीचड़ फैल गया है। जिसके कारण लोगो का इस कीचड़ नुमा सड़कों पर चलना मुश्किल हो गया है। गुरुवार को एक पावरोटी बेचने वाला एक व्यक्ति अपनी साइकिल के साथ कीचड़ में गिर गया। संयोग था कि उस समय कोई भारी वाहन इस सड़क से नहीं गुजर अन्यथा कोई बड़ी दुर्घटना हो सकता था। धमधमिया सहित अन्य जगहों के सैकड़ों ग्रामीण और कामगार इसी कीचड़ नुमा सड़क को पारकर प्रतिदिन आवागमन करने को मजबूर हैं। रोहिणी परियोजना प्रबंधन के द्वारा हर वर्ष इस किस कीचड़ की सफाई करायी जाती है उंसके बावजूद आजतक सड़क की स्थिति जस की तस बनी हुई है। लोगों ने बताया कि प्रबंधन के द्वारा सड़क पर कीचड़ सफाई करने के नाम पर केवल खानापूर्ति किया जाता है। यही कारण है कि आजतक इस सड़क पर बरसात होते ही कीचड़ पसरा हुआ रहता है लेकिन प्रबंधन के द्वारा इसमामले पर कोई ठोस पहल नहीं किया गया है, जिससे ग्रामीणों और कामगारों में आक्रोश व्याप्त है।

श्रावणी मेले में श्रद्धालुओं की सुविधा और सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दें : आर रॉनिटा

खूंटी (आजाद सिपाही)। दक्षिणी छोटानागपुर के मिनी बाबाधाम के रूप में प्रसिद्ध बाबा आम्रेश्वर धाम में 11 जुलाई से नौ अगस्त तक लगने वाले श्रावणी मेला की तैयारियों को लेकर उपायुक्त आर रॉनिटा की अध्यक्षता में गुरुवार को समाहरणालय स्थित सभागार में समीक्षा बैठक आयोजित की गयी। बैठक में आम्रेश्वर धाम मंदिर प्रबंधन समिति के सदस्यों सहित सभी संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित थे। उपायुक्त ने श्रावणी मेला के दौरान संभावित भीड़, श्रद्धालुओं की सुविधा और सुरक्षा व्यवस्था को सर्वोच्च प्राथमिकता देने की बात कही। संबंधित अधिकारियों को संयुक्त रूप से अमरेश्वर धाम का भौतिक निरीक्षण कर सभी व्यवस्था सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया।

रनिया में बजरंगबली की प्रतिमा क्षतिग्रस्त, विरोध में बाजार बंद

आजाद सिपाही संवाददाता

खूंटी। रनिया थाना क्षेत्र के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के पास स्थापित बजरंग बली की प्रतिमा को किसी ने बुधवार की रात को क्षतिग्रस्त कर दिया। लोगों को जब मामले की जानकारी मिली तो हिन्दू समुदाय के लोग आक्रोशित हो गये और उन्होंने रनिया की दुकानों को बंद करा दिया। इसको लेकर गुरुवार को स्थानीय लोगों की बैठक मंदिर परिसर में आयोजित की गयी, जिसमें निर्णय लिया गया कि शुक्रवार को सुबह मंदिर में विशेष पूजा का आयोजन किया जायेगा बैठक में सभी लोगों ने एक स्वर में इस कृत्य की कड़ी निंदा करते हुए दोषियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की मांग की। इसके उपरांत, 79 लोगों के हस्ताक्षरयुक्त एक आवेदन रनिया थाना प्रभारी विकास कुमार जायसवाल को सौंपा गया, जिसमें अपराधियों की शीघ्र पहचान कर कानूनी कार्रवाई करने की मांग की गयी है। सनातन समाज के नेताओं ने स्पष्ट कहा है कि धार्मिक भावनाओं से खिलवाड़ कतई बर्दाश्त नहीं किया जायेगा। इधर प्रशासन का कहना है कि किसी विक्षिप्त व्यक्ति की यह करतूत है। सनातन समाज और दुर्गा पूजा समिति ने लोगों से विशेष पूजा अनुष्ठान में क्षेत्र के शामिल होने की अपील की है। पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए जांच शुरू कर दी है और दोषियों की पहचान के लिए आसपास के इलाकों में पूछताछ की जा रही है।

राष्ट्रीय हिदू फ्रंट ने की निंदा : राष्ट्रीय हिदू फ्रंट के जिलाध्यख अनूप साहू ने रनिया दुर्गा मंदिर परिसर में स्थित हनुमान जी की मूर्ति को तोड़े जाने की कड़ी निंदा करते हुए कहा कि यह करतूत कुछ असामाजिक तत्वों की है। उन्होंने मांग की कि प्रशासन दोषियों को जल्द से जल्द चिह्नित कर कड़ी कार्रवाई करे। अनूप साहू ने कहा कि कुछ असामाजिक तत्वों द्वारा समय-समय पर जिले को अशांत करने का षडयंत्र किया जाता है, ताकि, हिंदू धार्मिक आस्था का हनन हो। उन्होंने कहा कि कर्रा प्रखंड के चांपी ग्राम स्थित शिवलिंग को भी कुछ दिन पहले क्षतिग्रस्त किया गया था और प्रत्येक वर्ष सावन माह में भी श्रद्धालुओं को परेशानियों का सामना करना पड़ता है।

बजरंगबली की मूर्ति तोड़नेवालों के खिलाफ कार्रवाई करे प्रशासन: विहिप

खूंटी (आजाद सिपाही)। रनिया में अज्ञात अपराधियों द्वारा बजरंगबली की प्रतिमा को क्षतिग्रस्त किये जाने के मामले को लेकर विश्व हिंदू परिषद और बजरंग दल के कार्यकर्ताओं ने गुरुवार को रनिया का दौरा किया और घटना की जानकारी ली। विहिप के जिलाध्यक्ष विनोद जायसवाल और भाजपा नेता प्रियांक भगत के नेतृत्व में लोगों ने रनिया के थाना प्रभारी विकास कुमार जायसवाल से मुलाकात कर दोषियों की पहचान कर उन्हें कड़ी से कड़ी सजा देने की मांग की। विहिप नेताओं ने कहा कि हर बार हिंदुओं के ही पूजा स्थल को निशाना बनाया जाता है और हमारी धार्मिक भावनाओं को आघात पहुंचाया जाता है। थाना प्रभारी ने आश्वस्त किया कि दोषियों के खिलाफ जलद और कड़ी कार्रवाइ की जायेगी।

ग्रामप्रधान बलराम मुंडा के हत्यारों को फांसी और स्वजनों को सुरक्षा दे सरकार: आरती कुजूर

खूंटी (आजाद सिपाही)। जिले के मारंगहादा थानांतर्गत काड़ेतुबिद गांव के ग्राम प्रधान सह भाजपा नेता बलराम मुंडा की पिछले दिनों हुई निर्मम हत्या मामले को लेकर गुरुवार को ट्राइब फर्स्ट अभियान झारखंड की टीम खूंटी पहुंची और काड़ेतुबिद गांव में दिवंगत बलराम मुंडा के स्वजनों से मुलाकात कर घटना की जानकारी ली। स्वजनों ने बताया कि ग्राम प्रधान बलराम मुंडा का कभी कोई आपराधिक चरित्र नहीं था। इस मामले में गिरफ्तार अपराधियों द्वारा ग्राम प्रधान बलराम मुंडा पर अफीम रखने की बात कही गयी है, जो सरासर गलत है और ग्राम प्रधान को बदनाम करने की साजिश है। ट्राइब फर्स्ट अभियान की टीम स्वजनों से मुलाकात करने के बाद मारंगहादा थाना जाकर केस के अद्यतन स्थिति की जानकारी ली। ट्राइब फर्स्ट अभियान की टीम में प्रदेश संयोजक आरती कुजूर, रितेश उरांव, बिरसा पाहन, खूंटी की पूर्व प्रमुख रुक्मिला सारु, बुधराम बेदिया,रवि कुमार, लक्ष्मी बाखला, नागेश्वर बेदिया, मुन्ना टोप्पो आदि शामिल थे।

आजाद सिपाही
रांची, शुक्रवार, 04 जुलाई, 2025
www.azadsipahi.in
09

बिरसा जैविक उद्यान में अब नहीं सुनाई देगा शेर शशांक की दहाड़

आजाद सिपाही संवाददाता

ओरमांझी। बिरसा जैविक उद्यान चकला में अब शेर शशांक का दहाड़ पर्यटकों को सुनने को नहीं मिलेगा। बतातें चलें कि अभी कुछ दिन पहले ही एशियाई शेरों का एक जोड़ा नंदन कानन वन से लाया गया है। चंद दिनो पहले शेरों की जोड़ी आने से उद्यान परिवार संग पर्यटकों की खुशी देखते ही बन रही थी। सब कुछ ठीक ठाक चल रहा था। अचानक शेर शशांक की मौत की खबर ने सभी को हैरत में डाल दिया है। वहीं, जैविक उद्यान प्रशासन के रख रखाव पर सवालिया निशान भी खड़े होने लगे हैं। शेर की मौत के बारे में पूछे जाने पर जैविक उद्यान चिकित्सक डॉ ओम प्रकाश साहू ने बताया कि शेर शशांक कुछ दिनों से बीमार चल रहा था। उसका इलाज डॉ ओम प्रकाश साहू के अलावा पशु चिकित्सा महाविद्यालय के विशेषज्ञ चिकित्सक डॉ अभिषेक द्वारा किए जाने के बावजूद उसे बचाया नहीं जा सका। डॉक्टरों ने मौत का कारण पेट में कैंसर के लक्षण होना बताया है, जो अंत्य परीक्षण में पता चला है। डॉ ओम प्रकाश साहू ने बताया कि शेरों की औसत आयु 15-16 वर्ष होती है। हाइब्रिड शेरों में रोग प्रतिरोधक क्षमता कम होने के कारण मृत्यु दर अधिक होती है। शशांक की उम्र भी 15 साल हो गयी थी। चिकित्सकों के दल सहित उद्यान कर्मियों की उपस्थिति में जैविक उद्यान परिसर में बने शव दाह गृह में शशांक नामक शेर का दाह संस्कार कर दिया गया।

सड़क दुर्घटना में युवक की मौत

हादसे में दो अन्य युवक भी घायल, एक की हालत गंभीर

आजाद सिपाही संवाददाता

घायलों का अस्पताल में चल रहा इलाज।

पिस्कानगड़ी। नगडी थाना अंतर्गत दलादिली ओपी क्षेत्र के दलादली कंचन पेट्रोल पंप के समीप सड़क दुर्घटना में एक युवक की मौत हो गयी। उसकी पहचान दानिश अंसारी (20) के रूप में हुई है। वह रातू थाना क्षेत्र के काठी टाड़ का रहने वाला था। इसी हादसे में दो अन्य युवक भी घायल हुए हैं। उनके नाम नदीम अंसारी और असलम अंसारी है।

जानकारी के मुताबिक दानिश अंसारी अपने दो अन्य दोस्तों नदीम एवं असलम के साथ एक ही बाइक पर सवार होकर गुरुवार को काठी टाड़ से रिंग रोड होते हुए नगड़ी की ओर जा रहा था। इसी बीच पेट्रोल लेने के लिए कंचन पेट्रोल पंप के पास रूका। वहां से पेट्रोल भरवाने के बाद वह दोस्तों के साथ बाइक पर सवार होकर जैसे ही रिंग रोड के डिवाइडर पार कर रहे थे, तभी रातू की ओर से तेज गति से आ रही अज्ञात वाहन ने तीनों को अपनी चपेट में ले लिया। इस हादसे में दानिश अंसारी की मौके पर ही मौत हो गई। इसकी सूचना मिलते ही दलादली टीओपी प्रभारी विकास कुमार दलबल के साथ मौके पर पहुंच गये। स्थानीय लोगों की मदद से तुरंत घायलों को इलाज के लिए पहले स्थानीय रिंची अस्पताल पहुंचाया जहां चिकित्सकों ने दानिश को मृत घोषित कर दिया। वहीं, एक अन्य युवक की गंभीर हालत देख उसे रिम्स अस्पताल रेफर कर दिया। जबकि दूसरे को सामान्य रूप से चोट लगने के कारण प्राथमिक उपचार के बाद उसे अस्पताल से छुट्टी दे दी। उधर, पुलिस ने मृतक दानिश अंसारी के शव का पंचनामा कर पोस्टमार्टम के लिए रिम्स अस्पताल भेज दिया। वहीं, खबर लिखे जाने तक परिजनों ने किसी भी तरह का लिखित आवेदन थाने में नहीं दिया है।

राजन साहू बने टेलीफोन सलाहकार समिति के सदस्य

नामकुम (आजाद सिपाही)। टाटीसिलवे बाजार के समीप रहने वाले राजेंद्र प्रसाद उर्फ राजन साहू को राज्यसभा सांसद डॉ प्रदीप वर्मा के अनुमोदन पर दूरसंचार विभाग (पीएचबी) की डायरेक्टर उर्वशी सांगवान ने रांची टेलीफोन सलाहकार समिति के मेंबर (सदस्य) के रुप में नियुक्त किया है। इनका कार्यकाल आगामी 13 जुलाई 2026 तक रहेगा। इनकी नियुक्ति पर संगठन महामंत्री कर्मवीर सिंह, राज्यसभा सांसद प्रदीप वर्मा एवं आदित्य साहू, जिलाध्यक्ष विनय महतो धीरज, पूर्व जिलाध्यक्ष जैलेंद्र कुमार, जिलाध्यक्ष सुरेंद्र महतो, पूर्व विधायक आरके पाहन, प्रदेश उपाध्यक्ष आरती कुजूर, प्रीतम साहू, टाटीसिलवे पूर्व मंडल अध्यक्ष गाजू महतो, पूर्व महामंत्री सरयुग प्रसाद, मंडल अध्यक्ष राजेंद्र महतो, महामंत्री अमित कुमार मिश्रा, सिलवे मुखिया नूतन पाहन, भाजयुमो रांची जिला ग्रामीण सत्यजीत सिंह, गिरधर मिश्रा, टाटीसिलवे व्यापार संघ, श्री दूर्गा पूजा समिति टाटीसिलवे और सामाजिक संस्थानों ने बधाई दी है।

फंदे से झूलता मिला डाकिया का शव

लापुंग (आजाद सिपाही)। प्रखंड के दानेकेरा रूगु टोली निवासी पेशे से डाकिया ने फंदा लगाकर आत्महत्या कर लिया। गुरुवार को उसका शव घर से करीब 100 मीटर की दूरी पर पुवाल के माचा पर फंदे में झूलता बरामद हुआ। मृतक की पहचान चंद्रमोहन मुंडा उर्फ चामु मुंडा (52) के रूप में हुई है। घटना बुधवार रात की बतायी जा रही है। गुरुवार की सुबह लोगों ने लापुंग पुलिस को इसकी सूचना दी। खबर बाते ही पुलिस मौके पर पहुंचकर शव को कब्जे में ले लिया। पता चला है कि मृतक बुधवार को भरनो डाकघर नहीं गया था। कई जगहों पर खोजबीन किया गया, लेकिन उसका कोई पता नहीं चला। वहीं, गुरुवार को शव फंदे से झूलता देखा गया। पुलिस ने शव का रिम्स अस्पताल में पोस्टमार्टम कराने के बाद परिजनों को सौंप दिया। जिसे बाद में दानेकेरा श्मशान घाट पर अंतिम संस्कार किया गया। थाना प्रभारी संतोष कुमार यादव ने बताया कि मामला आत्महत्या का है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद आगे की कार्रवाई शुरू की जाएगी। वहीं, पूर्व मंत्री बंधु तिर्की मृतक परिजनों से मिलकर ढांढस बंधाया एवं मृतक की आत्मा की शांति के लिए ईश्वर से प्रार्थना की। इस मौके वार विषयक प्रतिनिधि भी मौजूद थे। उधर, मृतक के परिजनों का आरोप है कि चामू की हत्या कर रस्सी के सहारे टांग कर आत्महत्या का रूप देने की कोशिश की जा रही है।

किसानों के बीच बांटे गये 500 फलदार पौधे

सिकिदीरी (आजाद सिपाही)। जनकल्याण समर्पण संस्थान ने ढ़ेलवाखुट्टा स्थित प्रधान कार्यालय में पौधा वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया। जिसकी अध्यक्षता संस्थान के अध्यक्ष सुजीत कुमार ने किया। इसमें मुख्य अतिथि के रूप में स्वर्ण रेखा जल विद्युत परियोजना सिकिदिरी के कार्यपालक अभियंता सुरेश प्रसाद शामिल हुए। सबसे पहले मुख्य अतिथि द्वारा पौधारोपण किया गया। इसके बाद पौधा वितरण किया गया। जिसमें हरातू, हेसातू, जलेमा, दुबलाबेड़ा, सारुबेडा, मिचाटोली आदि गांवों के चार दर्जन किसानों के बीच आम, लीची के 500 फलदार पौधे का वितरण किया गया। अव अवसर पर सुरेश प्रसाद ने अपने संबोधन में कहा कि पर्यावरण संरक्षण के लिए संस्थान की ओर से बहुत ही सराहनीय कार्य किया जा रहा है। इस पुनीत कार्य से अन्नदाता किसान भी लाभान्वित हो रहे हैं। वहीं, संस्थान के अध्यक्ष सुजीत कुमार ने बताया कि हमारे संस्थान की ओर से प्रति वर्ष पौधारोपण एवं वितरण का लक्ष्य निर्धारित किया जाता है। संस्थान पिछले एक दशक से अपने लक्ष्य को प्राप्त करती रही है। इस वर्ष भी संस्थान अपने लक्ष्य को पूरा करेगी। मौके पर संस्थान की कार्यकारी अध्यक्ष कुन्ती देवी, कोषाध्यक्ष रमण कुमार, मीडिया प्रभारी ब्रज किशोर प्रसाद, सोशल मीडिया आईटी प्रभारी संदीप कुमार वर्मा, राजू पाहन, सक्रिय सदस्य अजीत कुमार, विजय सिंह, प्रदीप कुमार, दीपक राम, सुरेंद्र करमाली, काजो देवी, झिलको देवी, नागेश्वर गंझू, तिवारी बेदिया, चुड्डवा बेदिया, जलेश्वर बेदिया आदि मौजूद रहे।

अनगड़ा की बालिका टीम बनी सुब्रतो कप फुटबॉल प्रतियोगिता की जिला चैंपियन

अनगड़ा (आजाद सिपाही)। जिला प्रशासन एवं शिक्षा विभाग के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित जिला स्तरीय सुब्रतो कप फुटबॉल प्रतियोगिता में अनगड़ा प्रखंड की बालिका (17आयु वर्ग) टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए रांची जिला चैंपियन बनने का गौरव प्राप्त किया। गुरुवार को खेले गए फाइनल मुकाबले में अनगड़ा की टीम ने बुंडू की टीम को 2-0 से पराजित किया। इस अवसर पर गुरुवार को सीएम एक्सीलेंस स्कूल बरियातू मैदान में भव्य समापन समारोह का आयोजन हुआ। समापन समारोह के मुख्य अतिथि के रूप में जिला शिक्षा पदाधिकारी विनय कुमार एवं विशिष्ट अतिथि जिला शिक्षा अधीक्षक बादल राज थे। इस अवसर पर डीएससी ने कहा कि सुब्रतो कप जैसी प्रतियोगिताएं ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों की प्रतिभाओं को समान मंच प्रदान करती हैं। इनसे खिलाड़ियों में प्रतिस्पर्धात्मक भावना के साथ-साथ नेतृत्व कौशल का भी विकास होता है। वहीं, डीईओ ने कहा कि खेल हमें अनुशासन, परिश्रम और सहयोग की भावना सिखाते हैं। बाद में आयोजित पुरस्कार वितरण समारोह में विजेता एवं उपविजेता टीमों को ट्रॉफी, प्रमाण-पत्र, मेडल और खेल किट देकर सम्मानित किया गया। प्रतियोगिता में चयनित टीमें अब राज्य स्तरीय सुब्रतो कप फुटबॉल प्रतियोगिता में रांची जिले का प्रतिनिधित्व करेंगी। आयोजन सचिव ने सभी प्रतिभागी टीमों, विद्यालय प्रतिनिधियों, कोच, रेफरियों और आयोजन समिति के सदस्यों को सफल आयोजन के लिए धन्यवाद दिया। मौके पर समीर कुमार, पंकज कुमार, सतीश कुमार मिश्रा, अखिलेश कुमार, जयंत कुमार, आनंद कुमार, श्रीमती प्रभा सहाय आदि मौजूद थे।

मक्का बिज का वितरण

पिस्कानगड़ी (आजाद सिपाही)। नगड़ी प्रखंड परिसर में कृषि पशुपालन एवं सहकारिता (कृषि प्रभाग) विभाग की ओर से संचालित बिरसा फसल विस्तार योजना के अंतर्गत साहेर एवं चिपरा पंचायत के विभिन्न गावों के 65 किसानों के बीच कुल 528 किलो मक्का का बीज पृत्यक्षण का वितरण किया गया। इस मौके पर उपस्थित नगडी जिप सदस्य पूनम देवी, प्रखण्ड विकास पदाधिकारी दीपाली भगत, पंचायत समिति सदस्य गुलरेज अंसारी, प्रखण्ड तकनीकी प्रबंधक वरदानी लकड़ा, प्रखण्ड सलाहकार समिति के अध्यक्ष बजरंग महतो मौजूद रहे। वक्ताओं ने कहा कि सरकार की ओर से प्रदत्त मक्का बीज अच्छा से खेतों में लगा कर अपनी आमदनी को बढ़ायें। इस बीच से कम मेहनत में ज्यादा मुनाफा मिलेगा। नगड़ी प्रखंड के मेहनत किसान जैविक खेती पर विशेष ध्यान दें।

ईंट-भट्ठा-वाहन मालिकों का बढ़ते हादसों को लेकर ओवरलोडिंग पर पाबंदी का निर्णय

आजाद सिपाही संवाददाता

रातू। वाहनों में ओवरलोडिंग के कारण बढ़ते सड़क दुर्घटनाओं एवं माईनिंग, आरटीओ और डीटीओ की ओर से लगातार वाहनों की धर पकड़ को ध्यान में रखते हुए गुरुवार को रातू में ईट भट्ठा संघ की बैठक हुई। जिसमें बुढ़मू, ठाकुरगांव एवं रातू के भट्ठा और वाहनों के मालिक शामिल हुए। संगठन के अध्यक्ष मोहन साहू के आवासीय परिसर में आयोजित बैठक में ओवर लोडिंग के कारण बढ़ते हादसे एवं प्रशासन की ओर से लगातार वाहनों की धरपकड़ को लेकर विचार विमर्श किया गया। इस दौरान उपस्थित लोगों ने सोमवार से सिर्फ 709 टर्बो ट्रक से ही ईट की ढुलाई करने का निर्णय लिया। इस दौरान वाहन में ओवर लोडिंग न करके सिर्फ दो हजार ईट की लोडिंग करने पर सहमति जताई गई। बैठक में मोहन साहू, प्रदीप कुमार प्रसाद, ईदु खान, जुल्फान खान, दिनेश यादव, दारा सिंह, पंचम सिंह, संजय साहू, मनीष कुमार, सिद्धनाथ महतो, जाहिर अंसारी, सोमेश्वर गोप, राजेन्द्र साहू, कारण सिंह, सुनील कुमार, विक्रांत सिंह, परिबा साहू, जनार्दन साहू, राजू पाठक, अनुराग सिंह आदि उपस्थित रहे।

मैट्रिक परीक्षा में बेहतर परिणाम लानेवाले विद्यार्थियों को किया गया सम्मानित

नामकुम (आजाद सिपाही)। जैक कार्यालय स्थित प्रोजेक्ट हाई स्कूल में गुरुवार को प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि के तौर पर प्रदेश शिक्षक संघ के महासचिव रविंद्र प्रसाद सिंह के अलावा विशिष्ट अतिथि सांसद प्रतिनिधि मनोज कुमार सिंह, कार्यकारी अध्यक्ष यशवंत विजय ठाकुर, बरगावां मुखिया अनीता तिर्की उपस्थित रहे। कार्यक्रम की शुरूआत अतिथियों द्वारा दीप प्रज्जवलित कर की गयी। इसके बाद बच्चों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए। इस दौरान अतिथियों द्वारा मैट्रिक परीक्षा में बेहतर प्रदर्शन करने वाले बच्चों को मेडल और शील्ड देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि रविंद्र प्रसाद सिंह ने कहा कि विषम परिस्थिति में शिक्षकों की कमी के बावजूद स्कूल में परीक्षा 99 प्रतिशत बच्चे प्रथम श्रेणी से पास हुए। इसका श्रेय प्राचार्य सहित सभी शिक्षकों को जाता है। वहीं, मनोज सिंह ने कहा कि बच्चों को अपना लक्ष्य निर्धारित करना चाहिए। जिसे पूरे अनुशासन के साथ निरंतर प्रयास करते हुए मंजिल तक जाना चाहिए। उन्होंने स्वामी विवेकानंद के बताये मार्ग पर चलकर लक्ष्य हासिल करने की बात कही। स्कूल के सफल हुए छात्रों से कहा कि लक्ष्य हासिल करने में जो भी बाधा आए उसे बाधा नही बनने दूंगा। साथ ही हर परिस्थिति में साथ देने का वादा भी किया। यशवंत विजय ने कहा कि पढ़ाई जीवन का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। छात्रों की प्रतिभा अंकों से नही आंकी जाती है। एक युवा अगर मन से ठान ले, तो वह कुछ भी कर सकता है। ये सम्मान आपकी मंजिल नही बल्कि सफलता की शुरूआत है। वहीं, अनीता तिर्की ने सभी छात्र-छात्राओं के उज्जवल भविष्य की कामना करते हुए कड़ी मेहनत करने की अपील की। मौके पर नीलम देवी, ज्योति गुप्ता, कृष्णा महली, अनिल कुमार, शम्भू वर्मा, मोहन के साथ सैकड़ों छात्र-छात्राएं एवं अभिभावक उपस्थित रहे।

मुहर्रम कमेटी की बैठक में मुहर्रम जुलूस कांके नहीं लाने का निर्णय

आजाद सिपाही संवाददाता

कांके। सेंट्रल मोहर्रम कमेटी कांके क्षेत्र की बैठक गुरुवार को कमेटी के अध्यक्ष मो समनुर मंसुरी की अध्यक्षता में कांके चौक मैदान न्यू मार्केट में में हुई। जिसमें कांके क्षेत्र के विभिन्न अखाड़ा के सदर सेक्रेटरी खलीफा एवं दानिश्वर शामिल हुए। सभी ने मोहर्रम जुलूस को लेकर अपनी-अपनी राय दी। इसमें विशेष रूप से आपसी सहमति से निर्णय लिया गया कि कांके पतरा टोली के जनाब मरहूम मौलाना अख्तर मुजाहिरी साहब का इसी वर्ष इंतकाल हो गया है, जो देश के मसहुर इमाम एवं खतीबो में से एक थे। उनका निधन मुस्लिम समाज के लिए अपूरणीय क्षति हैं। मौलाना अख्तर क्षेत्र और मुस्लिम सहित सभी समाज के लोगों के बीच गंगा जमुनी तहजीब बनाए रखने में बड़ा योगदान रहता था। उनका इंतकाल होने के कारण कांके क्षेत्र के लोगों ने विशेष कर पत्तरा टोली, चूड़ी टोला, मिल्लत कॉलोनी, चुडी. टोला खेत मोहल्ला, मस्जिद ए मसूद एरिया, बाजार ताड़, सिमर टोली से आए लोगों ने इस बार मोहर्रम का जुलूस कांके चौक स्थित मोहर्रम मैदान में नहीं लाने का निर्णय लिया है। वहीं अपने-अपने क्षेत्र में सादगी से मोहर्रम बनाने का निर्णय लिया है। बैठक के बाद मोहर्रम की सातवीं तारीख को लेकर इमामबाड़ा में निशान खड़ा किया गया और खलीफाओं के बीच में पगड़ी की गई। बैठक में कमेटी के सचिव मोहम्मद फुरकान, अब्दुल इमरान खलीफा हिफजुर्रहमान, खलीफा वसीम अंसारी, खलीफा गुलजार अहमद, बारीक कुरैशी, खलीफा शेख सहीउद्दीन, खलीफा मो सहजाद, खलीफा राजिक आलम, सरफराज आलम राजा, मेराज आलम, कांके अंजुमन के नुरुल होदा, सलामत अंसारी, जियारत अंसारी, फिरोज अहमद, सरताज अंसारी, मो नौशाद, मनौव्वर बाबा सहित विभिन्न जगहों के सदर, सेक्रेटरी एवं खलीफा सहित क्षेत्र के दानिश्वर उपस्थित हुए।

लापुंग में किसानों के बीच खरीफ बीज का वितरण

लापुंग (आजाद सिपाही)। प्रखंड में कार्यकर्ता के साथ बैठक करने के बाद किसानों के बीच खरीफ फसल के बीज का वितरण किया गया। किसानों के बीच पूर्व मंत्री सह झारखंड सरकार कार्यान्वयन समिति सदस्य बंधु तिर्की ने लापुंग के किसानों के बीच बीज का वितरण किया। हाइब्रिड धान बीज 14 किसानों के बीच पांच किलो प्रति किसान, मूंगफली 10 किसान प्रति किसान 150 किलो, उड़द 120 किसानों के बीच चार किलो प्रति किसान, मड़ुआ 20 किसान प्रति किसान 04 किलोग्राम साथ ही मकाई का बीज 11 किसानों के बीच वितरण किया गया। इस मौके पर प्रखंड कृषि पदाधिकारी मो आरिफ, प्रखंड कृषि तकनीकी पदाधिकारी, किसान मित्र, विधायक प्रतिनिधि सुदामा महली, जयंत बरला, प्रखंड प्रमुख कंचन उरांव, उपप्रमुख विश्वनाथ मुंडा आदि थे।

मुहर्रम को लेकर प्रखंड सभागार में शांति समिति की बैठक

प्रेम और भाईचारगी के साथ मनायें मुहर्रम का पर्वः डीएसपी

शांति समिति की बैठक में उपस्थित गणमान्य लोग।

आजाद सिपाही संवाददाता

बेड़ो। मुहर्रम पर्व को लेकर गुरुवार को प्रखंड कार्यालय सभागार में शांति समिति की बैठक हुई। जिसकी अध्यक्षता डीएसपी अशोक कुमार राम ने की। इस अवसर पर डीएसपी ने शांति समिति के सदस्यों से कहा कि पूर्व की भांति इस वर्ष भी मुहर्रम का त्योहार आपसी भाईचारे एवं सामाजिक सौहार्द के साथ शांतिपूर्ण तरीके से मिलकर मनायें। कहा कि ऐसे आयोजनों में सभी की सहभागिता और सहयोग बेहद जरूरी है। जुलूस के दौरान किसी भी तरह की अफवाह या विवाद फैलाने वालों पर कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने अखाड़ा समिति के सदस्यों को मुहर्रम जुलूस को शांति पूर्वक निकालाने की अपील की। कहा कि किसी भी परिस्थिति में असामाजिक तत्वों को बर्दाश्त नहीं किया जायेगा। वहीं शुक्रवार को बेड़ो थाना में अखाड़ा समिति के साथ बैठक कर संवेदनशील क्षेत्र में पुलिस एवं शांति समिति के सदस्य फ्लैग मार्च करेगी। इंस्पेक्टर उत्तम उपाध्याय ने कहा कि मुहर्रम पर्व के दौरान शांति व्यवस्था हर हाल में बनाये रखना पुलिस की प्राथमिकता है। पर्व के दौरान असामाजिक तत्वों और उपद्रवियों पर खास नजर रखी जा रही है। उन्होंने कहा कि हाई कोर्ट के निर्देशानुसार जुलूस में लाइन नहीं काटी जाएगी। इसलिए ताजिया की ऊंचाई कम करना है। डीजे साउंड को सीमित आवाज बजाना और रात 10 बजे तक ही बजाना है। कहा कि असामाजिक तत्वों एवं सोशल मीडिया पर अफवाह फैलाने वालों को चिन्हित कर उन पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। बैठक का संचालन पूर्व उपप्रमुख धनंजय कुमार राय ने किया। इस मौके पर एसआई अनिल टोप्पो, एएसआई अक्षय कुमार सिंह, फारूक नदीम, सांसद प्रतिनिधि जुगेश उरांव, विधायक प्रतिनिधि करमा उरांव, उपप्रमुख मोददसिर हक, मुखिया रमेश उरांव, पूर्व मुखिया बुधराम बाड़ा, उपमुखिया संतोष दास, पंसस राखी भगत, वाणी कुमार राय, नवल किशोर सिंह, सुका उरांव, चरवा उरांव, नकुल राम महथा, शशि कुमार, मनीर अंसरी, रैफुद्दीन मिरदाहा, अफताब खान, बबलू खान, मो शमशाद, अब्दुल मतीन अंसारी, मो फहीमूल हक, सीता राम महतो और विष्णु बड़ाइक सहित दर्जनों लोग मौजूद थे।

सोशल मीडिया पर अफवाह फैलानेवालों पर होगी सख्त कार्रवाई : थाना प्रभारी

ठाकुरगांव (आजाद सिपाही)। मुहर्रम त्योहार को लेकर ठाकुरगांव थाना में गुरुवार को शांति समिति की बैठक हुई। जिसकी अगुवाई थाना प्रभारी विनित कुमार ने की। बैठक में त्योहार को आपसी भाईचारे के साथ मनाने का निर्णय लिया लिया। इस अवसर पर थाना प्रभारी ने कहा कि सोशल मीडिया पर आपत्तिजनक पोस्ट डालने पर प्रशासन कड़ी कार्रवाई करेगा। बैठक को विधायक प्रतिनिधि गोपाल तिवारी, पूर्व जिप उपाध्यक्ष पार्वती देवी, मुखिया दशरथ उरांव, कुशेन्द्र पाहन, जयंती देवी, सचिन पाहन, अख्तर अंसारी, कलाम अंसारी, जहांगीर अंसारी, कमल मोदी, बबलू उरांव ने भी संबोधित किया।

विद्यालय का ताला तोड़ कर दो गैस सिलेंडर की चोरी

बेड़ो (आजाद सिपाही)। थाना क्षेत्र के तुको गांव स्थित राजकीय कृत मध्य विद्यालय में बुधवार की रात स्कूल का ताला तोड़कर चोरों ने रसोईघर से दो गैस सिलेंडर की चोरी कर ली। गुरुवार को स्कूल खोलने पहुंचे शिक्षकों को सुबह में इस घटना की जानकारी हुई। वहीं, प्रभारी प्रधानाध्यापक सुधीर राजेश खेस ने बताया कि उन्होंने मुखिया प्रबला केरकेट्टा को चोरी की सूचना दे दी है। जबकि मुखिया ने चोरी की सूचना बेड़ो पुलिस को दी। घटना की जानकारी मिलने पर बेड़ो पुलिस स्कूल पहुंच कर मामले की जांच में जुट गयी है। इधर, गैस सिलेंडर की चोरी हो जाने से गुरुवार को स्कूल में एमडीएम का भोजन रसोईया ने अपने घर से गैस सिलेंडर लाकर बनाया। बतातें चलें कि 14 सितंबर 2023 को चोरों ने स्कूल के अंदर रखे 11 डेग,तीन गैस सिलेंडर समान सहित हजारों रुपये मूल्य का अन्य सामान चोरी कर लिया था। ग्रामीणों एवं शिक्षकों ने बताया कि राजकीय मध्य विद्यालय तुको में चोरी की घटनाएं पहले भी कई बार हो चुकी हैं। इन लगातार हो रही चोरियों से स्कूल के लिए आवश्यक सामग्री और बच्चों के भोजन व्यवस्था को लेकर बड़ी समस्या हो रही है। गांव के लोगों ने प्रशासन से स्कूल में सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने की मांग की है, ताकि भविष्य में ऐसा ना हो।

भारतीय किसान संघ का प्रशिक्षक प्रशिक्षण वर्ग आयोजित

इटकी (आजाद सिपाही)। भारतीय किसान संघ रांची जिला इकाई की ओर से प्रशिक्षक प्रशिक्षण वर्ग कार्यक्रम का आयोजन राष्ट्रीय राजमार्ग 23 के इटकी मोड़ पर रामलाल स्वीटस के भवन में किया गया। इसमें संगठन के जिला संगठन मंत्री हेमराज कुमार ने किसानों के उत्थान के लिए सरकार की ओर से चलाई जा रही महत्वकांक्षी योजनाओं से अवगत कराते हुए कृषकों को लाभ उठाने का तरीका बताया। विशेष कर संघ के उदेश्य को विस्तार पूर्वक बताया। कार्यक्रम की अध्यक्षता संगठन के जिला मंत्री व्रजेश तिवारी ने की। इस मौके पर संगठन के प्रदेश महामंत्री प्रदीप उरांव, कोषाध्यक्ष धीरेन्द्र अग्रवाल, प्रदेश युवा प्रमुख शिव कुमार साहू के अलावे किसान अनीश कुमार शाही, विकल महतो, कुशल महतो, प्रदीप कुमार, सुमित्रा मुर्मू, रोशन कुमार, बेनी साहू सहित प्रखण्ड क्षेत्र के दर्जणों किसान मौजूद थे।

घाघरा में अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी चला रही 'मेरा घर संगम' कार्यक्रम

घाघरा (आजाद सिपाही)। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के प्रशिक्षण विभाग के अहिंसा के रास्ते के द्वारा मेरा घर संगम कार्यक्रम चलता है। जिसमें विभिन्न प्रदेशों से कांग्रेस नेता कार्यकर्ता एवं गांधीवादी विचारधारा से प्रेरित सामाजिक कार्यकर्ता बुद्धिजीवी भाग लेते हैं पांच दिवसीय शिविर में भाग दिए हैं। प्रशिक्षण सत्र में आये मेहमान स्थानीय अलग-अलग घरों में रात्रि विश्राम एवं भोजन करेंगे आदिवासी मूलवासी संस्कृति धार्मिक आर्थिक सामाजिक शैक्षणिक जीवन का मनन चिंतन ग्राम ब्राह्मण तन भक्तों विद्यालय भ्रमण संगोष्ठी सहित कई कार्यक्रम होंगे। मेहजबान बॉबी भगत प्रदेश महिला कांग्रेस उपाध्यक्ष आदिवासी कांग्रेस के राष्ट्रीय समन्वय, मध्य प्रदेश से मनीष, सुषमा, प्रेम सिंह गुर्जर उत्तर प्रदेश से अजय सिंह, गौरव राय, तमिलनाडु से चित्रा और अरुण कुमार महाराष्ट्र से अजीत राजस्थान से मीनाक्षी सेठी सहित स्थानीय कल्याणकारी मानव विकास संस्थान के सचिव अनिरुद्ध चौबे, अरुण पांडे, भोला कुमार, समीर भगत, संदीप कुमार, विजय किंडो, रमेश जायसवाल, जागीर खान, सुखदेव टाना भगत, अर्जुन उरांव, शुक्रा उरांव उपस्थित थे।

नजरिया नक्शा और मैप को लेकर सुपरवाइजर और बीएलओ को मिला प्रशिक्षण

घाघरा (आजाद सिपाही)। घाघरा ब्लॉक परिसर के सभागार में नजरिया नक्शा और मैप को लेकर सुपरवाइजर और बीएलओ कर्मियों को एक दिवसीय प्रशिक्षण दिया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य आगामी चुनाव में मतदान केंद्रों के सटीक निर्धारण एवं व्यवस्थापन को पारदर्शी और सुव्यवस्थित बनाना था। प्रशिक्षण में मास्टर ट्रेनर रवि कुमार, विकास शर्मा, अभिषेक सिंह द्वारा नजरिया नक्शा और की मैप के निर्माण की तकनीकी जानकारी दिया।यह भी बताया कि नजरिया नक्शा प्रत्येक मतदान केंद्र का 360 डिग्री दृश्य प्रस्तुत करता है। जिससे उस केंद्र तक पहुंचने के मार्ग भौगोलिक स्थिति आसपास की प्रमुख संरचनाओं आदि की स्पष्ट जानकारी मिलती है। वही की मैप के माध्यम से बूथ की स्थिति संबंधित पोलिंग स्टेशन और उनके दायरे में आने वाले क्षेत्रों को दर्शाया जाता है। नक्शों की सटीकता पर विशेष बल देते हुए कहा कि इससे न केवल मतदान कर्मी की सुविधा मिलेगी बल्कि मतदाताओं को भी केंद्र तक पहुंचने में सुलभ होगी। इसके साथ ही नजरिया नक्शा और की मैप का सत्यापन किया गया। मौके पर बीपीआरओ शंकर साहू, कंप्यूटर सहायक ज्योति लाल महतो सहित कई बीएलओ कर्मी, सुपरवाइजर उपस्थित थे।

मिशन बदलाव के प्रयास से प्रशासन ने 32 मजदूरों को खाद-बीज उपलब्ध कराया

गुमला (आजाद सिपाही)। मिशन बदलाव के भूषण भगत ने बताया रांची जिला के कांके प्रखंड में गुमला सदर प्रखंड के 32 मजदूर ईंट भट्ठा में काम के लिए गए हुए थे। वहां 6 महीना लगभग काम किया। काम करवाने के बाद ठेकेदार द्वारा मजदूरों का लगभग 8 लाख रुपए का बकाया देने में आना कानि करने लगा। मजदूरों ने बताया कि ठेकेदार ने लगभग 20 दिन बिता दिए हैं उसके बाद में भी लगातार मजदूरी के लिए टालमटोल कर रहे हैं। मिशन बदलाव के भूषण भगत ने श्रम अधीक्षक को दूरभाष के माध्यम से मजदूरी के मामलों को लेकर अवगत कराया और गुमला डीसी से मज्दुर की समस्या को लेकर बात की। साथ ही डीसी को व्हाट्सएप और लेटर के माध्यम से सभी मामलों को लेकर अवगत कराया गया। डीसी ने मामलों को गंभीरता से लेते हुए कहा कि रांची एसडीएम और कांके थाना प्रभारी को मामलों का समन्वय और मजदूरी दिलाने के लिए प्रयास किया जा रहा है। भूषण भगत को डीसी ने दूरभाष पर मजदूरों का बकाया भुगतान दिलाने का प्रयास किए जाने की 3कही। डीसी ने कहा कि अलग जिला के होने के कारण मजदूरी दिलाने में विलंब हो रहा है। बहुत जल्द रांची जिला से समन्वय कर मजदूरों को मजदूरी दिलाई जाएगी। भूषण भगत ने बताया मजदूर बहुत गरीब हैं उनके पास दो वक्त का खाने के लिए भी अभी मोहताज है बहुत मुश्किल से अपने बच्चों की परवरिश कर रहे हैं खेती-बाड़ी करने के लाले पड़े हुए हैं अगर ठेकेदार ने पैसा नहीं दिया तो 32 मजदूरों का जीवन संकट परिस्थितियों में आ गया है। सभी मजदूरों का कहना है अगर ठेकेदार ने पैसा नहीं देता है तो हम सभी आत्मदाह भी कर सकते हैं।

बीपीओ ने उत्क्रमित प्राथमिक विद्यालय का किया निरीक्षण, बच्चों की कम संख्या पर जतायी नाराजगी

कामडारा (आजाद सिपाही)। कामडारा प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत उत्क्रमित प्राथमिक विद्यालय बाकुटोली में पढने वाले बच्चों की संख्या अब दिन ब दिन घटते जा रही है। वहीं विद्यालय परिसर में घुमने वाले मुर्गियों की संख्या बढ़ते जा रही है। इस बात खुलासा गुरुवार को कामडारा के बीपीओ लाल चंद्रशेखर नाथ शाहदेव के द्वारा औचक निरीक्षण किये जाने के बाद हुई है। जानकारी के मुताबिक प्रखंड मुख्यालय से महज दो किमी की दूरी पर अवस्थित उत्क्रमित प्राथमिक विद्यालय बाकुटोली मे वर्ग प्रथम से लेकर कक्षा पांचवीं तक की पढ़ाई होती है। इस विद्यालय मे कुल नामांकित बच्चों की संख्या कुल 12 है। जबकि विद्यालय मे बच्चों को पढ़ाने के लिये दो पारा शिक्षक बुधेश्वर साहु और हीरामनी सुरीन को प्रतिनियुक्त किया गया है। इधर गुरुवार को दिन के लगभग दो बजे के आसपास कामडारा के बीपीओ चंद्रशेखर नाथ शाहदेव निरीक्षण के लिये जैसे ही विद्यालय परिसर के अंदर पहुंचे तो देखने को मिला कि विद्यालय के बरामदे पर बैठी एक शिक्षिका बाहर कुर्सी मे बैठकर गहरी निद्रा मे लीन थी। वही अंदर एक कमरे मे कुल नौ बच्चे बैठे हुए थे। जिसमें से कुछ पढ़ रहे थे तो कोई खेल रहा था। वहीं विद्यालय भवन के अंदर पुराने कीचन शेड मे मुर्गी रखने की जगह नजर आयी। जिसे देख बीपीओ काफी नाराज दिखे। इसके अलावे विद्यालय के अन्य कमरो की स्थिति काफी जर्जर है। कुल मिलाकर देखा जाय तो सरकारी विद्यालयों मे बच्चों के गुणवत्ता पूर्ण शिक्षा देने के लिये सरकार के द्वारा सलाना करोड़ो रुपये खर्च की जा रही है। परंतु शिक्षकों की लापरवाही व मनमानी के कारण बच्चों की अच्छी शिक्षा नही मिल पा रही है। इधर बीपीओ ने कहा कि यह गंभीर विषय है। उक्त पूरे मामले की पड़ताल के बाद आगे की कार्रवाई की जायेगी।

जहरीला मशरूम खाने से एक ही परिवार के चार की हालत बिगड़ी

आजाद सिपाही संवाददाता

गुमला। बसिया थाना क्षेत्र अंतर्गत टकरमा गांव में जहरीला मशरूम खाने से एक ही परिवार के चार लोगों की हालत बिगड़ गयी। तत्काल परिजन सभी को रेफरल अस्पताल बसिया ले गये जहां प्राथमिक इलाज के उपरांत चारों को गुमला रेफर कर दिया गया। वहीं सदर अस्पताल में सभी का इलाज चल रहा है। प्राप्त जानकारी के मुताबिक टकरमा गांव निवासी 25 वर्षीय कलावती देवी, 50 वर्षीय द्रौपदी देवी, 5 वर्षीय शिवानी कुमारी और 3 वर्षीय शिवा महतो की हालत बिगड़ी है। श्रवण महतो ने बताया मेरी मां गुरुवार की सुबह खेत की ओर मशरूम खोजने गयी थी। मशरूम लेकर घर लौटी जिसके बाद उसे पकाया। गुरुवार दिन के करीब 11 मुझे छोड़कर सभी ने चावल के साथ मशरूम खाया इसके बाद दोनों बच्चे उल्टी करने लगे। वही सभी की हालत बिगड़ने लगी। सभी को चक्कर आने लगा। साथ ही पेट भी फुल गया। सदर अस्पताल में इलाज के बाद दोनों बच्चे ठीक हैं जबकि दोनों महिला का इलाज चल रहा है।

युवक पर नाबालिग को भगाने का आरोप, गिरफ्तार

गुमला (आजाद सिपाही)। गुमला जिले के कुरूम गढ़ थाना क्षेत्र अंतर्गत कुटमा गांव निवासी 20 वर्षीय से बंधा असुर को पुलिस ने हिमाचल प्रदेश से गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। युवक पर नाबालिग लड़की को भगाने का आरोप था। लड़की के भाई ने पिछले माह युवक पर अपनी बहन को भगाने का आरोप लगाते हुए कुरूम गढ़ थाना में मामला दर्ज कराया था। इसके बाद पुलिस ने कार्रवाई करते हुए हिमाचल प्रदेश से दोनों को बरामद किया और गुरुवार की अपराह्न 4 बजे युवक को जेल भेज दिया है। जानकारी के मुताबिक युवक और किशोरी बचपन से एक ही स्कूल और एक ही क्लास में साथ पढ़ते थे। पांचवा क्लास से ही दोनों के बीच प्यार हो गया। धीरे-धीरे प्यार परवान चढ़ने लगा और दोनों ने एक दूसरे के साथ जीने मरने की कसमें खायी। बीते माह 17 वर्षीय किशोरी को युवक शादी की नीयत से भगाकर हिमाचल प्रदेश ले गया क्योंकि लड़की के परिजन अंतर जाति होने के कारण लड़के के साथ उसकी शादी करने को तैयार नहीं थे।

आंगनबाड़ी केंद्रों में मनाया जायेगा बच्चों का जन्मदिन

आजाद सिपाही संवाददाता

गुमला। सभी आंगनबाड़ी केंद्रों में बच्चों के जन्मदिन सेलिब्रेट किया जाएगा। ताकि बच्चे उत्साहित हो सकें। कई आंगनबाड़ी केंद्रों में छोटे बच्चे फटी दरी में बैठने को विवश हैं। इस बात को उपायुक्त प्रेरणा दीक्षित ने जिला समाज कल्याण विभाग की समीक्षात्मक बैठक में गुरुवार को रखा। उपायुक्त की अध्यक्षता में आयोजित इस बैठक में महिला बाल विकास एवं सामाजिक सुरक्षा विभाग द्वारा संचालित विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं की समीक्षा करते हुए उपायुक्त ने निर्देश दिया कि कि जिन आंगनबाड़ी केंद्रों में दरी की स्थिति खराब हैं उन्हें यथाशीघ्र हटाएं। बच्चों को फटे पुराने दरी पर ना बिठाएं। उन्होंने कहा कि सेविका- सहायिका के चयन की प्रक्रिया को यथाशीघ्र पूर्ण करें। आमसभा कराकर सेविका सहायिका का चयन करें तथा किसी प्रकार की संशय की स्थिति में सीडीपीओ तथा महिला पर्यवेक्षिका से मंतव्य लेकर नियमानुसार नियुक्ति की प्रक्रिया को पूरा कर लें। बैठक के दौरान उपायुक्त ने पोषण ट्रैकर ऐप में पंजीकृत एवं आधार सत्यापित लाभुकों की संख्या, वजन माप, एफआरएस, गृह भ्रमण, प्रधानमंत्री मातृत्व वंदना योजना, कुपोषण उपचार, सेविका/सहायिका की रिक्तियों, आंगनवाड़ी केंद्रों की आधारभूत संरचना की बिंदुवार समीक्षा की। समीक्षा के दौरान उपायुक्त ने सभी सीडीपीओ एवं महिला पर्यवेक्षिका से कहा कि लक्ष्य निर्धारित कर कार्य करें,तभी बेहतर प्रदर्शन कर सकेंगे। महिला पर्यवेक्षिका द्वारा बताया गया कि सुदूरवर्ती क्षेत्रों में नेटवर्क सही नहीं रहने के कारण एफ आर एस करने में काफी कठिनाई होती है। श्रीमती दीक्षित ने पोषण ट्रैकर ऐप में डेटा को अद्यतन करने का निर्देश दिया। उन्होंने सभी सीडीपीओ तथा महिला पर्यवेक्षिका को विशेष निर्देश दिया कि सैम- मैम बच्चों का विशेष ध्यान दिया जाए। उपायुक्त ने कहा कि इन बच्चों को उचित पोषाहार प्रदान करें। उन्होंने कहा कि सभी सैम /मैम बच्चों का एक प्रोफाइल कार्ड तैयार करें। हर माह उनकी अद्यतन स्थिति की जानकारी उसमें लिखें।साथ हीं बच्चों को साफ सफाई के लिए प्रेरित करें। उन्हें साफ कपड़े, छोटे नाखून इत्यादि के बारे में बतायें।

चैंबर ऑफ कॉमर्स ने एसडीपीओ और थाना प्रभारी को किया सम्मानित

आजाद सिपाही संवाददाता

गुमला। शहर में शांति व्यवस्था कायम करने हेतु गुमला पुलिस द्वारा किये गये कार्य, नशा पान के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान और उसमें विगत दिनों मिली बहुत बड़ी कामयाबी के साथ साथ चोरी की घटनाओं पर काफी हद तक अंकुश लगाने जैसे उत्कृष्ट कार्यों के लिए गमला चेंबर ऑफ कॉमर्स ने गुमला पुलिस प्रशासन की भूरि भूरि प्रशंसा की और मौके पर उपस्थित गुमला एसडीपीओ सुरेश प्रसाद यादव और गुमला थाना प्रभारी महेंद्र करमाली को शॉल ओढ़ा कर सम्मानित किया। चेंबर के क्षेत्रीय उपाध्यक्ष रमेश चीनी ने कहा के नशा मुक्ति अभियान के तहत गुमला पुलिस ने जो कार्य किया है वह काफी सराहनीय है। बताते चलें कि सदर थाना के निकट स्थित गुमला पुलिस मेंस क्लब भवन में शांति समिति की बैठक आयोजित की गई थी। इस बैठक में गुमला अनुमंडल पदाधिकारी गुमला एसडीपीओ सहित कई अन्य पदाधिकारी भी उपस्थित थे। और चेंबर के तरफ सभी कई पदाधिकारी उपस्थित थे। जहां कई बिंदुओं पर चर्चा हो रही थी जिसमें शहर में शांति, नशा उन्मूलन अभियान और चोरी की घटनाओं में आई कमी प्रमुख रूप से चर्चा का केंद्र थी। मौके पर चेम्बर अध्यक्ष राजेश सिंह के साथ क्षेत्रीय उपाध्यक्ष रमेश कुमार चीनी निवर्तमान अध्यक्ष दामोदर कसेरा सचिव बबलू वर्मा मीडिया प्रभारी इम्तियाज मिनी आदि उपस्थित थे।

घर पर गिरा आम का पेड़, छात्रा घायल

गुमला (आजाद सिपाही)। सदर थाना क्षेत्र के खोरा पतरा टोली गांव में बुधवार की रात लगातार बारिश होने के कारण एक विशालकाय आम का पेड़ मनोहर साहू के घर पर गिर गया। घटना में मनोहर साहू की 14 वर्षीय पुत्री सुनीता कुमारी के सिर में चोट लगी। रात को ही उसे सदर अस्पताल लाया गया जहां उसका इलाज किया गया। घटना की जानकारी देते हुए मनोहर ने बताया कि घर के सामने एक पुराना विशालकाय आम का पेड़ था। इधर लगातार बारिश से पेड़ घर पर ही गिर गया। घटना के वक्त सुनीता पढ़ाई कर रही थी वही घर के अन्य सदस्य खाने-पीने की तैयारी में जुटे थे। घर में पढ़ाई कर रही सुनीता के सिर में एसवेस्टर गिरा और उसे गंभीर चोट लगी। वही घर में बंधे चार मवेशी को भी चोट लगी है।

अवैध बॉक्साइट खनन पर कार्रवाई के लिए दिया जायेगा मांग-पत्र

गुमला (आजाद सिपाही)। बॉक्साइट माइंस रैयत मजदूर समिति के पदाधिकारी द्वारा बिशुनपुर व घाघरा प्रखंड क्षेत्र में बॉक्साइट का हो रही अवैध खनन रोकने व कार्रवाई के लिए 7 जुलाई 2025 को जिला प्रशासन तथा स्पेशल टास्क फोर्स को मांग-पत्र की दी जायेगी। खनन विभाग द्वारा बॉक्साइट माइन्स क्षेत्र का भ्रमण नहीं किए जाने से बॉक्साइट का अवैध उत्खनन बड़े पैमाने पर बॉक्साइट माफियाओं द्वारा की जा रही है। इसके रोकथाम के लिए विभाग किसी भी प्रकार की कार्रवाई अपने स्तर से नहीं कर रही है जिससे हाल के दिनों में अवैध खनन आम हो गयी है। समिति द्वारा तय किया गया है कि बॉक्साइट का अवैध उत्खनन पर कार्रवाई नहीं होने की स्थिति में गुमला उपायुक्त को मामले से अवगत कराते हुए विभाग के खिलाफ आंदोलन शुरू की जायेगी।

पुस्तकालय संचालन समिति की बैठक

बिशुनपुर (आजाद सिपाही)। प्रखंड मुख्यालय में संचालित जतरा टाना भगत पुस्तकालय संचालन समिति का बैठक प्रखंड कार्यालय के सभागार भवन में आयोजित किया गया। जहां पर लोगों को संबोधित करते हुए प्रखंड विकास पदाधिकारी सुलेमान मुंडरी ने कहा कि पूरे झारखंड राज्य में सिर्फ गुमला जिला की एक ऐसा जगह है जहां सभी प्रखंड मुख्यालय में पुस्तकालय का संचालन हो रहा है। उन्होंने कहा कि पुस्तकालय का संचालन होने से सभी प्रखंड के विद्यार्थियों को अपने प्रखंड मुख्यालय में ही पढ़ाई करने के लिए तमाम संसाधन एवं सुविधा उपलब्ध हो गया है। जिससे आने वाले दिनों में यहां के विद्यार्थी कई अच्छे जगह पर पहुंच पायेंगे। श्री मुंडरी ने कहा कि इस पुस्तकालय का संचालन के लिए समाज का सहयोग बहुत जरूरी है, बिना सामाजिक सहयोग के इसका संचालन नहीं हो पाएगा, सभी लोग इसका संचालन करने में आर्थिक एवं सामाजिक सहयोग करें ताकि इसका बेहतर ढंग से संचालन हो सके और यहां के बच्चों का भविष्य बेहतर हो। मौके पर उन्होंने संचालन समिति से प्रखंड मुख्यालय के आसपास संचालित होने वाले सरकारी एवं गैर सरकारी छात्रावास से संपर्क कर विद्यार्थियों की संख्या बढ़ने पर जोर दिया। इस मौके पर अंचल अधिकारी शेखर वर्मा संचालन समिति के अध्यक्ष रामप्रसाद बड़ाइक, अनिल भगत, सीताराम खेरवार सुधीर तिग्गा, संतोष उरांव अनिल असुर, राजू भगत, भीम बड़ाइक, प्रीति कुमारी संतोष साहू अमर चिक बड़ाईक सहित कइ संचालन समिति के मेंबर उपस्थित थे।

संदिग्ध अवस्था में युवक का शव बरामद

बिशुनपुर (आजाद सिपाही)। थाना क्षेत्र के गूंगा टोली गांव निवासी स्वर्गीय विनोद उरांव के पुत्र विवेक उरांव 23 वर्ष का शव उसके घर से ही संदिग्ध अवस्था में पुलिस ने बरामद कर पंचनामा उपरांत पोस्टमार्टम के लिए सदर गुमला भेजा। बताया जाता है किविवेक की मां का पूर्व में देहांत हो गया था जिसके बाद उसके पिता ने दूसरी शादी कर ली। जो कुछ दिन रहने के बाद दूसरे युवक से शादी कर उसके घर चली गयी। जिसके बाद विवेक के पिता विनोद उरांव की भी मौत हो गयी। पिता के देहांत के बाद विवेक अकेले घर में पिछले कई वर्षों रह रहा था जबकि विवेक का छोटा भाई रितिक उरांव अपनी सौतेली मां एवं पिता के पास रहता था। बताया जाता है कि अपने पिता जो शिक्षक थे उनके देहांत के बाद अनुकंपा में नौकरी के लिए दोनों बेटों के द्वारा दावा किया जा रहा था। जिसको लेकर दोनों भाई एवं सौतेली व पिता में कई बार विवाद भी हो रहा था इसी दरमियान अचानक विवेक अपना गुगां टोली घर में बुधवार की रात खाना खाकर सोया और सुबह नहीं उठा तो। उसके चाचा एवं गांव के अन्य लोगों ने देखा कि दरवाजा का कुंडी खुला हुआ है और विवेक मृत अवस्था में अपना बेड पर पड़ा हुआ है। जिसको देखने पर ऐसा प्रतीत हो रहा है की गला दबाकर उसकी हत्या की गई है। जिसका गला में निशान भी था जिसकी जानकारी ग्रामीणों के द्वारा बिशुनपुर पुलिस को दी गई। मौके पर पुलिस घटनास्थल पहुंचकर शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सदर गुमला भेजा। थाना प्रभारी राकेश कुमार ने कहा कि गुगां टोली गांव से 23 वर्षीय युवक का संदिग्ध अवस्था में शव बरामद किया गया है। ग्रामीणों से अन्य जानकारी प्राप्त होने के बाद पुलिस सभी मामलों में गंभीरता से जांच कर रही है पोस्टमार्टम उपरांत ही मौत का स्पष्ट कारन बताया जा सकेगा।

शिविर में 80 आवेदनों का ऑन द स्पॉट निष्पादन

बिशुनपुर (आजाद सिपाही)। प्रखंड के चीरोडिह, पंचायत में गुरुवार को धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान के तहत जनजातीय एक दिवसीय शिविर का आयोजन किया गया। जिसकी अध्यक्षता बीडीओ सुलेमान मुंडरी, अंचलाधिकारी शेखर वर्मा एवं मुखिया रत्नीदेवी ने संयुक्त रूप से की। बुधवार को चीरोडिह, देवरागाणी, चातम, एवं गुरुवार को चंपाटोली, लोंगा, ओरया, आदि गांव में शिविर का आयोजन किया गया जहां विभिन्न गांव से पहुंचे ग्रामीणों ने मनरेगा, स्वास्थ्य, शिक्षा, बैंक, राजस्व, पेयजल स्वच्छता विभाग, खाद आपूर्ति, बाल विकास, आधार पंजीकरण, पेंशन, केसीसी, से संबंधित समस्या के समाधान के लिए लगाएं स्टॉल पहुंच कर अपने समस्याओं से संबंधित आवेदन सौंपा। आयोजित दो दिवसीय शिविर में कुल 150 आवेदन पड़े जिसमें 80 आवेदन का ऑन द स्पॉट निष्पादन किया गया। वहीं स्वास्थ्य विभाग ने स्वास्थ्य शिविर सिकल सेल जांच की। बीडीओ ने कहा कि सरकार की यह एक महत्वपूर्ण कार्यक्रम है इसे जनजातीय बहुल क्षेत्र में जाकर उनकी समस्या का समाधान ऑन द स्पॉट करना एवं मूलभूत समस्याओं का समाधान करना ही मुख्य उद्देश्य है। जनजातीय बहुल क्षेत्र के लोग जागरूक हो हम लोग उनके गांव जाकर कार्यक्रम के माध्यम से उनकी समस्या समाधान के लिए काम कर रहे हैं। इस दौरान कार्यक्रम में अभिषेक कुमार मांझी जितेंद्र भगत सहित प्रखंड कर्मी व अंचल कर्मी शामिल थे।

जनजातीय ग्राम उत्कर्ष शिविर में कई स्टॉल लगे

घाघरा (आजाद सिपाही)। देवाकी पंचायत के लेहा, देवाकी, कोटामाटी, माइल गांव में जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान अंतर्गत शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में प्रधानमंत्री आवास, आयुष्मान कार्ड, मनरेगा स्वास्थ्य विभाग, शिक्षा विभाग, कल्याण विभाग सहित कई अन्य विभाग के स्टाल लगाये गये। जहां ग्रामीणों ने आवश्यकता अनुसार आवेदन भरकर जमा किया। मौके पर वीडियो दिनेश कुमार ने कहा कि जनजातीय समुदाय की सर्वांगीण विकास और उनके उत्थान को लेकर सरकार द्वारा उक्त शिविर का आयोजन कराया जा रहा है आप सभी ग्रामीण सरकार के महत्व कांची योजनाओं से लाभान्वित होने को लेकर आवेदन भर कर जमा करें। मौके पर मुखिया फूलमानी देवी, पंचायत सचिव किशोर तिर्की सहित कई कर्मी, पदाधिकारी, महिला-पुरुष उपस्थित थे।

कार्तिक उरांव पुस्तकालय में गुरु गोष्ठी

भरनो (आजाद सिपाही)। गुरुवार को स्थान बाबा कार्तिक उरांव पुस्तकालय,प्रखंड अंतर्गत सभागार में मासिक गुरुगोष्ठी का आयोजन किया गया जिसमे मुख्य रूप से प्रखंड शिक्षा प्रसार पदाधिकारी भरनो ,प्रखंड कार्यक्रम पदाधिधिकारी भरनो के द्वारा पुस्तकालय को बेहतर रूप से कैसे चलाया जाए यहां के छात्र छात्राएं कैसे बेहतर लाभ ले और अन्य सभी प्रतियोगी परीक्षाओं में अपना परचम कैसे लहराए तथा अपने प्रखंड, जिला तथा राज्य का नाम रौशन करें । साथ ही साथ विद्यालयों में चल रहे विभिन्न गतिविधियों को अग्रसर गति देने तथा स समय सभी कार्यों का निष्पादन हो इस पर प्रकाश डाला गया। गुरुगोष्टि में मुख्य रूप से बीइइओ, बीपीओ, बीआरपी, सीआपी,लेखापाल आरटी तथा प्रखंड के सभी विद्यालयों के प्रधान उपस्थित हुए।

स्पोर्ट्स

दिन के आखिरी मुकाबले में हॉकी गुजरात ने हॉकी बंगाल को 3-0 से हराया। कप्तान आस्था टिंपले (25) ने पहला गोल दागा।

सब-जूनियर महिला राष्ट्रीय हॉकी चैंपियनशिप

पहले दिन हिमाचल, असम, मणिपुर, कर्नाटक और गुजरात की धमाकेदार शुरुआत

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। मारांग गोमके जयपाल सिंह एस्ट्रोटर्फ हॉकी स्टेडियम में शुरू हुई 15वीं हॉकी इंडिया सब-जूनियर महिला राष्ट्रीय चैम्पियनशिप 2025 के पहले दिन खिलाड़ियों का जोश और प्रदर्शन देखने लायक रहा। पहले दिन कुल छह मुकाबले खेले गए, जिनमें से पांच में जीत दर्ज की गई जबकि एक मुकाबला बराबरी पर समाप्त हुआ।

डिवीजन 'सी' के मुकाबले: दिन की शुरूआत धमाकेदार रही, जब हॉकी हिमाचल ने हॉकी राजस्थान को 7-0 से करारी शिकस्त दी। नवनीत कौर (17, 37, 55) ने शानदार हैट्रिक लगाई, वहीं रिया (9, 57) ने दो गोल दागे। इसके अलावा पलक चौधरी (28) और सोनम (31) ने भी गोल कर टीम को बड़ी जीत दिलायी।दूसरे मुकाबले में असम हॉकी ने गोवा हॉकी को 7-1 से हराया। रितिका टिग्गा (3, 44, 48) और जोशना एक्का (32, 49, 59) ने शानदार हैट्रिक लगाई। तान्या चौरसिया (37) ने भी एक गोल किया। गोवा के लिए कप्तान ऋद्धि हर्तीद्रनाथ हड़फकर (30) ने एकमात्र गोल किया। तीसरे मुकाबले में तेलंगाना हॉकी और जम्मू-कश्मीर हॉकी के बीच कड़ा मुकाबला देखने को मिला जो 2-2 की बराबरी पर समाप्त हुआ। जम्मू-कश्मीर के लिए अक्षरा दत्ता (11, 21) ने दो गोल किए, जबकि तेलंगाना के लिए पेंडेला हरिनी चंद्रा (31) और अनु कुमारी (52ह्ल) ने गोल कर मुकाबला बराबरी पर ला दिया।

डिवीजन 'बी' के मुकाबले: हॉकी कर्नाटक ने केरल हॉकी को 3-1 से हराकर अपना अभियान जीत के साथ शुरू किया। जीविथा एचएन (17), कप्तान पियरलिन पोनम्मा एजी (28) और शिल्पा मडिवालप्पा कनजनावर (39) ने गोल किए। केरल की ओर से शालिनी मुंगमुरी (52) ने एक गोल किया। मणिपुर हॉकी ने दादरा एवं नगर हवेली और दमन एवं दीव हॉकी को 3-0 से हराकर जीत दर्ज की। सेराम हेंथोई चानू (3), जरीना चोंगथम (13) और कप्तान देवी मोइरांगथेम प्रिंजा (20) ने गोल किये।

बीसीसीएल को विस्थापन ही करना है तो चंडीगढ़ जैसा शहर बना कर लोगों को बसाये : राजीव शर्मा

झरिया (आजाद सिपाही)। झरिया कायलांचल में जमीन के अंदर 109 साल से आग लगी है। कई जिंदगी को अपने अंदर समा चुकी है, लेकिन अब इस शहर के आस पास रहने वाले लोगों के लिए सरकार ने एक मास्टर प्लान बनाया है, जिससे नर्क जैसी जिंदगी से बेहतर जीवन मिलने की उम्मीद सभी को जगी है। लेकिन विस्थापन एक ऐसा दर्द जिसकी दवा सिर्फ पुनर्वास है, लेकिन झरिया में लोग आग की आंच पर रह कर मौत की राह देख रहे। कब कहां जमींदोज हो जाए और मौत के आगोश में आ जाय कुछ कहा नहीं जा सकता है। एक तरफ केंद्र ने झरिया मास्टर प्लान के तहत सौगात दिया है तो वही दूसरी ओर बढ़ती भू धंसान की घटना से झरिया कोलफील्ड बचाओ समिति के सदस्यों में चिंतित हैं। झरिया कोल्डफिल्ड बचाव समिति ने भी बीसीसीएल के कार्य को देखते हुए आपत्ति जाहिर की है। बैठक की अध्यक्षता कर रहे संगठन के अध्यक्ष राजीव शर्मा ने कहा कि जरेड़ा को स्वतंत्र प्रभार, बीसीसीएल के कर्मचारियों को हटाकर राज्य या केंद्र सरकार के कर्मचारियों द्वारा संचालित किया जाना चाहिए। बीसीसीएल अपनी मनमानी बंद करे और नागरिकों पर उनके द्वारा दर्ज कराये गये मुकदमे को न्यायिक आयोग प्रणाली का गठन कर विस्थापन और पुनर्वास से सभी मुकदमों को अविलंब खारिज कर सभी को बरी करे। कहा कि रैयतो, गैर रैयतो के साथ किरायेदार को भी सर्वे कराकर उचित मुआवजा देना होगा। चंडीगढ़ की तर्ज पर यहां के निवासिओं को एक जगह या छोटे-छोटे टाउनशिप बनाकर केंद्र सरकार लोगों को बसाए। ओबी डंप को समतल करके विस्थापितों की बसाया जाए और रैयत को 20 लाख रुपये का पैकेज दिया जाए।

भोगनाडीह की घटना के लिए भाजपा को जिम्मेदार ठहराकर झामुमो ने पुतला फूंका

बोकारो (आजाद सिपाही)। झामुमो ने जिला मुख्यालय के समक्ष गुरुवार को भाजपा का पुतला दहन किया। जिसका नेतृत्व पार्टी के जिलाध्यक्ष रतनलाल मांझी ने किया। इस अवसर पर जिलाध्यक्ष रतनलाल मांझी ने भाजपा पर गंभीर आरोप लगाए। कहा कि 30 जून को हूल दिवस पर भोगनाडीह में भाजपा की ओर से संथाल परगना को अस्थिर करने का षड्यंत्र रचा गया था। यह न सिर्फ झारखंड के शहीदों का अपमान है, बल्कि झारखंड के आदिवासियों-मूलवासियों को गुमराह करने की साजिश भी है। कहा कि यह घटनाक्रम दर्शाता है कि भाजपा अपने चाल-चरित्र के अनुरूप सत्ता पर काबिज होने के लिए किसी भी स्तर तक जा सकती है। ऐसी स्थिति में झारखंड के आदिवासियों मूलवासियों में भाजपा के प्रति गहरा रोष है। वहीं, झामुमो के बोकारो महानगर अध्यक्ष मंटू यादव ने भी भाजपा पर तीखा हमला बोला। कहा कि भाजपा झारखंड को मणिपुर बनाना चाहती है। पर झामुमो किसी भी सूरत में भाजपा का यह दोहरा चरित्र बर्दाश्त नहीं करेगी। भाजपा के हूल दिवस पर किए गए कृत्य की निंदा करते हुए कहा कि इससे पूरे झारखंड की जनता आहत है। कहा कि भाजपा चाहती है कि हेमंत सरकार द्वारा राज्य में चौतरफा विकास का जो कार्य किया जा रहा है, वह सफल ना हो। अगर झारखंड प्रदेश का कोई भला कर सकता है तो वह एकमात्र नेता मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन और उनकी सरकार है। इस मौके पर केंद्रीय सदस्य हीरालाल मांझी, अशोक मुर्मू, बीके चौधरी, जिला कोषाध्यक्ष पंकज जयसवाल, जिला सचिव मुकेश महतो, प्रवक्ता आकाश टुडू, इमाम हसन, संजय केजरीवाल, विजय रजवार, बम पांडे, प्रमोद तापड़िया, रामदयाल सिंह भागीरथ शर्मा, आलोक सिंह, राकेश सिन्हा, पंकज मरांडी, लूदु मांझी, सोनाराम हेंब्रम सदानंद गोप, कालीपद महतो, अभिषेक पांडे, कन्हैया सिंह, दीपक बंसल, शांति सोरेन, कुसुम भारती आदि उपस्थित थे।

अशोक नगर की जर्जर सड़क का जल्द किया जायेगा कायाकल्प : अनुपमा

धनबाद (आजाद सिपाही)। अशोक नगर के स्थानीय निवासियों ने अनुपमा सिंह से मिलकर एवं आवेदन देकर जर्जर सड़क से हो रही परेशानी से अवगत कराया। साथ ही उक्त सड़क की मरम्मति करवाने की अपील की। जानकारी के मुताबिक गुरुवार को वार्ड नंबर 33 अशोक नगर के नगर वासियों का प्रतिनिधि मंडल अनुपमा सिंह के निर्देश पर धनबाद के नगर आयुक्त रविराज शर्मा से मिला। इस दौरान अशोकनगर की जर्जर सड़क जो पिछले 20 -25 वर्ष से अधिक के समय से मरम्मत के अभाव में जीर्णशीर्ण अवस्था में उठे ठीक कराने की अपील की। बताया कि उक्त जर्जर सड़क के चलते राजकमल सरस्वती शिशु विद्या मंदिर में पढ़ने वाले करीब चार से पांच हजार से अधिक बच्चे-बच्चियों के अलावा 15-20 हजार की आबादी वाला वार्ड भी बेहद परेशान है। बारिश से मौसम में सड़क पर जल जमाव एवं बदबूदार नालियों से निकलने वाला पानी के कारण पैदल चलना भी दूभर हो गया है। वहीं, कांग्रेस नेत्री अनुपमा सिंह ने पोन पर वार्ता कर इस मामले को प्राथमिकता से जल्द कराने को कहा। जिसपर नगर आयुक्त ने बारिश खत्म होते ही उपरोक्त जर्जर सड़क के कार्य को करा देने का आश्वासन दिया गया। इस मौके पर कांग्रेस नेता सतपाल सिंह ब्रोका, 33 नंबर वार्ड के स्थानीय निवासी सरोज कुमार बोस, योगेश कुमार, तपस कुमार घोष, मन्नू द्विवेदी ,मनमोहन, मनजीत सिंह, महेंद्र प्रसाद आदि उपस्थित थे।

होटल में छापामारी, आधा दर्जन लड़के-लड़कियां गिरफ्तार

धनबाद (आजाद सिपाही)। शहर के सरायढेला थाना क्षेत्र स्थित एक होटल में पुलिस ने गुरुवार को छापामारी की। इस दौरान वहां से आधा दर्जन युवक-युवतियों को गिरफ्तार किया गया। पकड़े गए युवक-युवती से पूछताछ की जा रही है। पुलिस ने सभी के अभिभावकों को थाने बुलाया है। बताते चले कि सरायढेला पुलिस प्रिंस खान के गुर्गे के खिलाफ सर्च अभियान चला रही है। इसी अभियान के तहत ब्लू मून होटल में जांच के दौरान पता चला कि वहां सेक्स रैकेट चलाया जा रहा था। जिसके बाद होटल से कई युवक- युवती छापामारी के बाद पकड़े गए। इससे होटल संचालकों में हड़कंप मच गया। मालूम हो कि इन दिनों कुछ होटलो में अनैतिक और गैर कानूनी कार्य धड़ल्ले से हो रहे है। सरायढेला थाना प्रभारी नूतन मोदी, एसएसपी साहब के निर्देश पर बाहर से आए हुए लोगों की जांच के लिए होटल का निरीक्षण किया गया।

वेस्टमुडीडीह कोलियरी कार्यालय के समक्ष महिलाओं का प्रदर्शन

बिजली कटौती और तीन कर्मियों के निलंबन से नाराजगी

- बिजली कटौती से नाराज भाजपा नेत्री गीता सिंह पहुंची कोलयरी कार्यालय, भागे कर्मी

आजाद सिपाही संवाददाता

वेस्टमुनुडीह कोलियरी कार्यालय के समक्ष प्रदर्शन करती महिलाएं।

तेतुलमारी/कतरास। कांटा पहाड़ी विद्युत सब डिवीजनल कार्यालय में अभियंता रितेश सिंह के साथ मारपीट के मामले में प्रबंधक की ओर से तीन बीसीसीएल कर्मियों के निलंबित किये जाने के विरोध में वेस्ट मुडीडीह कोलयरी कार्यालय के समक्ष गुरुवार को भाजपा नेत्री गीता सिंह के नेतृत्व में सैकड़ों महिलाओं ने जोरदार प्रदर्शन किया। महिलाओं ने कोलयरी कार्यालय में कार्यरत सभी कर्मियों को बाहर निकालकर गेट बंद कर दिया। इसके बाद बीसीसीएल प्रबंधक के खिलाफ नारेबाजी करने लगीं। भाजपा नेत्री गीता सिंह ने कहा कि अभियंता रितेश सिंह द्वारा वेस्टमुडीडीह कॉलोनियों की बिजली काट कर प्रोजेक्ट में दे दिया जाता है जिस कारण लोग इस भीषण गर्मी में रहने को मजबूर हैं। स्कूली बच्चे एवं महिलाएं घर में गर्मी के कारण बीमार पड़ रही हैं। घरों में हमेशा जहरीले सांप-बिच्छू का भय बना रहता है। समस्या का समाधान कराने की बात करने पर अधिकारी अभद्र भाषा का प्रयोग करते है। कुछ दिनों पहले भी बिजली व्यवस्था में सुधार करने की मांग को लेकर कॉलोनी के कुछ लोग अभियंता से बात करने अंगारपथरा विद्युत सब डिवीजन गए थे, जिससे नाराज होकर बीसीसीएल कर्मी विमला देवी, लालू रजक एवं सुबोध प्रसाद पर विभागीय कार्यवाई कर उन्हें निलंबित कर दिया गया। यही नहीं, उसके पुत्र पर प्राथमिकी भी दर्ज करा दी गयी है। उन्होंने कहा कि जब से उक्त अभियंता यहां आये है तब से मुदिदिह की बिजली व्यवस्था चरमरा गई है। 24 घंटे में महज 2-4 घंटे ही बिजली रहती है। मरम्मति की बात करने पर वे लोग विटामिन एम की मांग करते हैं। उधर, हंगामें की सूचना पाकर करीब 2 घंटे बाद तेतुलमारी पुलिस और सीआईएसएफ के जवान मौके पर पहुंचे। फिर महाप्रबंधक से आंदोलनकारियों की फोन पर बात हुई जिसमें समस्या का समाधान करने की बात कही गयी। तब जाकर महिलाएं मानी और वापस चली गयी। इस मौके पर शकुंतला देवी, रीना देवी, सरिता देवी, कविता सिंह, राधा देवी, विन्दा देवी, सरोजनी देवी, रीता देवी, ममता देवी और माला देवी आदि मौजूद रहीं।

घर में काम के दौरान मजदूर की मौत, आक्रोशित लोगों का झरिया-सिंदरी मुख्य मार्ग जाम कर हंगामा

- घर के दरवाजे पर ताला लगाकर भागी मकान मालकिन

आजाद सिपाही संवाददाता

झरिया। थाना क्षेत्र के इंदिरा चौक स्थित खोखन दा के घर में काम करने के दौरान एक मजदूर की संदिग्ध परिस्थिति में मौत हो गई। उसकी पहचान किशोर भुइंया के रुप में हुई है। वह लोदना 12 नंबर रक्षा काली का रहने वाला था। उधर, परिजनों का आरोप है कि मकान मालकिन ने किशोर भुइयां की मौत से संबंधित हमें कुछ नहीं बताया। बिना बताए आनन-फानन में इलाज कराया। जहां उसकी मौत हो गई। किशोर भुइंया की मौत हो जाने के बाद हमें सूचना दी गयी। दूसरी ओर, घटना के बाद मालकिन घर में ताला लगाकर फरार हो गई। इससे आक्रोशित परिजनों ने शव के साथ सड़क जाम कर दिया। परिजनों की मानें तो किशोर पिछले एक साल से उस घर में काम करता था। घटना के बाद मालकिन ताला लगाकर फरार हो गई, जिससे मामला और भी रहस्यमयी बन गया है। उधर, घटना की खबर मिलते ही क्षेत्र में आक्रोश फैल गया। स्थानीय लोगों ने मुआवजे की मांग को लेकर झरिया-इंदिरा चौक मुख्य मार्ग को जाम कर दिया। इस कारण सड़क पर यातायात बाधित हो गया और स्थिति तनावपूर्ण हो गई। लोग मृतक के परिवार को उचित मुआवजा और महिला की गिरफ्तारी की मांग कर रहे थे। उधर, घटना की सूचना पाकर झरिया पुलिस मौके पर पहुंची और परिजनों एवं प्रदर्शनकारियों को समझाकर शांत कराया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। साथ ही मामले की जांच में जुट गई है। वहीं, स्थानीय लोगों का आरोप है कि मजदूर की मौत लापरवाही से हुई है। घर की मालकिन की भूमिका भी संदिग्ध है। इस पर पुलिस ने आश्वासन दिया कि पूरे मामले की निष्पक्ष जांच की जाएगी और दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई होगी।

परिजन गये पूजा करने, युवती ने घर में लगा ली फांसी

झरिया (आजाद सिपाही)। थाना क्षेत्र के ऊपर राजबाड़ी में बुधवार की रात 22 वर्षीय युवती द्वारा घर में ही फांसी का फंदा लगाकर आत्महत्या कर लिए जाने का मामला प्रकाश में आया है। मृतका की पहचान साक्षी वर्मा के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार, साक्षी के परिवार के सभी सदस्य हजारीबाग से ग्रामीण पूजा कर घर लौटे थे। रात को भोजन के बाद साक्षी ऊपर वाले तल्ले में चली गई। हालांकि काफी समय तक जब वह नीचे नहीं उतरी तो परिजन को संदेह हुआ। वे लोग उसे देखने उसके कमरे में गये, तो वहां का दृश्य देखकर होश उड़ गए। साक्षी फंदे से लटकी हुई थी। सूत्रों की मानें तो मामला प्रेम प्रसंग से जुड़ा हो सकता है, हालांकि अभी तक इसकीआधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। उधर, घटना की सूचना मिलते ही झरिया पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस पूरे मामले की गंभीरता से जांच कर रही है। वहीं, झरिया पुलिस ने घटनास्थल की जांच की और परिजनों से पूछताछ शुरू कर दी है। पुलिस का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट और मोबाइल डेटा खंगाले जाने के बाद ही आत्महत्या के पीछे की असली वजह सामने आ सकेगी।

जीतपुर कोलियरी में दूसरे दिन धरना जारी

झरिया/जोड़ापोखर (आजाद सिपाही)। सेल जीतपुर कोलियरी खदान को प्रबधन की ओर से पूर्ण रूप से बंद किए जाने से राष्ट्रीय जनता श्रमिक संघ के नेतृत्व में दूसरे दिन धरना शुरू किया गया है, जो गुरुवार को दूसरे दिन भी जारी रहै। मजदूरों ने कोलियरी के मुख्य गेट पर प्रदर्शन करते हुए प्रबंधन विरोधी नारे लगाए। वहीं उत्पन्न हालात को देखते हुए प्रबंधन की ओर से पुलिस को तैनात कर दिया गया है। राष्ट्रीय जनता श्रमिक संघ के शाखा सचिव रंजीत यादव उर्फ गुड्डू यादव ने कहा कि कोलयरी को एक साजिस के तहत बंद किया गया है जिसे बर्दास्त नहीं किया जाएगा। प्रबंधन को उक्त कोलियरी को खोलना ही होगा।

हिलटॉप परियोजना पर संग्राम

- रैयतों का आरोप- गिरिडीह के मसले पर जबरन प्रभाव जमाने की कोशिश

आजाद सिपाही संवाददाता

महुदा। कोयलांचल की धरती पर एक बार फिर विकास बनाम राजनीति की टकराहट साफ दिख रही है। बाघमारा अंचल अंतर्गत बाबूडीह गांव के समीप प्रस्तावित हिलटॉप एनर्जी प्राइवेट लिमिटेड की आउटसोर्सिंग परियोजना को लेकर जहां प्रशासनिक अमला जमीन मापी जैसे संवेदनशील कार्य को निष्पक्षता से संपन्न कराने में जुटा है, वहीं यह मसला अब औद्योगिक निवेश से आगे बढ़कर झारखंड की राजनीति के नए मोर्चे के रूप में सामने आ रहा है। गुरुवार को सीओ के निर्देश पर भूमि मापी के लिए अमीनों, बीसीसीएल, हिलटॉप प्रतिनिधियों एवं भारी पुलिस बल की उपस्थिति ने प्रशासन की गंभीरता को दर्शाया, लेकिन इस बीच स्थानीय रैयत महिलाओं और पुलिस के बीच हुई कहासुनी की खबर ने जमीनी हालात की संवेदनशीलता को भी उजागर कर दिया। हालांकि प्रशासन ने कहासूनी होने की कोई भी बात से साफ इंकार किया हैं। राजनीतिक हलकों में इस मामले ने तब और ज्यादा तूल पकड़ लिया जब यह खबर आई कि शुक्रवार को भूमि मापी के दौरान धनबाद सांसद ढुल्लू महतो भी मौके पर पहुंच सकते हैं। स्थानीय रैयतों के बीच यह चर्चा जोरों पर है कि यह हस्तक्षेप केवल एक सांसद की क्षेत्रीय सीमाओं से बाहर निकलकर राजनीतिक वर्चस्व स्थापित करने की कोशिश है।

गिरिडीह बनाम धनबाद : सीमाएं धुंधली, राजनीति स्पष्ट

बताते चलें कि हिलटॉप परियोजना जिस क्षेत्र में स्थित है वह गिरिडीह लोकसभा क्षेत्र के अंतर्गत आता है, जहां से सांसद चंद्र प्रकाश चौधरी पहले से ही विस्थापन, पुनर्वास एवं भूमि अधिग्रहण जैसे मुद्दों को लेकर बीसीसीएल और हिलटॉप प्रबंधन से वार्ता कर चुके हैं। ऐसे में धनबाद सांसद की उपस्थिति को राजनीतिक अतिक्रमण के रूप में देखा जा रहा है। यह टकराव केवल दो सांसदों या दो राजनीतिक दलों के बीच का नहीं, बल्कि यह झारखंड की औद्योगिक नीति बनाम जमीनी राजनीति का नया उदाहरण बनता जा रहा है। इस पूरे घटनाक्रम का सबसे बड़ा नुकसान उन स्थानीय ग्रामीणों और रैयतों को होगा, जिनके सामने एक ओर पुनर्वास और रोजगार का आश्वासन है, वहीं दूसरी ओर राजनैतिक खींचतान की आग में जलती जमीन। यदि ऐसी परिस्थितियां बनी रहीं तो न केवल हिलटॉप परियोजना का भविष्य अधर में रहेगा, बल्कि गिरिडीह जैसे संसाधन संपन्न क्षेत्र में कोई भी कंपनी निवेश करने से कतराएगी। यह औद्योगिक विकास की संभावनाओं को गहरी चोट पहुंचा सकता है। गौरतलब हो कि झारखंड के बाघमारा में औद्योगिक निवेश और विकास की राह हमेशा से कठिन रही है, लेकिन जब यह राह राजनीतिक टकराव का अखाड़ा बन जाए, तब नुकसान सिर्फ परियोजनाओं का नहीं होता, बल्कि जनता का भविष्य भी दांव पर लग जाता है। ऐसे में समय की मांग है कि राज्य सरकार, स्थानीय प्रशासन और सभी संबंधित जनप्रतिनिधि इस मुद्दे को राजनीति से ऊपर उठकर जनहित और विकास की दृष्टि से सुलझाएं।

9 जुलाई को आहूत बंद को सफल बनाने के लिए बीसीकेयू ने रामकनाली में निकाला जुलूस

कतरास (आजाद सिपाही)। पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के तहत बिहार कोलियरी कामगार यूनियन कतरास क्षेत्रीय समिति के तत्वावधान में गुरुवार को रामकनाली कोलियरी कार्यालय से जुलूस निकाला गया। जो विभिन्न क्षेत्रों का भ्रमण करते हुए रामकनाली पहुंची। वहां राजेंद्र प्रसाद राजा की अध्यक्षता में एक सभा भी की गयी ।अपने संबोधन में वक्ताओं ने 9 जुलाई को राष्ट्रीय व्यापी मजदूरों की हड़ताल को सफल बनाने कि अपील की। सभा को बीसीकेयू कतरास क्षेत्रीय समिति के कार्यकारी अध्यक्ष कार्तिक महतो, क्षेत्रीय सचिव सुनील महतो, संजय महतो,रोबिन महतो, मो.रिजवान,अमृत महतो, लवकुमार रवानी, सुभाष राजवार,लेखराज,राजु राजवार,सीपी लहरे, युधिष्ठिर बाउरी, राजेश पासवान, विनोद कुमार, पिंटू विश्वकर्मा, रामदास भुइंया ने भी संबोधित किया। इस अवस रप सीटू झारखंड राज्य सचिव राजेंद्र प्रसाद राजा ने कहा कि चार लेबर कोड़ मजदूरों की गुलामी का दस्तावेज है। मजदूरों को इससे बचाने के लिए हड़ताल बुलायी गयी है।

डीएमटीएफ समिति की बैठक में डीसी ने दिये जरूरी निर्देश

अवैध खनन में संलिप्त धंधेबाजों में प्रशासन का भय होना जरूरी: डीसी

आजाद सिपाही संवाददाता

बोकारो। जिले में अब खनन से जुड़े धंधेबाजों की खैर नहीं। उन्हें हरगिज बख्शा नहीं जाएगा। धंधे से जुड़े वाहनों पर भी कड़ी नजर रखी जाएगी। जिला प्रशासन अवैध खनन पर हर हाल में अंकुश लगाने को कृतसंकल्प है। एसपी कार्यालय सभागार में जिला खनन टास्क फोर्स समिति (डीएमटीएफ) की गुरुवार को हुई बैठक में डीसी अजय नाथ झा ने इसके संकेत दिए। उन्होंने अवैध खनन से जुड़े वाहनों पर सख्त कार्रवाई करने का निर्देश दिया। कहा कि धंधेबाजों में प्रशासन का खौफ होना चाहिए। प्रशासन की कार्रवाई दिखनी भी चाहिए, ताकि जनता का भरोसा कायम हो। इसके लिए थाना प्रभारी अपने अपने क्षेत्रों में नियमित गश्त करें। अवैध खनन कारोबार से जुड़े वाहनों के मालिकों पर भी प्राथमिकी दर्ज कर कार्रवाई होनी चाहिए। डीसी ने एसडीओ-एसडीपीओ को इसकी निगरानी करने का निर्देश दिया।

सामूहिक समन्वय से कार्रवाई को बनाये असरदार

डीसी ने सामूहिक समन्वय से कार्रवाई को असरदार बनाने के लिए जरूरी दिशा निर्देश दिया। उन्होंने परिवहन विभाग, खनन विभाग एवं मोटरयान निरीक्षक को एकजुट होकर अभियान चलाने का निर्देश दिया। लगे हाथ जब्त खनिजों के सुरक्षित भंडारण के लिए स्टॉक यार्ड की भूमि चिन्हित करने का निर्देश सीओ को दिया।साथ ही अवैध खनन पर जीरो टॉलरेंस की जिला प्रशासन के प्रतिबद्धता दोहराया। बैठक में एसपी हरविंदर सिंह, अपर समाहर्ता मोहम्मद मुमताज अंसारी, एस डी एम चास सुश्री प्रांजल ढंडा, डीएसपी मुख्यालय, सिटी डीएसपी आदि पदाधिकारी मौजूद थे।

झारखण्ड बिजली वितरण निगम लिमिटेड
(CIN: U40108JH2013SGC001702)
विद्युत आपूर्ति अंचल, राँची।
रजि० ऑफिसरू कुसई कॉलोनी, डोरण्डा, राँची पिन न०-834002,

सूचना

मुहर्रम कार्यक्रम/जुलुस आयोजकों एवं आम जनता से अपील

दिनांक 06.07.2025 (रविवार) को मुहर्रम कार्यक्रम/जुलुस के दौरान विद्युत आपूर्ति बन्द नहीं की जाएगी।अतः जुलुस के दौरान सुरक्षा के दृष्टीकोण से निम्नलिखित सावधानी/नियमों का अनुपालन करना आवश्यक है:–

1. जुलुस में निकलने वाले ताजिया, वाहनों पर साउण्ड सिस्टम(DJ) एवं झाँकियों की अधिकतम ऊँचाई 4 मीटर (13 फीट) तक सीमित हो।
2. बसों एंव अन्य बड़ी वाहनों के छतों पर कोई व्यक्ति न बैठे एवं उस पर किसी तरह की कोई ऊँची सामग्री/ ऊँचा ताजियालगा न हो जिससे जमीन से कुल ऊँचाई 4 मीटर (13 फीट) से ज्यादा न हो।
3. समितियों द्वारा पर्याप्त संख्या में volunteers की तैनाती रखनी होगी।जुलुस के दौरान समिति के volunteersजुलुस के साथ चल रहे आम जनता पर लगातार विशेष निगरानी रखेगें जिससे किसी के भी लापरवाही/गलती से कोई दुर्घटना न हो।
4. आम जनता तथा जुलुस में सम्मलित व्यक्ति मार्ग में पड़ने वाले बिजली के पोल, तार एवं अन्य बिजली केउपकरणों को छुने अथवा किसी डंडे या अन्य माध्यम से भी सम्पर्क करने की कोशिश न करें।
5. जुलुस में बड़ी/ऊँची वाहनों का प्रयोग न करें।
6. मुहर्रम के दौरान किसी भी तरह की विद्युत से संबंधित समस्या होने पर निम्नलिखित दुरभाष सं0 पर सम्पर्क किया जा सकता है:–

विद्युत नियंत्रण कक्ष, कुसई कॉलोनी	– 9431135682
विद्युत अधीक्षण अभियंता, विद्युत आपूर्ति अंचल, राँची	– 9431135662
विद्युत कार्यपालक अभियंता, विद्युत आपूर्ति प्रमण्डल राँची (केन्द्रीय)	– 9431135613
विद्युत कार्यपालक अभियंता, विद्युत आपूर्ति प्रमण्डल डोरण्डा	– 9431135608
विद्युत कार्यपालक अभियंता, विद्युत आपूर्ति प्रमण्डल न्यु कैपिटल	– 9431135620
विद्युत कार्यपालक अभियंता, विद्युत आपूर्ति प्रमण्डल राँची (पूर्वी)	– 9431135614
विद्युत कार्यपालक अभियंता, विद्युत आपूर्ति प्रमण्डल राँची (पश्चिमी)	– 9431135664
विद्युत कार्यपालक अभियंता, विद्युत आपूर्ति प्रमण्डल कोकर	– 9431135615
विद्युत कार्यपालक अभियंता, विद्युत आपूर्ति प्रमण्डल खूँटी	– 9431135616

स्वहित एवं राष्ट्रहित में ऊर्जा बचावें। कृपया अपनी शिकायतों को 18003456570(कॉल सेन्टर) पर दर्ज करायें।

ह०/–
विद्युत अधीक्षण अभियंता
विद्युत आपूर्ति अंचल, राँची

PR.NO.356436 Jharkhand Bijlee Vitran Nigam Ltd(25-26):D

आजाद सिपाही
रांची, शुक्रवार, 04 जुलाई, 2025
www.azadsipahi.in
12

भारत में लोकतंत्र सिस्टम नहीं, संस्कार है: मोदी

- प्रधानमंत्री ने घाना की संसद को संबोधित किया
- घाना में नेशनल अवॉर्ड मिलना सम्मान की बात

एजेंसी

एक्रॉ। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को घाना की संसद को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि आज इस प्रतिष्ठित सदन को संबोधित करते हुए मुझे गर्व महसूस हो रहा है। घाना में होना सौभाग्य की बात है। यह लोकतंत्र की भावना से भरी हुई धरती है। घाना पूरे अफ्रीका के लिए प्रेरणा का केंद्र है। मोदी ने कहा कि भारत लोकतंत्र की जननी है। यह हमारे लिए एक सिस्टम नहीं, बल्कि संस्कार है। दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र के रूप में भारत दुनिया के लिए शक्ति का स्तंभ है। एक मजबूत भारत एक स्थिर और समृद्ध दुनिया में योगदान देगा। बताते चलें कि प्रधानमंत्री 2 जुलाई से 10 जुलाई तक विदेश यात्रा पर हैं। इस दौरान वे 5 देशों में जायेंगे। घाना उनका पहला पड़ाव है। प्रधानमंत्री मोदी को बुधवार को घाना का सर्वोच्च सम्मान 'द ऑफिसर ऑफ द ऑर्डर ऑफ द स्टार ऑफ घाना' दिया गया था। दोनों देशों ने 4 अलग-अलग समझौते (एमओयू) भी साइन किये।

140 करोड़ लोगों की ओर से धन्यवाद

मोदी ने कहा कि घाना के राष्ट्रपति जॉन महामा से नेशनल अवॉर्ड मिलना मेरे लिए सम्मान की बात है। भारत के 140 करोड़ लोगों की ओर से मैं इस सम्मान के लिए घाना के लोगों को धन्यवाद देता हूं। हमारी दोस्ती आपके मशहूर शुगर लोफ अनानास से मीठी है।

भारत की फिलॉसिफी ह्यूमैनिटी फर्स्ट

प्रधानमंत्री ने कहा कि घाना जी20 का स्थायी सदस्य बना। यह भारत की प्रेसीडेंसी में मुमकिन हुआ। भारत की फिलॉसिफी ह्यूमैनिटी फर्स्ट है। हम सभी के खुश रहने में यकीन रखते हैं। हमें घाना में एक ऐसा देश दिखायी देता है, जो साहस के साथ हर चुनौती का बहादुरी से सामना करता है। हम एक उज्ज्वल और टिकाऊ भविष्य को सुरक्षित करने के लिए अफ्रीका के डेवलपमेंट फ्रेमवर्क का समर्थन करते हैं।

दोनों देशों के बीच ये चार एमओयू हुए

- विदेश मंत्रालय लेबल पर जॉइंट कमीशन बैठक की स्थापना करना।
- पारंपरिक चिकित्सा के क्षेत्र में दोनों देश एक्सपर्ट्स की ट्रेनिंग और एक्सपीरियंस शेयर करेंगे।
- कल्चरल एक्टिविटी से जुड़ा है, जिससे सांस्कृतिक कार्यक्रमों और पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा।
- स्टैंडर्ड सेटिंग (प्रोडक्ट और सर्विस के लिए गुणवत्ता नियम तय करना) करना, जिससे आर्थिक सहयोग बढ़ेगा।

पतंजलि च्यवनप्राश के विज्ञापन पर दिल्ली हाइकोर्ट की रोक

नयी दिल्ली (आजाद सिपाही)। दिल्ली हाइकोर्ट ने गुरुवार को पतंजलि को निर्देश दिया है कि वह डाबर च्यवनप्राश के खिलाफ कोई भी नकारात्मक या भ्रामक विज्ञापन न दिखाए। यह आदेश जस्टिस मिनी पुष्करणा ने डाबर की ओर से दायर याचिका पर सुनवाई के बाद दिया। डाबर ने कोर्ट में तर्क रखा कि इस तरह के विज्ञापन न सिर्फ उनके उत्पाद को बदनाम करते हैं, बल्कि उपभोक्ताओं को गुमराह भी करते हैं। च्यवनप्राश एक पारंपरिक आयुर्वेदिक औषधि है, जिसे ड्रग्स और कॉस्मेटिक एक्ट के तहत नियमानुसार ही बनाना होता है। ऐसे में अन्य ब्रांड्स को सामान्य कहना गलत, भ्रामक और नुकसानदायक है।

शमिक भट्टाचार्य निर्विरोध चुने गये बंगाल भाजपा के अध्यक्ष

- कमान संभालते ही तृणमूल को सत्ता से उखाड़ फेंकने का लिया संकल्प
- कहा- अगले साल होने वाले विधानसभा चुनाव में तृणमूल का विसर्जन तय

आजाद सिपाही संवाददाता

कंधे से कंधा मिला कर लड़ेंगे : सुकांत

इस दौरान सुकांत ने उन्हें कमान सौंपते हुए कहा कि अगले विधानसभा चुनाव में शमिक भट्टाचार्य के नेतृत्व में हम सभी कंधे से कंधे मिला कर लड़ेंगे और तृणमूल को सत्ता से उखाड़ फेंकेंगे। मालूम हो कि शमिक को बंगाल भाजपा की कमान ऐसे समय में मिली है, जब राज्य में अगले साल की शुरुआत में ही विधानसभा चुनाव होने हैं।

शमिक भट्टाचार्य का संक्षिप्त परिचय

पांच नवंबर 1963 को जन्मे शमिक भट्टाचार्य का अभी बंगाल से भाजपा के राज्यसभा सदस्य हैं। अप्रैल 2024 में उन्होंने पहली बार राज्यसभा सदस्य के रूप में शपथ ली थी। आरएसएस की पृष्ठभूमि से आने वाले शमिक 2020 से अभी तक प्रदेश भाजपा के मुख्य प्रवक्ता की जिम्मेदारी भी संभाल रहे थे। एक बार उपचुनाव में जीत दर्ज कर साल 2014 से 2016 तक वे उत्तर 24 परगना जिले के बशीरहाट दक्षिण निर्वाचन क्षेत्र से विधायक रह चुके हैं।

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में साल 2026 में होने वाले विधानसभा चुनाव से पहले प्रदेश भाजपा को गुरुवार को नया अध्यक्ष मिला। राज्यसभा सदस्य एवं पार्टी के वरिष्ठ नेता शमिक भट्टाचार्य (61) को आधिकारिक तौर पर बंगाल भाजपा का नया अध्यक्ष घोषित कर दिया गया। कोलकाता के साइंस सिटी में इस दिन दोपहर में आयोजित भव्य अभिनंदन समारोह में पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं बंगाल भाजपा अध्यक्ष चुनाव के केंद्रीय प्रभारी रविशंकर प्रसाद ने उनके नाम की औपचारिक घोषणा की और उन्हें अध्यक्ष पद पर चुने जाने का प्रमाण पत्र सौंपा। शमिक निर्विरोध प्रदेश अध्यक्ष चुने गए हैं, क्योंकि बुधवार को किसी अन्य उम्मीदवार ने इस पद के लिए नामांकन दाखिल नहीं किया। इस मौके पर वरिष्ठ भाजपा सांसद रविशंकर प्रसाद ने कहा कि मुझे बहुत प्रसन्नता है कि सर्वसम्मति से शमिक भट्टाचार्य का चुनाव हुआ है, उन्हें बहुत बधाई देता हूं।

शमिक ने सुकांत मजूमदार की जगह ली है, जो सितंबर, 2021 से ही प्रदेश अध्यक्ष की जिम्मेदारी संभालते आ रहे थे।

वहीं, अध्यक्ष की कमान संभालते ही शमिक ने अगले साल होने वाले विधानसभा चुनाव में तृणमूल कांग्रेस को बंगाल की सत्ता से उखाड़ फेंकने का संकल्प लिया। शमिक ने कहा, पूरे बंगाल के लोगों का एक ही मूड है - ममता बनर्जी सरकार का विसर्जन और यही हमारा नारा है- 2026 का निर्वाचन, तृणमूल का विसर्जन। हमें विश्वास है कि इस बार कोई गलती नहीं होगी, नये मतदाता सूची पर चुनाव होंगे और बंगाल के लोग मतदान के लिए बाहर निकलेंगे और तृणमूल को उखाड़ फेंकेंगे। अभिनंदन समारोह में निवर्तमान प्रदेश अध्यक्ष व केंद्रीय शिक्षा राज्यमंत्री सुकांत मजूमदार, विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष सुवेंदु अधिकारी, बंगाल भाजपा के केंद्रीय प्रभारी सुनील बंसल व मंगल पांडेय मौजूद थे।

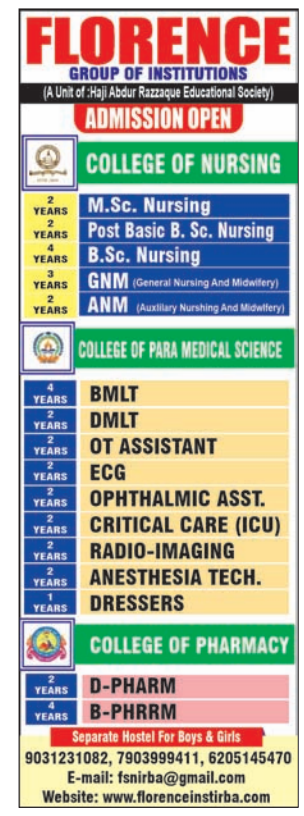

आजाद सिपाही की ओर से स्वत्वाधिकारी लैंडस्केप मीडिया प्रा. लि., प्रकाशक एवं मुद्रक हरिनारायण सिंह के लिए 176 कोकर चौक, ओल्ड एचबी रोड, रांची 834001 (झारखंड) से प्रकाशित तथा डीबी प्रिंट सोल्यूशंस (ए यूनिट ऑफ डीबी कार्प लिमिटेड), प्लॉट नं. 535 एवं 1272, ललगुटवा, पुलिस स्टेशन, रातू, रांची से मुद्रित।
संपादक : हरिनारायण सिंह, **स्थानीय संपादक* :** विनोद कुमार, ***पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के लिए जिम्मेदार, **राज्य समन्वय संपादक :** अजय शर्मा। समस्त दिवानी विवादों, न्यायोचित कार्रवाइयों एवं दंडित परिवादों के लिए क्षेत्राधिकार रांची न्यायालय में रहेगा। फोन : 9264434560, **R.N.I. No.-JHAHIN/2015/65109,** Postal Registration No. **RN/249/2019-21**